kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❑ वर्ष-14 ❑ अंक-101 ❑ सोमवार, 12 मई 2025 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

पाकिस्तान ने जो दोहरा रवैया अपनाया, उसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है। भारतीय सेना पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रही है। बड़ी संख्या में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया है। **प्रहलाद जोशी**

खरगे-राहुल ने मोदी को पत्र लिखकर की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग 12

पटना में पथों का निर्माण कार्य तेजी से करें पूर्ण : नीतीश 12

संक्षेप

यूपी में भीषण गर्मी का दौर शुरू, 14 से लू की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं का दौर शुरू हो चुका है। बीते दो दिनों में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में तापमान चढ़ने के साथ ही गर्मी का प्रभाव बढ़ा है। दोपहर की तपिश भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन से चार दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी के संकेत हैं। वहीं 14 मई से यूपी के पूर्वी और तराई हिस्सों में लू के थपेड़े चलने के संकेत हैं। रविवार को वाराणसी, कानपुर, बस्ती, बहराइच , चुर्क, बलिया जैसे 15 जिलों से ज्यादा जिलों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आने वाले तीन-चार दिनों में तापमान में 5 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी और उत्तरी पश्चिमी हिस्सों में 14 मई से लू चलने की संभावना है। वहीं रविवार को प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों सोनभद्र, मिर्ज़ापुर, वाराणसी आदि में छिटपुट बूंदाबांदी के आसार हैं।

योगी सरकार ने ओडीओपी में शामिल किए 12 और नये उत्पाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट (ओडीओपी) योजना न केवल प्रदेश के हर जिले की पारम्परिक विशेषता को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनी है, बल्कि लाखों कारीगरों, शिल्पियों और उद्यमियों के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त जरिया भी साबित हुई है। सीएम योगी की ओडीओपी योजना जहां देश के कई राज्य अपना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दुनिया में भी काफी ओडीओपी उत्पादों की सराहना हो रही है। इसे और सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने 12 और नये उत्पादों को ओडीओपी में शामिल किया है, जो देश दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे। योगी सरकार पहले ही प्रदेश के विभिन्न जिलों के 62 उत्पादों को ओडीओपी में शामिल कर चुकी है, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 74 हो गई है। एमएसएमई सचिव प्रांजल यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट (ओडीओपी) योजना की पूरे देश में चर्चा हो रही है। यह योजना विभिन्न राज्यों को काफी पसंद आयी। यही वजह है कि उन्होंने अपने राज्यों में भी सीएम योगी की ओडीओपी योजना को लागू किया है। सीएम योगी की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि प्रदेश के हर जिले की पारंपरिक विशेषताओं और उद्योगों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिली है। इससे न सिर्फ स्थानीय शिल्पियों और उद्यमियों को रोज़गार मिला है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। एमएसएमई सचिव ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर ओपीओपी में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 12 नये उत्पादों को शामिल किया है।

सभी टारगेट और लक्ष्य हासिल किए : सेना

सहमति तोड़ने पर पाक सेना को दंड देने का प्लान तैयार

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने कहा है कि ऑपरेशन सिन्दूर के लक्ष्य हासिल कर लिये हैं और पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उसकी ओर से आज रात भी सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए बनी सहमति का उल्लंघन किया जाता है तो उसे इसका बेहद गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वायु सेना के संचालन महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती और नौसेना के संचालन महानिदेशक वाइस एडमिरील ए के प्रमोद ने रविवार देर शाम ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष ब्रीफिंग में साफ शब्दों में कहा है कि यदि पाकिस्तान की ओर से इस तरह की कार्रवाई होती है तो उनके पास पाकिस्तान को सबक सिखाने का रोड़ मैप और प्लान हैं और हम उस पर अमल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने सेना को आदेश दिया है कि यदि पाकिस्तान की ओर से सहमति का आज भी उल्लंघन किया जाता है तो उसे जोरदार तरीके से दंडित किया जाना चाहिए।

सेनाओं की ओर से साफ तौर पर कहा गया, हमारी लड़ाई न तो पाकिस्तान के खिलाफ है , न ही पाकिस्तान के लोगों से है, हमारी लड़ाई सिर्फ आतंवादियों और उनके आकाओं से है। सेनाओं की ओर से आज पहली बार यह जानकारी दी गयी कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से भी अधिक आतंकवादी मारे गये। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई के बाद हुए संघर्ष में पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक ढेर किये गये हैं और यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है लेकिन इसका अभी आकलन किया जा रहा है। सेना ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद भारतीय सेनाओं की कार्रवाई के दौरान पांच भारतीय सैनिक मारे गये हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के कई विमान गिराये हैं लेकिन उन्होंने इसकी संख्या नहीं बतायी। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत के सभी पायटल सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाएं अभी भी सचेत मुद्रा में है और उसे हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। एक सवाल के जवाब में सेनाओं ने कहा कि सीमा पार करीब 21 आतंकवादी ठिकाने हैं और जरूरत पड़ने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। एयर मार्शल भारती ने कहा कि छह मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने के बाद उन्होंने अपने पाकिस्तानी समकक्ष को जानकारी दी कि इस आपरेशन में केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है और भारत के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने ● शेष पेज 11 पर

सेना का बयान

- ❑ पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे, ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर मारे, 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए
- ❑ हमारे पास दुश्मन के हर ठिकाने को निशाना बनाने की क्षमता
- ❑ आपरेशन सिन्दूर आतंकवादियों को दंडित करने एवं आतंकवाद के ढांचे को नष्ट करना था
- ❑ दुश्मन ड्रोन लाहौर से उड़ा रहा था और नागरिक विमान संचालित करता रहा
- ❑ मुरीदके में अजमल कसाब और डेविड हेडली को प्रशिक्षित किया गया
- ❑ सात मई को हमने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य या नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया
- ❑ पाकिस्तानी डीजीएमओ ने कॉल कर युद्धविराम की बात कही

'जो हुआ वो युद्ध से कम नहीं, हमारे 5 जवान शहीद हुए

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान सेना द्वारा हुए नुकसानों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही लाइन ऑफ कंट्रोल पर पाकिस्तान के 35-40 सैनिकों के हताहत होने की बात की थी। जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, तो पाकिस्तान सेना ने भारतीय सेना और भारतीय सशस्त्र बलों के बुनियादी ढांचे को भी टारगेट किया। उन्होंने कहा कि हमारा टारगेट आतंकी ठिकानों पर था और बाद में जब पाकिस्तान ने हमारे बुनियादी ढांचे पर एयर इंट्रूजन और एयर ऑपरेशंस शुरू किए, तो हमने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया, और निश्चित रूप से उस दौरान हताहत हुए होंगे, लेकिन उनकी संख्या अभी तक आंकी जा रही है। उन्होंने कहा कि जो 3 दिन तक चला वो युद्ध से कम नहीं था। हमारे सभी पायलट सुरक्षित लौटे हैं।साथ ही कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं।

पाकिस्तान कुछ करेगा तो जवाब और खतरनाक होगा

एजेंसी

❑ पीएम मोदी ने अमेरिकी उप-राष्ट्रपति को दिया दो टूक जवाब

नई दिल्ली। भारत पाकिस्तान तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ तौर पर कहा था कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है, तो भारत का जवाब पहले से कहीं ज्यादा तेज और खतरनाक होगा। बताया जा रहा है कि उसी रात पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 26 ठिकानों पर हमला किया, जिसका भारत ने बेहद जोरदार जवाब दिया।

ये जानकारी न्यू यॉर्क टाइम्स के सूत्रों से समाचार एजेंसी ने दी है। गौरतलब है कि जेडी वेंस उस वक्त भारत में ही थे, जब 22 अप्रैल को पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ था। उसी दिन अमेरिका की तरफ से वेंस ने पीएम मोदी से बात की और कहा कि अमेरिकी एजेंसियों का आकलन है कि भारत-पाक के बीच का तनाव कभी भी पूरी जंग में बदल सकती है।

वहीं जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ज्यादा बढ़ गया तो वेंस की ओर से हस्तक्षेप उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत-पाक संघर्ष अमेरिका का मामला नहीं है। लेकिन हालात बिगड़ते देख अमेरिका ने स्थिति संभालने की कोशिश की। फिलहाल दोनों देशों के बीच सीजफायर जारी है, मगर सीमा पर तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने साथ ही दावा किया कि ऐसा अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के कारण संभव हो सका है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे अमेरिका की मध्यस्थता वाला संघर्षविराम बताया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की शांति का मार्ग चुनने के लिए उनके विवेक और राजनीतिक सूझबूझ की सराहना की। नई दिल्ली में सरकारी सूत्रों ने हालांकि कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर बातचीत हुई।

सेना और आतंकी हमले को लेकर बनाए जा रहे फ़ेक वीडियो चुनौती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- ❑ कई संवेदनशील जिलों में ऐसे वीडियो वायरल हुए
- ❑ डीजीपी ने सख्ती के आदेश दिए, हर जिले में सोशल मीडिया ऐसे वीडियो व खबरों पर नजर रख रही
- ❑ आरोपितों पर एफआईआर दर्ज कर भेजा जाएगा जेल

लखनऊ।शाहजहांपुर में आतंकी हमला हो गया... इस खबर के साथ ही एक वीडियो दो दिन पहले वायरल हुआ। यह वीडियो पूरी तरह से फर्जी था पर कुछ समय के लिए शाहजहांपुर में हड़कम्प मचा रहा। पुलिस और प्रशासन ने कुछ समय में ही इसे कोरी अफवाह बताते हुए 'एक्स पर लिखा और इस मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

ऐसा सिर्फ शाहजहांपुर में ही नहीं बल्कि बरेली, कानपुर, लखनऊ, समेत कई शहरों में सेना, भारत-पाक युद्ध और आतंकी हमले को लेकर तरह-तरह की फर्जी खबरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। ऐसे वीडियो और फर्जी खबरें पुलिस और प्रशासन के लिए चुनौती बनते जा रहे है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इनसे निपटने के लिए सख्त कार्रवाई के आदेश दिए है। उन्होंने सभी जिलों के कप्तानों व पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए है कि फर्जी वीडियो और खबरें पोस्ट कर अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाए। इनके खिलाफ तुरन्त एफआईआर दर्ज की जाए। एक विशेष टीम नजर रख रही सोशल मीडिया पर डीजीपी ने हर जिले के कप्तान से कहा है कि वह अपने यहां विशेष टीम बनाएं जो इस समय के माहौल को देखते हुए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से नजर रखें। किसी भी आपत्तिजनक सामग्री और फर्जी खबरें ● शेष पेज 11 पर

सितंबर से पहले प्रदेश में बिजली की नई दरें हो जाएंगी तय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- ❑ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों द्वारा दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) प्रस्ताव किया मंजूर
- ❑ 21 दिन उपभोक्ताओं को प्रस्ताव पर आपत्तियां दाखिल करने के लिए, जून से होगी बिजली दरों पर जनता के बीच सुनवाई

लखनऊ। सितंबर से पहले बिजली की नई दरें तय हो जाएंगी। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों द्वारा दाखिल वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उपभोक्ताओं को आपत्तियां दाखिल करने के लिए 21 दिन दिए गए हैं और इसके बाद जून से बिजली दरों पर जनता के बीच सुनवाई शुरू हो जाएगी।

प्रस्ताव स्वीकार करने के बाद 120 दिनों में नई दरें तय करने का नियम है। बिजली कंपनियों ने बीते साल नवंबर में एआरआर दाखिल किया था। तब आयोग ने प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी थी। अप्रैल में नए प्रोफॉर्मा पर अतिरिक्त सूचनाएं मांगी गई और अब आयोग ने एआरआर मंजूर कर लिया है। एआरआर के साथ ही टू-अप 2023-24 व वर्ष 2024-25 के वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन को भी स्वीकृति दे दी है। विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी आदेश में लिखा गया है कि बहुवर्षीय वितरण टैरिफ नियमन-2025 के तहत बिजली कंपनियों ने दरों के संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। कंपनियों को अपने सभी डाटा 3 दिन के भीतर समाचार पत्रों में प्रकाशित करना होगा और उसके आधार पर उपभोक्ता 21 दिनों में अपनी आपत्ति और सुझाव दाखिल करेंगे। आयोग जून से आम जनता के बीच सुनवाई करेगा। 9-10 हजार करोड़ रुपये का है अंतर बिजली कंपनियों ने भले ही बिजली दरों के संबंध में प्रस्ताव नहीं दिया है, लेकिन एआरआर में आपूर्ति के खर्च व राजस्व में 9-10 हजार करोड़ रुपये का अंतर है। इस अंतर के रकम की भरपाई के लिए बिजली कंपनियां चाहती हैं कि आयोग उनके पक्ष में फैसला ले। बिजली कंपनियों ने अपनी तरफ से दरों का प्रस्ताव न देकर गेंद नियामक आयोग के पाले में डाल दी है। जनता के बीच सुनवाई में बिजली कंपनियों के खर्च के ब्योरे पर सवाल उठने तय हैं। एक लाख 13 हजार 923 करोड़ रुपये का है एआरआर बिजली कंपनियों द्वारा दाखिल ● शेष पेज 11 पर

यूपी में 11 आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। यूपी में एक बार फिर योगी सरकार ने अफसरों के तबादले कर दिए हैं। इस बार 11 अफसरों के ट्रांसफर हुए हैं। इस फ़ेरबदल में प्रयागराज पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा को लखनऊ रेंज का आईजी बनाया गया है। तरुण गाबा यहां पहले भी तैनात रह चुके हैं। इसी तरह कानपुर रेंज के आईजी जोगेन्दर कुमार को प्रयागराज का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

पीएसी मुख्यालय लखनऊ के आईजी आशुतोष कुमार को कानपुर का अपर पुलिस आयुक्त बनाया गया है। कुछ समय पहले आईजी सुरक्षा मुख्यालय से लखनऊ रेंज के आईजी पद पर स्थानान्तरित उपेन्द्र कुमार अग्रवाल को अब पीएसी मुख्यालय लखनऊ का आईजी बनाया गया है। उनका पहले का तबादला निरस्त कर दिया गया है। अपर पुलिस आयुक्त कानपुर हरीशचन्द्र को कानपुर रेंज का डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त आगरा संजीव त्यागी को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं का डीआईजी बनाया गया है। यहां का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे हेमंत कुटियाल अब एसएसएफ के डीआईजी पद का कार्यभार देंखेंगे। डीआईजी दूरसंचार प्रदीप गुप्ता भी ● शेष पेज 11 पर

आतंकियों को उनकी ही भाषा में जवाब दिया गया: योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❑ अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए एक स्वर से पीएम मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा
- ❑ मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस यूनिट का किया शुभारंभ मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए
- ❑ पुस्तक ब्रह्मांड का भी किया विमोचन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवादी कभी सीधे होने वाले नहीं, वो प्यार की भाषा मानने वाले नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड'का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में दिखा ब्रह्मोस का पराक्रम मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे ● शेष पेज 11 पर

रावलपिंडी तक सुनाई दी है भारतीय सेना के शौर्य की धमक : राजनाथ सिंह

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❑ लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन
- ❑ यूपी डिफेंस कॉरिडोर से 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' नीति के तहत रक्षा क्षेत्र में बढ़ेगी आत्मनिर्भरता
- ❑ कानपुर फिर बनेगा इंडस्ट्रियल हब, विकास की ऊंचाइयों तक ले जाएगा डिफेंस कॉरिडोर
- ❑ हमारा सपना, उत्तर प्रदेश बने दुनिया का शीर्ष रक्षा उत्पादन केंद्र

लखनऊ। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारतीय सेना ने साहस, संयम और शौर्य का परिचय देते हुए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर करारा जवाब दिया है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारतीय सेना की कार्रवाई सीमा से सटे ठिकानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी धमक पाकिस्तानी सेना के हेडक्वार्टर रावलपिंडी तक सुनाई दी। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। नई दिल्ली से जुड़कर उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का भी जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला कर कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए इस ऑपरेशन को ● शेष पेज 11 पर

राजस्व विभाग में पारदर्शिता बढ़ाएगी योगी सरकार की इंटीग्रेटेड प्रणाली

- लेखपाल से लेकर आयुक्त तक एक डैशबोर्ड पर करेंगे जानकारी साझा
- जन समस्याएं निपटाने के लिए योगी सरकार की बड़ी पहल
- एक साथ जुड़ेंगे लेखपाल, नायब तहसीलदार, तहसीलदार, एसडीएम और आयुक्त जैसे सभी राजस्व विभाग के अफसर
- डैशबोर्ड का उपयोग करके अधिकारी भूमि विवादों का तेजी से समाधान कर पाएंगे
- राजस्व संग्रह को बढ़ाने में इससे काफी सहयोग मिलेगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और राजस्व विभाग के कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ी डिजिटल पहल करने जा रही है। योगी सरकार लेखपाल से लेकर आयुक्त तक अधिकारियों को एक समेकित डैशबोर्ड से जोड़ने की योजना पर काम कर रही है। इस समेकित डैशबोर्ड से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा और जवाबदेही भी तय होगी। इसके साथ ही विभागीय समन्वय को मजबूती मिलेगी।

राजस्व विभाग के सभी अधिकारी जैसे लेखपाल, नायब तहसीलदार, तहसीलदार, एसडीएम और आयुक्त अब एक ही डिजिटल मंच पर अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे। इससे न केवल कार्यों की निगरानी आसान होगी, बल्कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान भी सुनिश्चित हो सकेगा।

इस डैशबोर्ड पर भूमि रिकॉर्ड, भू-माप, राजस्व संग्रह और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध होंगी। अधिकारी इन आंकड़ों का विश्लेषण कर तेजी से निर्णय ले सकेंगे। इससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आएगी। डैशबोर्ड के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इससे हर स्तर के अधिकारी के कार्यों की समीक्षा संभव होगी और जवाबदेही तय की जा सकेगी। जनता के साथ-साथ शासन भी यह जान सकेगा कि कौन अधिकारी किस स्तर पर कितना सक्रिय है। भूमि विवादों के समाधान में अक्सर समय लगता है, लेकिन इस डैशबोर्ड की मदद से अधिकारी संबंधित दस्तावेजों को डिजिटल रूप में तत्काल देख सकेंगे। इससे विवादों का जल्द निस्तारण संभव होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विवादों पर भी अंकुश लगेगा।

यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार की व्यापक डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पहल का हिस्सा है। सरकार चाहती है कि तकनीक के जरिए प्रशासन को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील बनाया जाए।

सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव है और आज उत्तर प्रदेश के हर जिले में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है तोविकास की प्रक्रिया भी निरंतर आगे बढ़ रही है।

योगी रविवार दोपहर बाद गोरखपुर में कोतवाली थाना के समीप योगगुरु श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन. के निर्माण कार्य का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूहको संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा से ही विकास की सार्थकता सिद्ध होती है ।

मुख्यमंत्री ने विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर पूर्व की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2017 केपहले सरकार के पैरेलल ;समानांतर माफिया और भ्रष्टाचारी भी थे जो शासन की योजनाओं को हड़प लेते थे ,तब किसी गरीब या व्यापारी की जमीन कब्जा कर लेना माफिया के लिए सामान्य बात थी लेकिन आज कोई कब्जा नहीं कर सकता। जबरन कब्जा करने पर लेने के देने पड़ जाएंगे। आज किसी ने बेटियों और व्यापारियों को छेड़ने की कोशिश की तो उसके लिए यमराज के घर का रास्ता खुल जाएगा। उन्होंने ने कहा कि 2017 के बाद सुरक्षा का जो शानदार माहौल बना है उसी का परिणाम है कि प्रदेश तेजी सेआगे बढ़ रहा है और हर जिला विकासए विरासत के संरक्षण और युवाओं के रोजगार के लिए नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने पाकिस्तान को आतंकी राष्ट्र बताते हुए कहा कि हाल के दिनों में पाकिस्तान के जहाज को जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने निशाना बनाया अब वह लखनऊ में बनेगा। यही नहीं यूपी में बनने वाली तोप दुश्मन को कंपाएगी। यह प्रदेश में सुरक्षा के माहौल से ही हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की लड़ाई, हम सबकी लड़ाई होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही आध्यात्मिक विरासत औरविकास सुरक्षित रह पाएंगे।

उन्होंने कहा कि हरेक व्यक्ति के मन में देश प्रथम, देश के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। देश सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। यदि हम इस भाव से काम करेंगे तो देश की आन, बान और शान में गुस्ताखी करने वालों के छक्के छुड़ा देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों के मनोबल को तोड़ने वाला कोईबयान आए तो जनता को जागरूक करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने परमहंस योगानंद के व्यक्तित्व और योग के प्रसार में उनके वैश्विक योगदान की चर्चा करते हुएकहा कि पूर्वजों, परंपरा और विरासत से भटका व्यक्ति अंधकार की तरफ, काल की कोठरी में चला जाता है।विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न करने वाले समाज का विकास बाधित हो जाता है। उन्होंने कहा कि योगानंदजी विरासत को सम्मान देते हुए सरकार उनकी जन्मस्थली पर योग मंदिर बना रही है। श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन के भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि परमहंस योगानंद की जन्मस्थली पर स्मारक बनाने की योगी की पहल की गूंज लॉस एंजिल्स, अमेरिका तक जाएगी। योगानंद जी के अनुयायी अमेरिका समेत पूरी दुनिया में हैं और गोरखपुर में उनकी स्मृति में होने वाले पर्यटन विकास के कार्य से यहां पूरी दुनिया के लोग आएंगे।

लखनऊ में स्थापित हुई देश की पहली प्राइवेट हाई-एंड टाइटेनियम और सुपर एलॉय निर्माण सुविधा

डिफेंस आत्मनिर्भरता का नया आधार बना उत्तर प्रदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- योगी सरकार की अगुवाई में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़ी बड़ी उपलब्धि
- एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट का बना हब

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना अब उत्तर प्रदेश में आकार ले रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार की सक्रियता और केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश अब भारत की डिफेंस आत्मनिर्भरता का नया केंद्र बन चुका है। रविवार को उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी के साथ-साथ देश की पहली अत्याधुनिक निजी टाइटेनियम और सुपर एलॉय निर्माण सुविधा की भी शुरुआत हुई है। इस परिसर में भारत में पहली बार टाइटेनियम रीमेल्टिंग और रीसाइक्लिंग की सबसे बड़ी वैश्विक क्षमता एक ही स्थान पर विकसित की गई है। यह केवल एक निर्माण इकाई नहीं, बल्कि रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में चार नई अत्याधुनिक निर्माण इकाइयों का भी शिलान्यास हुआ। इसमें एयरोस्पेस प्रिसीजन कास्टिंग प्लांट भी शामिल रहा, जहां जेट इंजन और एयरक्राफ्ट सिस्टम्स के लिए महत्वपूर्ण प्रिसीजन कंपोनेंट तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही, एयरोस्पेस फोर्ज शॉप एंड मिल प्रोडक्ट्स प्लांट का भी शिलान्यास हुआ, जिसमें टाइटेनियम व सुपर एलॉय से बने बार्स, रॉड्स और शीट्स बनाए जाएंगे। एयरोस्पेस प्रिसीजन मशीनिंग शॉप के तहत जेट इंजन के सूक्ष्मतम स्तर पर घटकों की मशीनिंग की जाएगी, जबकि स्ट्रैटेजिक पाउडर मेटलर्जी फैसिलिटी के तहत भारत में पहली बार स्वदेशी तकनीक से टाइटेनियम और सुपर एलॉय मेटल पाउडर का निर्माण होगा।

यहां स्थापित स्ट्राइड एकेडमी युवाओं को रक्षा और एयरोस्पेस तकनीक की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देगी। वहीं, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर नई तकनीकों के स्वदेशी विकास, मैटेरियल इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस सुधार में अहम भूमिका निभाएगा। एयरोलॉय ने बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि उसने यूके की 'ट्रैक प्रिसीजन सॉल्यूशंस' का अधिग्रहण कर लिया है। यह कंपनी जेट इंजन के क्रिटिकल कंपोनेंट्स बनाने में अग्रणी है। इसके अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का अब भारत को भी लाभ मिलेगा।

यूपी की जमीन पर नया पोखरण : 11 मई 1998 को पोखरण में भारत ने जब परमाणु परीक्षण कर वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत दिखाई थी, ठीक 27 साल बाद उसी तारीख को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल प्रोडक्शन की शुरुआत उत्तर प्रदेश के लिए वैसी ही ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई है। उत्तर भारत में आयुध फैक्ट्रियों को छोड़ दें तो इससे पहले ऐसी कोई हाई-एंड मिसाइल निर्माण सुविधा नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में शुरू हुए डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का यह परिणाम है कि अब तक पांच यूनिट्स उत्पादन शुरू कर चुकी हैं और अब दो नई यूनिट्स भी इसमें शामिल हो गई हैं। तीन-चार वर्षों में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का इतनी तेज़ी से उत्पादन में आना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है। भारत हर साल करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये रक्षा पर खर्च करता है, जिसमें से 2.5 लाख करोड़ रुपये का आयात होता है। अब मोदी-योगी सरकार का फोकस इन उपकरणों को भारत में बनाकर न सिर्फ आत्मनिर्भरता हासिल करने, बल्कि वैश्विक बाजार में भी निर्यात बढ़ाने पर है।

करंट से रेलवे के कर्मचारी की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

कोरांव, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोरांव थाना क्षेत्र के मैलहा गांव के गजरिया मजरे में 11000 वोल्ट बिजली के करंट की चपेट में आकर रेलवे के कर्मचारी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पारिवारी जनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। जानकारी के मुताबिक अजय कुमार प्रजापति पुत्र कृष्ण पाल प्रजापति (25) निवासी गजनी थाना कोरांव रेलवे में ग्रुप डी का कर्मचारी है। वह अपनी बहन की शादी में घर आया हुआ था। बहन शकुंतला देवी की बारात 9 मई को आई थी और 10 मई को बारात की विदाई हो गई थी। 11 मई रविवार को अजय गांव में ही ट्रैक्टर पर तखत लाद कर पहुंचाने जा रहा था कि काफी नीचे लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गया और मौके पर ही झुलस कर उसकी मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। माता गीत देवी व पिता कृष्ण पाल का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। हादसे की सूचना एसडीम व बिजली विभाग के अधिकारियों समेत पुलिस को दे दी गई। सूचना पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई और जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस ने रविवार को दोपहर बाद 3 बजे के करीब मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक को दो बहने हैं दोनों की शादी हो चुकी है। अभी अजय अविवाहित था।

बारात में कार का शीशा टूटने से मचे बवाल के बीच दो किशोर को ही उठा ले गए

मीरजापुर। विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के तिलई मौआर गांव में रविवार तड़के बारात के दौरान हुए विवाद ने उस समय तूल पकड़ लिया जब दो किशोरों को कथित तौर पर फिल्मी अंदाज में अगवा कर लिया गया। कार का शीशा टूटने के बाद बौखलाए एक बराती ने विशाल कुमार(17) और आकाश कुमार (18) को जबरन कार में बैठाकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही घराती पक्ष में अफरातफरी मच गई और पुलिस को सूचना दी गई। बताया गया कि संतोष गौड़ के घर बारात जिगना थाना क्षेत्र के गोगांव से आई थी। कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बरातियों में शामिल एक युवक की कार का शीशा टूट गया। इसी बात से नाराज होकर कार चालक ने रविवार भोर लगभग चार बजे विशाल कुमार पुत्र राजाराम और आकाश कुमार पुत्र बाबूलाल को जबरन उठाकर कार में बैठाया और मौके से निकल गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सकते में आ गए और तत्काल पीआरवी को सूचित किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में घेराबंदी की और दोनों किशोरों को सकुशल बरामद कर कोतवाली लाया गया। विंध्याचल कोतवाली प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि यह घराती और बराती पक्ष के बीच आपसी विवाद का मामला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों किशोरों को जबरन ले जाया गया था लेकिन पुलिस की सक्रियता से उन्हें सकुशल बरामद कर लिया गया है। अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सैनिकों की सुरक्षा के लिए हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर इकाई के तत्वावधान में सीमा पर सैनिकों की सुरक्षा के लिए रविवार शाम को आवास विकास कॉलोनी स्थित सत्य श्री शिव एवं शनि मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती की गयी। भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति के हालत को देखते हुए अपने भारतीय सैनिकों की सुरक्षा हेतु श्रीहनुमान चालीसा एवं महाआरती की गई। सभी ने प्रार्थना की कि देश की सीमाओं पर हमारी रक्षा करने वाले सैनिक हमेशा स्वस्थ रहें, भगवान उन्हें दीर्घायु प्रदान करें। इस मौके पर भाजपा महानगर महामंत्री नत्थू राम कश्यप, कमल गुलाटी, दिनेश शीर्षवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, राहुल शर्मा, विशाल त्यागी, चंद्र प्रजापति, हेमराज सैनी, दिनेश सिसोदिया, नवदीप टंडन, शमी भटनागर, सर्वेश पटेल, अजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।

शादी में प्रेमिका के पहुंचते ही मचा हड़कम्प, दुल्हन पक्ष ने तोड़ी शादी

जालौन। जालौन के कोंच नगर में रविवार को उस समय हड़कम्प मच गया, जब एक युवक की शादी के दौरान उसकी कथित प्रेमिका अपने छोटे बच्चे को लेकर मैरिज हॉल पहुंच गई और शादी रुकवा दी। मामला कोंच कोतवाली क्षेत्र के उरई रोड स्थित एक होटल का है, जहां मालवीय नगर निवासी प्रभाकर पुत्र शंभू सुहाने की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। शादी की रस्में जारी थीं कि अचानक ग्राम घुसिया की रहने वाली नेहा प्रजापति नाम की महिला एक छोटे बच्चे को गोद में लेकर पहुंची और प्रभाकर पर धोखा देने का आरोप लगाने लगी। महिला का कहना था कि प्रभाकर पहले ही उससे शादी कर चुका है और दोनों का एक बेटा भी है। लेकिन अब वह दूसरी शादी कर रहा है, जो सरासर धोखा है। नेहा का आरोप है कि प्रभाकर ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बंध बनाए और फिर शादी भी की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार श्रमिक हुए घायल

कोरांव, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोरांव थाना क्षेत्र के सेमरी बाघराय गांव में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से ड्यूटी जा रहे बाइक सवार दो श्रमिक घायल हो गए। दोनों घायल श्रमिकों को 108 एंबुलेंस के द्वारा सीएचसी कोरांव लाया गया। जहां दोनों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक मोहन पुत्र सदानंद निवासी लतीफपुर थाना कोरांव अपने साथी रवि शंकर पुत्र केवला प्रसाद निवासी जमोहरा कठार दोहथा मोड़ बाइक से हर घर नल से जल योजना के तहत बदौर गांव में मजदूरी करने रविवार को सुबह 10 बजे के करीब जा रहे थे कि सेमरी बाघराय गांव में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार श्रमिकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में श्रमिक मोहन का जहां पैर टूट गया है, वहीं रवि शंकर के पैर व सिर में भी गंभीर चोटें हैं। दोनों का चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मोहन के बहन की शादी आगामी 20 मई को है। जिसकी तैयारी में भी मोहन जुटा था, लेकिन अब पैर टूट जाने से बहन के विवाह की तैयारी के लिए भी परिजन काफी परेशान होंगे। कुछ लोगों ने बताया की सवारियों से भारी जीप ने बाइक सवार श्रमिकों को टक्कर मारते हुए चालक लेकर फरार हो गया।

वाराणसी में महज 1 रुपये में गठिया का इलाज करा रही योगी सरकार

एजेंसी

वाराणसी। योगी सरकार ने गठिया के पीड़ितों के लिए काफी बड़ी पहल की है। वाराणसी में महज एक रुपये में गठिया संबंधित रोगों का इलाज किया जा रहा है। यह सुविधा वाराणसी के आयुर्वेद कॉलेज में शुरू हो चुकी है। यहां सस्ता और कारगर इलाज मिलने के कारण 7 महीने में 5911 मरीज इलाज करा चुके हैं। राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय चौकाघाट में अर्थराइटिस ट्रीटमेंट एंड एडवांस्ड रिसर्च सेंटर बनाया गया है। यह पूर्वांचल का पहला सेंटर है, जहां ओपीडी से लेकर शोध तक की व्यवस्था है।

पहले की सरकारों द्वारा ध्यान न देने से हाशिये पर जा रही देश की प्राचीन आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में फिर से प्रचलन में ला दिया। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हमेशा से चिकित्सा व्यवस्था को आमजन के लिए सुलभ करने के लिए प्रयास करती रही है। वाराणसी के राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के अर्थराइटिस ट्रीटमेंट एंड एडवांस्ड रिसर्च सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. मनीष मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल की पूरी ओपीडी में लगभग 350 मरीज आते हैं। इसमें गठिया विभाग की ओपीडी में 50 से 60 मरीज़ उपचार के लिए आ रहे हैं। गठिया के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय चौकाघाट में ख़ास गठिया केंद्र बनाया गया है। यह पूर्वांचल का पहला सेंटर है, जहां पर ओपीडी से लेकर शोध तक की व्यवस्था है। मरीजों को गठियावात से संबंधित दवाइयों की सुविधा निशुल्क है। यहां आधुनिक उपकरणों के साथ भी इलाज किया जा रहा है। सितंबर 2024 से इसकी शुरुआत हुई थी, तब से 30 अप्रैल 2025 तक यहां 5911 मरीज आए। इनमें से 2571 महिला रोगी व 3340 पुरुष रोगी हैं। गठिया सेंटर में गठिया रोग से संबंधित 19 विशेष प्रकार की औषधियां निःशुल्क वितरण की जा रही हैं। साथ ही गठिया रोग में विशेष पंचकर्म एवं अन्य विशेष उपचार जैसे नाड़ी स्वेद, कटिवस्ति, जानुवस्ति, ग्रीवा वस्ति, अग्नि कर्म, विद्ध कर्म, कपिंग, मर्म चिकित्सा द्वारा उपचार किया जा रहा है। रोगियों को नियमित योगाभ्यास एवं व्यायाम के साथ-साथ संतुलित एवं हितकर आहार संबंधी सलाह भी दी जा रही है। राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, लखनऊ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप मे 2021 में सर्वप्रथम गठिया उपचार केन्द्र की स्थापना की गई। उससे जनसामान्य को होने वाले लाभ को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 8 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय मे इसे प्रारंभ कर दिया है।

प्रो. मिश्र ने बताया कि गठिया की बीमारी पहले ज्यादातर लगभग 60 से ज्यादा आयु वालों को होती थी, लेकिन रहन सहन, खानपान और अव्यवस्थित दिनचर्या के कारण गठिया के लक्षण 40 वर्ष के उम्र के आसपास से ही लोगों को परेशान करने लगा है। यहीं कारण है कि इसके मरीजों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

पंचायत चुनाव व सक्रिय सदस्यता अभियान पर बनाई रणनीति

अपना दल एस की मासिक बैठक में सदस्यता अभियान को लेकर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। अपना दल एस विधानसभा इकाई कोरांव की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय कोरांव पर रविवार को संपन्न हुई। बैठक में सक्रिय सदस्यता अभियान, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तथा पार्टी के संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए रणनीति बनाई गई।

बैठक में बतौर मुख्य अतिथि रमाकांत सिंह पटेल राष्ट्रीय सचिव एवं प्रभारी विधानसभा कोरांव ने शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाने तथा संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा करते हुए रणनीति बनाई। बैठक में पुरानी कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया और आगे के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव रमाकांत सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अपना दल एस पार्टी का कारवां लगातार बढ़ रहा है। हर एक कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाएं जिससे पार्टी मजबूत हो सके। इस दौरान बैठक में प्रमुख रूप से डॉ हरिश्चंद्र सिंह पटेल क्षेत्रीय मंडल सचिव प्रयागराज, लाल शास्त्री सिंह पटेल मंडल सचिव प्रयागराज, राहुल प्रकाश मौर्य जिला मीडिया प्रभारी, शिव बालक कोल जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति मंच, प्रेम शंकर सिंह, विजय सिंह, राहुल पाल, रोहित पाल, राकेश पाल, त्रिलोकी नाथ सिंह, राकेश कुमार कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष फूलचंद सिंह पटेल ने की।

देश के विकास में व्यापारियों का अहम योगदान : गणेश केसरवानी

व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए : नरसिंह केसरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। देश के विकास में व्यापारियों का अहम योगदान है। व्यापारी वर्ग देश के लिए जीता है। हर आम नागरिक तक व्यापारी अपनी सेवाएं पहुंचाता है। इसलिए व्यापार की दृष्टि से व्यापारियों का हित सर्वोपरि होना चाहिए। हमारी सरकार व्यापार से जुड़े लोगों का उत्थान और विकास कैसे हो इस पर भी काम कर रही है। यह बातें वृंदावन गार्डन मेजारोड में रविवार को सायं 5 बजे आयोजित व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान प्रयागराज के महापौर गणेश उमेश चंद्र केसरवानी ने बतौर मुख्य अतिथि कही। महापौर गणेश उमेश चंद्र केसरवानी ने कहा कि व्यापारियों की किसी भी समस्या को लेकर हम सदैव उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करूंगा। व्यापारी का किसी भी तरह से उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से संगठित और संयमित रहते हुए व्यापार करते हुए देश के विकास में योगदान देने की अपील की। इसी तरह व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम के संयोजक नगर पंचायत कोरांव के पूर्व अध्यक्ष नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी जी ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी दशा में व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। व्यापारी गांव से लेकर नगर तक के हर एक नागरिक की जरूरत को पूरा करने का काम करता है। कार्यक्रम में उपस्थित रहे ब्लॉक प्रमुख कोरांव मुकेश कोल ने भी व्यापारियों को संबोधित किया और आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पंचायत सिरसा के अध्यक्ष लखन केसरी, जगदीश केसरी, कमलेश केसरी, सौरभ जयसवाल, जयशंकर पांडेय, प्रचंड जी, अश्वनी जैन, जय बाबू केसरी, बेनी माधव प्रसाद केसरी भारतगंज, अमरेश तिवारी, पिंटू केसरी भारतगंज, कृष्ण चंद्र गुप्ता समेत कोरांव, मेजा, सिरसा, भारतगंज मांडा आदि क्षेत्रों के व्यापारी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 10 छात्रों को एचसीएल टेक में हुआ प्लेसमेंट, अब तक कुल 43 छात्रों का एचसीएल में हुआ चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अंतिम वर्ष(बैच 2025) के 10 मेधावी छात्रों का देश की अग्रणी आईटी कंपनी एचसीएल टेक में चयन हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ हिमांशु पांडेय ने बताया कि एचसीएल टेक की बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया-रिज़्यूमे शॉर्टलिस्टिंग, अप्टिट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार, बिज़नेस एचआर राउंड और कैंपस एचआर इंटरव्यू में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन

किया। जिसमे बी.टेक के सात छात्र-छात्राओं को 3.25 लाख रुपए प्रतिवर्ष के पैकेज पर ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद की पेशकश की गई। वहीं बीसीए की वर्तिका चौहान, बीबीए के अगमजोत सिंह चावला एवं बी.कॉम की शंखिनी श्रीवास्तव का चयन ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर 2.4 लाख रुपए प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। डॉ. पांडेय ने यह भी जानकारी दी कि प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित तीन चरणों की चयन प्रक्रिया के माध्यम से अब तक कुल 43 छात्र-छात्राएं एचसीएल टेक में नियुक्त किए जा चुके हैं।

आम के पेड़ से लटकता मिला किसान का शव, गांव में मचा कोहराम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम थाना क्षेत्र के बघौली गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के बाहर एक आम के पेड़ से एक किसान का शव फंसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। मृतक की पहचान 55 वर्षीय शिव बालक के रूप में हुई है, जो गांव के ही रहने वाले थे और खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगराम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिव बालक ने अपने खेत में लगे ट्यूबवेल के पास स्थित आम के पेड़ से साड़ी के सहारे फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है।मृतक के परिवार में पत्नी उषा देवी और चार बच्चे हैं। जिनमें तीन बेटे ऽ अमितेश (24), दीपक (20), रितेश (19) और एक बेटी रोशनी (28)

नगराम थाना क्षेत्र के बघौली गांव की घटना, आत्महत्या के कारणों की पुलिस कर रही जांच

शामिल हैं। इस दुखद घटना से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, शिव बालक मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी आत्महत्या की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।नगराम थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या की वजह का पता चल सके।

ग्रामीणों ने की आर्थिक सहायता की मांग

गांव के लोगों ने शासन-प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है, ताकि उनके बच्चों की पढ़ाई और जीवन यापन में मदद मिल सके।

सीवर ओवरफ्लो की शिकायतों पर समाजवादी ममता त्रिपाठी ने किया स्थलीय निरीक्षण

ममता त्रिपाठी ने की थी महापौर के विरोध में धरने पर बैठने की घोषणा, चेते अधिकारी, आनन फानन में शुरू हुआ काम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फैजुल्लागंज द्वितीय की श्याम विहार कॉलोनी में स्थानीय लोग लंबे समय से बदबूदार सीवर ओवरफ्लो की समस्या लेकर परेशान थे, शिकायत पर भी सुनवाई नहीं हो रही थी। ऐसे में स्थानीय निवासियों की शिकायत पर फैजुल्लागंज की सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजवादी पार्टी की कार्यकर्ता समाजवादी ममता त्रिपाठी ने महापौर के विरोध में धरने पर बैठने की घोषणा करते हुए सीवर

ओवरफ्लो से जुड़ी शिकायतों के संदर्भ में लगभग आधा दर्जन गलियों का स्थलीय निरीक्षण किया। ममता त्रिपाठी के मुताबिक निरीक्षण के दौरान मौके पर नगर निगम, जलकल विभाग व सुएज इंडिया की टीम सक्रिय तौर पर काम करते हुए मिली। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि वृहद स्तर पर काम करके सीवर ओवरफ्लो की समस्या को खत्म कर दिया गया है अब आसपास की गलियों में कहीं भी सीवर ओवरफ्लो की समस्या नहीं है।

योगी सरकार ने ओडीओपी में शामिल किए 12 और नये उत्पाद, अब अमरोहा का मैटल बिखेरेगा जलवा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट (ओडीओपी)योजना न केवल प्रदेश के हर जिले की पारम्परिक विशेषता को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनी है, बल्कि लाखों कारीगरों, शिल्पियों और उद्यमियों के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त जरिया भी साबित हुई है। सीएम योगी की ओडीओपी योजना जहां देश के कई राज्य अपना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दुनिया में भी काफी ओडीओपी उत्पादों की सराहना हो रही है। इसे और सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने 12 और नये उत्पादों को ओडीओपी में शामिल किया है, जो देश दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे। योगी सरकार पहले ही प्रदेश के विभिन्न जिलों के 62 उत्पादों को ओडीओपी में शामिल कर चुकी है, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 74 हो गई है।

बलिया का सत्तू दुनिया को दिलाएगा कई बीमारियों से निजात, बरेली का लकड़ी उत्पाद घरों की बढ़ाएगा रौनक

एमएसएमई सचिव प्रांजल यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट (ओडीओपी) योजना की पूरे देश में चर्चा हो रही है। यह योजना विभिन्न राज्यों को काफी पसंद आयी। यही वजह है कि उन्होंने अपने राज्यों में भी सीएम योगी की ओडीओपी योजना को लागू किया है। सीएम योगी की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि प्रदेश के हर जिले की पारंपरिक विशेषताओं और उद्योगों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिली है। इससे न सिर्फ स्थानीय शिल्पियों और उद्यमियों को रोज़गार मिला है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। एमएसएमई सचिव ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर ओपीओपी में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 12 नये उत्पादों को शामिल किया है। इसमें बागपत के एग्रीकल्चरल इम्पलीमेंटस एंड रिलेटेड एसेसिरीज, सहारनपुर के होजरी उत्पाद, फिरोजाबाद के फूड्स प्रोसेसिंग, गाजियाबाद के मैटल उत्पाद तथा टेक्सटाइल एंड अपेरल उत्पाद, अमरोहा के मैटल एवं वुडन हैंडीक्राफ्ट, आगरा के पेठा उद्योग एवं सभी प्रकार के फुटवेयर, हमीरपुर के मैटल उत्पाद, बरेली के लकड़ी के उत्पाद, एटा के चिकोरी उत्पाद, प्रतापगढ़ का खाद्य प्रसंस्करण, बिजनौर का ब्रश एवं उससे जुड़े उत्पाद और बलिया का सत्तू उत्पाद आदि शामिल हैं।

योगी सरकार ने ओडीओपी योजना के तहत अब तक कई पारम्परिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है। इसमें बनारस की साड़ी, भदोही का कालीन, कन्नौज का इत्र, आगरा का जूता, अलीगढ़ का ताला, सहारनपुर का वुड कर्विंग, आगरा का चमड़ा उत्पाद एवं संगमरमर पर जड़ना कार्य, बरेली का जरी-जरदोजी, स्वर्णकारी, बांस बेत, बिजनौर का काष्ठ कला आदि उत्पादों ने विश्व पटल पर अपनी नई पहचान बनायी है। इन सभी उत्पादों ने न सिर्फ स्थानीय पहचान को मज़बूत किया, बल्कि इनका निर्यात भी कई गुना बढ़ा है। अमरोहा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि अमरोहा के ढोलक एवं रेडीमेड गारमेंट्स को पहले ही ओडीओपी उत्पाद में शामिल किया गया था, अब मैटल एवं वुडन हैंडीक्राफ्ट को भी शामिल किया गया है। इसमें देश और विदेश में अमरोहा और यहां के उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। साथ ही इससे अमरोहा तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की ओडीओपी योजना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत योगदान सुनिश्चित कर रही है। यह प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

योगी सरकार ने ओडीओपी उत्पादों को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए विभिन्न कदम उठाये। इसके तहत शिल्पियों को प्रशिक्षण, ऋण और विपणन सहायता प्रदान की गई है। इसके साथ प्रदर्शनी, मेले और ई-मार्केटिंग के माध्यम से इन उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाया गया। वहीं जिलाधिकारियों की निगरानी में एक्सपोर्ट प्रमोशन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, जीआई टैगिंग और डिज़ाइन डेवलपमेंट आदि पर विशेष ध्यान दिया गया। इससे उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ी और प्रदेश में निवेश और उद्योग को नई रफ्तार मिली।

राजस्व विभाग में पारदर्शिता बढ़ाएगी योगी सरकार की इंटीग्रेटेड प्रणाली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और राजस्व विभाग के कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ी डिजिटल पहल करने जा रही है। योगी सरकार लेखपाल से लेकर आयुक्त तक अधिकारियों को एक समेकित डैशबोर्ड से जोड़ने की योजना पर काम कर रही है। इस समेकित डैशबोर्ड से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा और जवाबदेही भी तय होगी। इसके साथ ही विभागीय समन्वय को मजबूती मिलेगी।

राजस्व विभाग के सभी अधिकारी जैसे लेखपाल, नायब तहसीलदार, तहसीलदार, एसडीएम और आयुक्त अब एक ही डिजिटल मंच पर अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे। इससे न केवल कार्यों की निगरानी आसान होगी, बल्कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान भी सुनिश्चित हो सकेगा।इस डैशबोर्ड पर भूमि रिकॉर्ड, भू-माप, राजस्व संग्रह और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध होंगी। अधिकारी इन आंकड़ों का विश्लेषण कर तेजी से निर्णय ले सकेंगे। इससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आएगी। डैशबोर्ड के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इससे हर स्तर के अधिकारी के कार्यों की समीक्षा संभव होगी और जवाबदेही तय की जा सकेगी। जनता के साथ-साथ शासन भी यह जान सकेगा कि कौन अधिकारी किस स्तर पर कितना सक्रिय है।

भूमि विवादों के समाधान में अक्सर समय लगता है, लेकिन इस डैशबोर्ड की मदद से अधिकारी संबंधित दस्तावेजों को डिजिटल रूप में तत्काल देख सकेंगे। इससे विवादों का जल्द निस्तारण संभव होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विवादों पर भी अंकुश लगेगा।यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार की व्यापक डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पहल का हिस्सा है। सरकार चाहती है कि तकनीक के जरिए प्रशासन को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील बनाया जाए।

मूल्यवान प्रजातियों के संरक्षण और इसके सतत उपयोग में ऐसे आयोजन के महत्व पर डॉ ग्रिंसन जॉर्ज ने दिया जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आईसीएआर-एनबीएफजीआर द्वारा वर्णित एक नई प्रजाति होराबैग्रस ऑब्स्कुरस के कैप्टिव प्रोपेगेटेड शिशुओं को केरल के चालाकुडी नदी में छोड़ा गया। यह प्रजाति में संरक्षण महत्व वाली तथा जलीय कृषि क्षमता से युक्त है। आईसीएआर-एनबीएफजीआर के वैज्ञानिकों ने इस प्रजाति के कैप्टिव प्रोपेगेशन तकनीक से विकसित 2000 उन्नत फिंगरलिंग्स को 10 मई 2025 को उनके प्राकृतिक आवास(वेट्टिलापारा, चालाकुडी नदी, केरल) में रिलीज़ किया। आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और भविष्य की पीढ़ियों के लिए ऐसी प्रजातियों के संरक्षण हेतु उनके प्राकृतिक आवासों में रैंचिंग कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि आईसीएआर-सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ. ग्रिंसन जॉर्ज ने मूल्यवान प्रजातियों के संरक्षण और इसके सतत उपयोग में ऐसे आयोजन के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद, संस्थान के एसटीसी घटक के तहत मछुआरों के लिए इनपुट वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। क्षेत्र के 20 आदिवासी मछुआरों को आजीविका विकास के लिए मछली पकड़ने के जाल, हेड टॉर्च और मछली वाहक बैग जैसे इनपुट प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में वन और स्थानीय पंचायत अधिकारियों, मछुआरों और मछली किसानों सहित कुल 50 स्थानीय कर्मियों ने भाग लिया। ब्यूरो के वैज्ञानिक डॉ. वी.एस. बशीर और डॉ. चरण रवि ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

भगवान बुद्ध का जीवन सत्य, अहिंसा, त्याग और ज्ञान का प्रतीकः राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

लखनऊकैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कामना की है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में शांति, करुणा, सद्भावना और आत्मबोध का संचार करे। हम सब भगवान बुद्ध के सिद्धांतों को आत्मसात कर एक समरस, जागरूक और नैतिक समाज के निर्माण में योगदान दें। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन सत्य, अहिंसा, त्याग और ज्ञान का प्रतीक है। उनका उपदेश सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा केवल बौद्ध धर्मावलंबियों का पर्व नहीं है, अपितु यह भारत की महान आध्यात्मिक विरासत और सार्वभौमिक मूल्यों का उत्सव है, जो सभी को आत्मचिंतन, संयम और संवेदना की प्रेरणा देता है।

सुशांत गोल्फ सिटी में एक विधवा महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया

गोसाईंगंज कैनविज टाइम्स संवाददाता । सुशांत गोल्फ सिटी में एक विधवा महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार, वह अपनी 7 वर्षीय बेटी के साथ मकान के पहले तल पर रहती है। आर्थिक तंगी के कारण उसने फरवरी 2024 में दिनेश गुप्ता की सिफारिश पर हेमंत प्रताप उर्फ राजन को दूसरे तल पर एक कमरा किराए पर दिया। हेमंत ऑडिट भवन गोमतीनगर में कार्यरत है। अपने जन्मदिन पर हेमंत केक, समोसा और कोल्ड ड्रिंक लेकर पीड़िता के घर आया। महिला को नशीला पदार्थ मिला पेय पिलाने के बाद उसने दुष्कर्म किया। बाद में शादी का वादा करके कई बार शारीरिक संबंध बनाए। नवंबर 2024 में महिला के गर्भवती होने पर हेमंत ने मेडिकल स्टोर से दवा लाकर जबरन खिलाई, जिससे गर्भपात हो गया। फरवरी 2025 में वह सामान समेट कर चला गया। एक महीने तक व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर बात करता रहा। जब महिला ने उससे स्पष्टीकरण मांगा तो उसने धमकी दी कि उसे और उसकी बेटी को अगवा करवाकर मरवा देगा।

सरोजनीनगर बना राष्ट्रीय सुरक्षा की धुरी, डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा ब्रह्मोस यूनिट से क्षेत्र को मिलेगा वैश्विक गौरव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत भटगांव स्थित उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर नोड में रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का शुभारंभ किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहे, जबकि देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से सहभागिता की।

कार्यक्रम में उपस्थित सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा - ''ब्रह्मोस सिर्फ एक मिसाइल नहीं, यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में वज्र प्रहार है। मैक 2.8 की रफ्तार और 500 किलोमीटर तक की मारक क्षमता के साथ यह विश्व की सबसे तेज़ सुपर सोनिक क्रूज़ मिसाइल

भटगांव में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का भव्य उद्घाटन

है।'' विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने आगे बताया कि यह महत्त्वाकांक्षी परियोजना 300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए 80 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई तथा महज साढ़े तीन वर्षों में इसका निर्माण एवं उत्पादन कार्य भी पूर्ण कर लिया गया। यह सब इज ऑफ़ डूइंग बिजनेस और उत्तर प्रदेश के सुदृढ़ व पारदर्शी औद्योगिक वातावरण का सशक्त प्रमाण है।

विधायक ने कहा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने देश को रक्षा उत्पादन में भी आत्म निर्भर बना रहे हैं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश प्रगति

की नई ऊँचाइयों को छू रहा है और प्रधानमंत्री के सपनों को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सशक्त नेतृत्व, सुशासन एवं बेजोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर नीति की प्रशंसा करते हुए विधायक ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश विश्व स्तरीय निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है और यही कारण है कि रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्र में भी वैश्विक संस्थाएं उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर उत्साहित हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट की खासियतों का उल्लेख करते हुए विधायक ने कहा कि यूनिट की लागत ?300 करोड़ है, यहाँ निर्मित मिसाइलों को गतिः ख्रथदद्ध 2.8 (ध्वनि से लगभग तीन गुना तेज), रेंजः 290ऽ400 किमी तकनीकः फायर एवं फारगेट, लॉन्च प्लेटफॉर्मः भूमि, वायु एवं समुद्र तीनों माध्यमों से प्रक्षेपण में सक्षम, भविष्यः ब्रह्मोस की नई पीढ़ी की मिसाइलें हल्की होंगी और एक साथ 5 मिसाइलें ट्रफ्म्रद्धधद्व-30 जैसे लड़ाकू विमानों में तैनात की जा सकेंगी। यह अत्याधुनिक इकाई न केवल सरोजनीनगर की पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी, बल्कि युवाओं के लिए रक्षा क्षेत्र में रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक विकास के नए द्वार भी खोलेगी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा, एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह, राम चन्द्र 'प्रधान', पवन चौहान, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस के एक्न डॉ. जय तीर्थ जोशी, घ्ङ्घए के सी एमडी सचिन अग्रवाल एवं उनकी टीम के सदस्य, उप्र सरकार के अधिकारी गण मौजूद रहे।

कमला देवी ने अपने मेहनत लगन और यातनाएं झेल कर अपने एक बेटे को बनाया समीक्षा अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर पहला। सीतापुर ब्लाक पहला क्षेत्र के ग्राम पंचायत भेथरा माधव की रहने वाली कमला देवी के हौसले और त्याग का ही नतीजा था जो उन्होंने अपने बेटे कल्याण सिंह को बेहतर शिक्षा दिलाई जिससे आज उनका बेटा समीक्षा अधिकारी के रूप में कार्य कर रहा है जबकि अपने तीन अन्य बेटों और एक बेटी आरती देवी को भी अपने मेहनत लगन से अच्छी शिक्षा दिलाने का प्रयास किया और अच्छे संस्कारों की सीख दी जो बच्चों की सफलता का आधार बनी है मेहनत परिश्रम से जिंदगी सवारी कमला देवी ने बताया की पति की मृत्यु के बाद के अन्य लोगों द्वारा परेशान किए जाने पर उन्होंने बड़ी यातनाएं उठाई है और अपनी सूझबूझ के साथ अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ शिक्षा सामग्री व अन्य व्यवस्थाएं की कमला ने ने

बच्चों को हमेशा अच्छे संस्कार ,मेहनत करने की सीख दी उनका मानना था की पढ़ाई से ही बच्चों को काबिल बनाएगी अपनी सुख सुविधाओं को भूलकर उन्होंने बच्चों की परवरिश को प्राथमिकता दी मां की ममता सोए सी हर दुख में साथ निभाए ऐसी यह पंक्ति सीतापुर ब्लाक पहला के भेथरा माधव की रहने वाली कमला देवी पर सटीक बैठती है कमला देवी के पति वीरेंद्र यादव वर्ष 2016 बीमारी के चलते मृत्यु होने के बाद वह 50 वर्ष की उम्र में विधवा हो गई थी कमला के सामने उसे वक्त पांच बच्चों की जिमेदारी थी । वही कमला देवी ने बताया की समाज की सभी माँओ से हमारा आग्रह है की अपने बच्चों को अपनी सुख सुबिधाये छोड़ कर अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार दे जिससे बच्चे उच्च पद तक पहुँच सके। साथ ही वही उपस्थित कल्याण सिंह से बात की तो उन्होंने बताया की हमारे जीवन मे जो भी सफलता मिली है इसमें मेरी माँ की अहम भूमिका रही है साथ ही मेरे बड़े भाई राजेश, रमेश, अरुणेश का भी साथ मिला है जिससे आज तक हम चौथी नौकरी कर रहे है उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरक्षी बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर आज समीक्षा अधिकारी उत्तर प्रदेश शासन के पद पर कार्य कर रहा हूँ ।

सैनिकों को हमारे ना हो नुकसान लगाया जयकारा जय हनुमान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पडोसी देश पाकिस्तान की नापाक हरकतों व आतंकवादियों को पालने पोसने की नीति को हमेशा के लिये नेस्तनाबूत करने के लिये भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन सिन्दूर के तहत सीमा पर देश की रक्षा के लिये मोर्चा संभाल रहे सैनिकों के शौर्य व पराक्रम को नमन करते हुये गोमती मित्र मंडल, गौ रक्षा वाहिनी व विश्व हिन्दु महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में रोडवेज स्थित आजाद पार्क के समीप श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ के बाद फर्जुल रहमान बांग्लादेश व आसिफ मुनीर पाकिस्तान के सेना प्रमुखों का पुतला फूंकते हुये 2015 में शहीद हुई बहन किरण शेखावत को श्रद्धांजलि दी गयी। भारत के मित्र देशों का ध्वज लगाकर अभिवादन किया गया।

रात के अंधेरे में बोलोरो उड़ा ले गए चोर

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के पारा चौकी अंतर्गत इसौली गांव के राम लीला मैदान में खड़ी बोलोरो गाड़ी संख्या को रात लगभग 2 के करीब चोर उड़ा ले गए। तहरीर के अनुसार रिंद्र प्रताप सोनकर की बोलोरो गाड़ी रात में इसौली राम लीला मैदान पर खड़ी थी रात 2 बजे के करीब चुरा ले गए सुबह पीड़ित व्यक्ति ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि बोलोरो के पीछे पीछे पारा चौराहे पर काले रंग की स्कार्पियो बल्दीराय की तरफ जाती दिखाई पड़ रही है। इस संबंध में जब थाना प्रभारी से बात करने का प्रयास किया गया तो फोन नही उठा।

22 सीसीटीव कैमरे की निगरानी में है बल्दीराय थाना बल्दीराय थाना इस समय 22 कैमरों की निगरानी में चल रहा है, कुछ समय पूर्व बल्दीराय थाना के अंतर्गत सरकारी विद्युत तार चोरी की एफआईआर पंजीकृत हुई है उसका भी खुलासा आज तक नही हो पाया, बीती रात चोरों ने एक और बोलोरो को निशाना बना दिया। 55 लाख की चोरी का आज तक नही हुआ खुलासा, 7 महीने पहले बल्दीराय थाना क्षेत्र के ही पूरे मिर्ज़ा में 55 लाख की चोरी हुई थी मामला पंजीकृत हुआ लेकिन आज तक उसका भी कोई खुलासा नही हो सका।

मोहनगंज पुलिस ने डीपी एक्ट में वांछित युवक को भेजा जेल

तिलोई अमेठी,थाना मोहनगंज पुलिस ने दहेज प्रथा एक्ट में वांछित युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी युवक को जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान दहेज प्रथा एक्ट में वांछित बृजेश कुमार पुत्र स्वर्गीय रामकृष्ण पासी निवासी ग्राम खानापुर चपरा थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब अड़तीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया गया है।

सकरन की गौशालाओं में अचानक कम पड़ीं सैकड़ों गाय: लापता गायों का राज़, सवालों के घेरे में प्रशासन

एजेंसी

सकरन (सीतापुर) । क्षेत्र की कुछ प्रमुख गौशालाओं से सैकड़ों गायों का अचानक ''गायब'' हो जाना न केवल चौकाने वाला है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। रजिस्टरों में दर्ज संख्याएं जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रही हैं। जबकि गौशालाओं की निगरानी के लिए सीतापुर के मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे यह सिद्ध करने में असफल रहे हैं कि इतनी बड़ी संख्या में गायें आखिर कहां चली गईं।

सीसीटीवी फुटेज में नहीं दिखीं गायों की मौत, तो कहां गईं गायें?

जिले के अधिकारियों ने कैमरे तो लगा दिए लेकिन जब गायों के मरने या ले जाए जाने की फुटेज सामने नहीं आ रही, तो यह स्वतः संदेह का विषय बन जाता है। खंड विकास अधिकारी सकरन की सख्ती और सतर्कता के बावजूद भी इतनी बड़ी संख्या में गायों का रहस्यमयी ढंग से लापता हो जाना

सीसीटीवी कैमरों के सामने सैकड़ों गायों को कैसे हजम कर गया आसमान या निगल गई धरती? योगी राज में गौ तस्करी पर क्यों नहीं लग रही लगाम?

प्रशासनिक प्रणाली की विफलता को उजागर करता है।

मांस माफिया या धनलोलुप संचालक?

विवाह समारोहों के दौरान बढ़ती मांस खपत के बीच यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं ये गायें मांस कारोबारियों के हत्थे तो नहीं चढ़ गईं? सूत्रों के अनुसार, सप्ताह में कई बार एक बिना नंबर प्लेट वाली पिकअप गाड़ी क्षेत्र में देखी जाती है, जो रात के अंधेरे में हड्डियाँ और अन्य अवशेष लाद कर स्थानीय पुलिस को नजराना देकर निकल जाती है।

सरकार के आदेश फिर भी अवहेलना?

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मृत गौवंश का विधिवत अंतिम संस्कार कर उन्हें रजिस्टर में दर्ज करने का स्पष्ट आदेश है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर ये हड्डियाँ और चमड़ा आखिर कहां से आ रहा है और किस उद्देश्य के लिए? यह पूरी प्रक्रिया संदिग्ध व्यापार और मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

जवाबदेही किसकी?

इस पूरे प्रकरण में गौशाला संचालकों, पशुपालन विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका को लेकर आमजनमानस में गहरा आक्रोश है। जनता जानना चाहती है –

गायें कहां ईं?

क्या ये सीधा मांस माफिया से जुड़ा मामला है?

सीसीटीवी फुटेज कहां हैं?

और सबसे अहम – जवाबदेह कौन है?

निष्कर्षः

गायों की रहस्यमयी कमी और हड्डी-चमड़ा तस्करी की खबरों ने सकरन क्षेत्र को हिलाकर रख दिया है। अब देखना ये होगा कि प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाता है या फिर यह भी अन्य घोटालों की तरह दफन हो जाएगा।

चोरी की योजना बनाते 03 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी हेतु प्रयुक्त उपकरण, नकदी एवं अवैध शस्त्र बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुलिस अधीक्षक सीतापुर, अंकुर अग्रवाल महोदय द्वारा जनपद में लूट/चोरी/नकबजनी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए रोकनें व अपराधियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

उक्त दिये गये निर्देश के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी बिसवां श्री सतीश चंद्र शुक्ला के नेतृत्व में थाना मानपुर पुलिस टीम द्वारा चोरी की योजना बनाते हुए 03 शातिर अभियुक्तगण 1- अखिलेश उर्फ टिकारी पुत्र मिश्रीलाल भार्गव निवासी ग्राम पखनियापुर थाना तालगांव जनपद सीतापुर 2- मनोज पुत्र सियाराम भार्गव निवासी पखानियापुर थाना तालगांव जनपद सीतापुर 3- शाहिद उर्फ फक्कड़ पुत्र स्व0 साबिर निवासी बुढनापुर थाना बिसवां जनपद सीतापुर को बड़ैला मोड़ पर स्थित पानी की टंकी की बाउण्ड्री के पीछे से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तगण उपरोक्त से एक अदद चाभियों का गुच्छा, दो अदद छोटा बड़ा पेचकस, एक अदद प्लास, एक अदद लोहे की सरिया, एक अदद प्लास्टिक की टार्च तथा अभियुक्त अखिलेश से एक अदद देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, अभियुक्त मनोज से एक अदद देशी तमंचा 12 बोर व दो अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर एवं माल याफ्ता 1600 रूपये बरामद हुए। अभियुक्तगण ने पूछताछ में बताया कि बरामद उपकरणों से हम लोग दीवार व दुकानों के ताले तोड़ते हैं व सामान चोरी कर ले जाते हैं। आज से करीब एक सप्ताह पहले हम लोगों ने बाबा जगमोहनदास मन्दिर के सामने बिसवां सीतापुर मार्ग पर टी.वी.एस. एजेन्सी में पीछे की दीवार काटकर चोरी की थी, बरामद शेष रुपये उसी टी.वी.एस. एजेन्सी से चोरी किये हुए हैं। घटना के संबंध में थाना मानपुर पर मु0अ0सं0 85/2025 धारा 331(4)/305/317(2) बी.एन.एस. पंजीकृत है। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्तगण उपरोक्त अभ्यस्त किस्म के अपराधी है एवम् इन तीनों के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी/नकबजनी आदि जैसे आपराधिक कृत्यों के संबंध में करीब 01-01 दर्जन से अधिक अभियोग पंजीकृत हैं। बरामदगी/गिरफ्तारी के संबंध में अभियुक्तगण के विरुद्ध अभियोग अंतर्गत धारा 313 बी.एन.एस. व 25(1बी) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभि0गण उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध निरन्तर कार्यवाही इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

पंजीकृत/अनावरित अभियोगः- 1. मु0अ0सं0 85/2025 धारा 331(4)/305/317(2) बी.एन.एस.थाना मानपुर सीतापुर2. मु0अ0सं0 92/2025 धारा 313 बी.एन.एस. व 25(1-बी) आर्म्स एक्ट थाना मानपुर सीतापुर अभियुक्तों का नाम/ पता- 1- अखिलेश उर्फ टिकारी पुत्र मिश्रीलाल भार्गव निवासी ग्राम पखनियापुर थाना तालगांव जनपद सीतापुर

2- मनोज पुत्र सियाराम भार्गव निवासी पखानियापुर थाना तालगांव जनपद सीतापुर

3- शाहिद उर्फ फक्कड़ पुत्र स्व0 साबिर निवासी बुढनापुर थाना बिसवां जनपद सीतापुर

बरामदगी- एक अदद चाभियों का गुच्छा, दो अदद छोटा बड़ा पेचकस, एक अदद प्लास, एक अदद लोहे की सरिया, एक अदद प्लास्टिक की टार्च तथा एक अदद देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर तथा एक अदद देशी तमंचा 12 बोर व दो अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर एवं माल याफ्ता 1600 रूपये पुलिस टीम स वरि0 उ0नि0 सुनीत कुमार, उ0नि0 रमेशचन्द्र जायसवाल , हे0का0 शिवशंकर, हे0का0 राममोहन, हे0का0 धीरज कुमार व आरक्षी सोनू सागर व आरक्षी पवन कुमार ।

बिसवां: अकेले सो रही महिला की दबंगों ने की पिटाई, मौत

सीतापुर के बिसवां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ईदगाहपुरवा मज़रा बिसवां देहात में एक महिला की दबंगों द्वारा बेरहमी से पिटाई करने पर मौत हो गई। मृतका के बेटे राधेश्याम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी मां मुन्नी देवी रात में घर पर अकेली सो रही थीं। इसी दौरान गांव के ही लौंग श्री उर्फ राधा, उसका बेटा शिवा और पुत्री चौधरी घर में घुस आए और महिला की जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है –

ई-रिक्शा पलटने से एक मजदूर की मौत

बिसवां । बिसवां कोतवाली क्षेत्र के पास मोनू पुत्र जमुना उम्र करीब 35 वर्ष निवासी ग्राम अंगरासी थाना तालगाव टीन शेड ई-रिक्शा पर लाद अपने घर जा रहा था कि तभी बिसवां- लहरपुर चुंगी के निकट टीन शेड से लदा हुआ ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया जिसके नीचे दब गया जिसके कारण मजदूर को गंभीर चोटे लगी क्र राहगीरों के द्वारा पलटे हुए ई-रिक्शा से मजदूर को निकाला गया और इलाज हेतु तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां लाया गया जहां चिकित्सकों ने मजदूर को मृत घोषित कर दिया क्रसूचना पर कोतवाली पुलिस ने पहुच कर विधिक कार्यवाही करते हुए शव को पंचनामा भरकर पी एम हेतु जिला सीतापुर भेज दिया गया क्र कोतवाली पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को पकड़ लिया है क्रवही इस घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है क्रपरिजनों ने बताया कि मोनू एक राज मिस्त्री था जो लखनऊ में रहकर मजदूरी का काम करता था ।

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अंतर्जनपदीय अपराधी गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ.प्रवीन रंजन सिंह के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार के नेतृत्व में थाना सिधौली पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 33/2025 धारा 2(ए)(द्व)/3(द्व) यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट थाना अटरिया सीतापुर में वांछित अभियुक्त राहुल रैदास पुत्र स्व0 बनवारी लाल रैदास निवासी ग्राम बीकामऊ कला थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ को मनवा तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त करीब 03 माह से वांछित चल रहा था जो कि शातिर एवम् अभ्यस्त किस्म का अंतर्जनपदीय अपराधी है, इसके विरुद्ध पूर्व में भी

लूट/चोरी/नकबजनी/धोखाधड़ी/हत्या का प्रयास आदि जैसे अपराधों में जनपद कानपुर, लखनऊ, सीतापुर में कई अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त द्वारा अपराध से अर्जित संपत्ति का पता लगाकर जब्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त का चालान मा.न्यायालय किया गया है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही निरन्तर इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

अभियुक्त का नाम/पताः- राहुल रैदास पुत्र स्व0 बनवारी लाल रैदास निवासी ग्राम बीकामऊ कला थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ

पंजीकृत अभियोग- मु0अ0सं0 33/2025 धारा 2(ए)(द्व)/3(द्व) यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट थाना अटरिया सीतापुर

पुलिस टीम ऽ प्र0नि0 बलवन्त सिंह शाही, अपराध निरीक्षक राममणि यादव मय हमराह उ0नि0 सन्तोष कुमार राय, का0 वेदपाल,का0 सतेन्द्र पाल ।

आग में सब कुछ गवा चुके किन्नू प्रसाद को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने की मदद

गोरखपुर। बड़हलगंज के समीप खड़ेसरी गांव में किन्नू प्रसाद का घर आग लगने से पूरा जल गया है। इसके पूर्व किन्नू प्रसाद का घर कंसासुर में था जहां पर बाढ़ में घर बह जाने के बाद 6 साल पहले खड़ेसरी में छप्पर डालकर जीवन यापन करते थे द्य अब यहां पर आग लग जाने से इनका पूरा आशियाना जलकर राख हो गया, जिसकी सूचना मिलने पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सभापति शिवेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर रक्तदान प्रभारी ज्ञानेंद्र ओझा के नेतृत्व में रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा तिरपाल,बर्तन, बाल्टी एवं अन्य उपयोगी वस्तुयें प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रेडक्रॉस सोसायटी के आजीवन सदस्य पुष्पराज दूबे, शिवेंद्र प्रताप उपाध्याय, रितेश राय, अनन्त कुमार सहित अन्य गणमान्य जन ने आशा व्यक्त किया कि स्वयं सेवी संस्थाओं एवं लोगों के मदद से यह परिवार अपना जीवन यापन शुरू हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त कर खनक कश्यप ने बढ़ाया क्षेत्र का नाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रकाश विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा को मिला राज्यस्तरीय सम्मान

महमूदाबाद (सीतापुर) । प्रकाश विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, महमूदाबाद की मेधावी छात्रा खनक कश्यप ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्तर प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र, विद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। खनक कश्यप, पंकज कश्यप की पुत्री हैं और सेहारुखेड़ा गांव की निवासी हैं।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए खनक कश्यप को लखनऊ स्थित गायत्री पीठ में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उन्हें मेडल, शील्ड, ?2000 नकद पुरस्कार और ज्ञानवर्धक पुस्तकें भेंट की गईं। सम्मान समारोह में लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, केंद्रीय प्रतिनिधि सुधीर श्रीपाद, अयोध्या जोन समन्वयक देशबंधु तिवारी, लखनऊ जोन समन्वयक अतुल सिंह, रघुवंश एवं सुनील सिंह समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने खनक की प्रतिभा की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की ओर से खनक कश्यप के मार्गदर्शन में योगदान देने वाले शिक्षकों पुष्कर वर्मा एवं पंकज वर्मा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार, समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने खनक को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं और गायत्री परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

मदर्श डे के आवसर पर स्टडी प्वाइंट मे सलाद मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतरापुर। स्टडी प्वाइंट इंटर कॉलेज खैराबाद मे मदर्श डे के अवसर पर सलाद मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता मे नन्हें मुन्ने बच्चों कि माताओ ने प्रतिभाग किया और इस प्रतियोगिता मे सराहनीय प्रदर्शन करके अपनी श्रज़नाकमता का परिचय दिया, प्रतियोगिता मे श्रीमती आशमा ने प्रथम, श्रीमती शुमईया ने सेकेण्ड स्थान, श्रीमती गुलफसा ने तृतीय स्थान, श्रीमती शारदा ने चतुर्थ व श्रीमती रुकसाना ने पाँचवा स्थान प्राप्त किया निर्णायक मंडल मे सेक्रेड हार्ड इंटेड कॉलेज कि अंग्रेजी कि अध्यापिका श्रीमती आरती मिश्रा एवं महिमा सिन्हा ने सभी विजेता प्रतिभागियो को पुरुष्कार व प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित कियागया उक्त अवसर पर विद्यालय प्रबंधक आमिर रिज़वी,

श्रीमती लुबना रिज़वी, प्रधानाचायां स्वेता श्रीवास्तव एवं सभी शिक्षक गण मौजूद रहे, विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि इस तरह कि प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा अभिवावको को भी अपनी प्रतिभाओ को दिखाने का एक मंच प्रदान करने क प्रयास किया जाता हैं

शिवरतनगंज के एसओ तो बदले लेकिन पुलिस का रवैया नही बदला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाहन चेकिंग के नाम पर जनप्रतिनिधियों के साथ ही सम्भ्रांत नागरिकों को किया जा रहा अपमानित

अमेठी,सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लाख हिदायतों के बावजूद खाकी वर्दी सुधरने का नाम नही ले रही है। पुलिस महकमे के आला अधिकारियों द्वारा मातहतों को आम जनमानस के साथ ही जनप्रतिनिधियों और सम्भ्रांत नागरिकों के साथ मित्रवत व्यवहार करने का पाठ पढ़ाया जाता है लेकिन उसका मखौल कैसे उड़ाया जाता है अगर इसकी जमीनी हकीकत जांचनी और परखनी है तो थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के कस्बा सेमरौता आइये यहां पर प्रतिदिन सायं पाली में मनबढ़ पुलिस कर्मियों द्वारा वाहन चेकिंग के नाम पर जनप्रतिनिधियों और सम्भ्रांत नागरिकों को अपमानित किया जाता है। जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिये पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा आधा दर्जन से अधिक थानों में फ़ेरबदल किया गया।थाना शिवरतनगंज के थानाध्यक्ष का तबादला गैर जनपद होने के कारण यहां की जिम्मेदारी विवेक सिंह को सौंपी गई तो आम जनमानस और राहगीरों में यह आस जगी थी कि अब वाहन चेकिंग के नाम पर अपमानित होने से निजात मिलेगी लेकिन स्थानीय पुलिस अपना रवैया बदलने का नाम नही ले रही है और प्रतिदिन शाम को सेमरौता चौराहे पर वाहन चेकिंग लगाकर राहगीरों, सम्भ्रांत नागरिकों के साथ ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को दौड़ाकर पकड़ती है जैसे कोई इनामी अपराधी हो। पुलिस की इस कार्य प्रणाली से कई लोग चोटहिल भी हो चुके हैं और कई जनप्रतिनिधियों को अपमान का घूंट पीना पड़ा। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मानें तो पुलिस की करतूतों के कारण सरकार की छबि धूमिल हो रही है। पुलिस की कार्यशैली से स्थानीय व्यापारियों का व्यापार भी चौपट हो गया है।अब देखना यह है कि नवागंतुक थानाध्यक्ष द्वारा मातहतों की करतूतों पर पर्दा डाला जाता है या फिर सम्भ्रांत नागरिकों के अपमानित होने का सिलसिला अनवरत जारी रहता है फिलहाल यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

कथाव्यास पंडित पंकज मिश्रा ने श्रीकृष्ण बाल लीला का किया सुंदर वर्णन

बिसवाँ सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मिर्ज़ापुर सरैंया में पंडित देवेन्द्र कुमार शुक्ला द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथाव्यास पंडित पंकज मिश्र महारथी महोली ने श्रीकृष्ण बाल लीला का सुंदर वर्णन किया गया। भागवत कथा में पंडित पंकज मिश्र ने कहा भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो, तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। विशाल भंडारा आज सोमवार को सम्पन्न होगा।इस दौरान पीसीएस प्रमोद शंकर शुक्ला, छन्नू लाल अवस्थी, देवेन्द्र कुमार शुक्ला, आलोक अवस्थी एडवोकेट, दया शंकर शुक्ला, आशीष अवस्थी, विनोद शंकर शुक्ला आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

आखिर किसकी शह पर संचालित हो रहे अवैध हॉस्पिटल नर्सिंगहोम व क्लीनिक

खैराबाद सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य चिकित्सा की सेवाएं बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है लेकिन झोलाछाप डॉक्टर व अवैध क्लीनिक , हॉस्पिटल स्वास्थ्य सेवा पर हावी होता नजर आ रहा है। खैराबाद से चंद किलोमीटर पर स्थित ग्राम सभा भदियासी के ग्राम शंकरपुर में अवैध रूप से नर्सिंग होम संचालित हो रहा है। झोलाछाप डॉक्टर सर्वेश अपने आप को एमबीबीएस डॉक्टर बताता है व हाइड्रोसील, हर्निया आदि का ऑपरेशन निडर होकर प्रतिदिन करता है। जिससे स्वास्थ्य विभाग है अनजान बना हुआ है। आखिर क्या कारण है यह झोलाछाप डॉक्टर बिना डिग्री के बिना ट्रेनिंग के कैसे कर रहे है ऑपरेशन स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते आए दिन किसी न किसी की जान चली जाती है, ऐसा नहीं कि इन क्लीनिकों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को नहीं है। अवैध क्लीनिक , नर्सिंग होम , हॉस्पिटल स्वास्थ्य विभाग की आय का जरिया बने हुए है, अब देखना यह है कि क्या इस पर कोई कार्यवाही की जाती है या ऐसे ही संचालित होता रहेगा।

आशा कार्यकत्री गर्भपात कराते पकड़ी गई

राजापाकड़/कुशीनगर। कुबेरस्थान मुख्य बाजार में स्थित एक मकान में क्लिनिक खोलकर आशा कार्यकत्री द्वारा अवैध रूप से ओपीडी संचालित करने और गर्भपात कराने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों के अनुसार यह कार्यकत्री खुद को बड़े डॉक्टरों जैसा पेश करते हुए गर्भवती महिलाओं का इलाज करती थी और अवैध रूप से गर्भपात कराती थी। इस अवैध गतिविधि की शिकायत पहले भी कई बार स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से की जा चुकी थी, लेकिन कस्बे के ही एक प्रभावशाली व्यक्ति और सीएमओ दफ्तर में तैनात एक कर्मचारी के संरक्षण के चलते कार्यवाही नहीं हो पाती थी। हालांकि हाल ही में मिली एक शिकायत पर मुख्य चिकित्साधिकारी कुशीनगर के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.के. गुप्ता एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी कुबेरस्थान डॉ. धीरज सिंह ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान आशा कार्यकत्री को गर्भवती महिलाओं का इलाज करते हुए और उसी समय एक महिला का गर्भपात करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया तथा जांच टीम द्वारा किये गये पूछताछ में संबंधित महिला ने स्वयं गर्भपात होने की पुष्टि भी की है। इस संदर्भ में पूछे जाने पर नोडल अधिकारी डॉ. आर.के. गुप्ता ने बताया कि उक्त आशा कार्यकत्री के विरुद्ध नोटिस जारी कर दो कार्यदिवस के भीतर जवाब मांगा गया है।

पुलिस की घोर उदासीनता

हादसे के छह दिन बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं

एक्सईएन, एसडीओ व जेई पर कार्रवाई की मांग, पीड़ित परिवार परेशान

विद्युत विभाग की लापरवाही से तिलक समारोह में गई थी पुरोहित की जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजापाकड़/कुशीनगर। तुर्कपट्टी थानाक्षेत्र के गुरवलिया बाजार में 6 मई की शाम तिलक समारोह के दौरान हाई वोल्टेज तार गिरने से पूजन कर रहे पुरोहित चंदेश्वर पाठक की दर्दनाक मृत्यु व आधा दर्जन लोगों के झुलसने के मामले में पुलिस की घोर उदासीनता सामने आई है। घटना के छह दिन बाद भी न तो मुकदमा दर्ज हुआ, न ही जिम्मेदार विद्युत अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गई, जिससे पीड़ित परिवार और गांव में आक्रोश गहरा गया है। घटना के बाद मृतक के पुत्र अत्री कुमार पाठक ने 7 मई को तुर्कपट्टी थाने में तहरीर देकर एक्सईएन, एसडीओ व जेई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। आरोप लगाया गया था कि जर्जर 11 हजार वोल्टेज का तार लटक रहा था, जिसकी जानकारी विद्युत विभाग को पहले से थी, बावजूद इसके मरम्मत नहीं कराई गई। लापरवाही के चलते तार टूटकर समारोह स्थल पर गिरा और करंट फैलने से पिता की जान चली गई।पीड़ित का कहना है कि लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ। बावजूद इसके पुलिस ने अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पीड़ित ने शव के अंतिम संस्कार से पहले भी लिखित तहरीर सौंपी थी, जिसमें स्पष्ट रूप से जिम्मेदार अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई थी। घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी मुकदमा दर्ज न होना पुलिस की संवेदनहीनता और उदासीनता को उजागर कर रहा है। इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक राजप्रकाश सिंह ने तहरीर प्राप्त होने इंकार किया।

रोटरी क्लब ने गुलाब के फूल के साथ नि:शुल्क हेलमेट बांटे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान की कड़ी में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा कुशीनगर स्थित फ्लाईओवर के निकट बिना हेलमेट लगाकर जा रहे जरुरतमन्द दोपहिया चालकों में नि:शुल्क हेलमेट का वितरण गुलाब के फूल के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में साहिल बजाज एजेंसी टेकुआटार का भी सहयोग रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यात्री कर अधिकारी, कुशीनगर बलवंत सिंह ने रोटरी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि हेलमेट के बिना गाड़ी चलाना बहुत ही खतरनाक है, दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाकर यात्रा करनी चाहिए।

रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली और रोटरी क्लब पदाधिकारियों ने पुलिस कर्मियों के सहयोग से हेलमेट देने के साथ ही लोगों से आग्रह किया कि वे पुलिस के डर से नही बल्कि अपने जीवन की सुरक्षा के लिये वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। कार्यक्रम के संयोजक साहिल बजाज ने बताया कि रोटरी द्वारा विगत वर्ष भी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत 50 हेलमेट वितरित किया गया था और आज पुनः इस अभियान को आगे बढ़ते हुए 50 हेलमेट वितरित हुआ है। हेलमेट के बिना गाड़ी चलाना बहुत ही खतरनाक है, दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाकर यात्रा करनी चाहिए। रोटरी के सचिव अजय सिंह ने समस्त रोटरी सदस्यों को इस कार्यक्रम के सफल आयोजित करने में सहयोग हेतु आभार प्रकट किया। इस अवसर पर रोटरी के संरक्षक अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, उपाध्यक्ष संदीप रौनियार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक डॉ सुनील सिंह, हसमुद्दीन अंसारी, अरूण कुमार मौर्य, अमरेंद्र नारायण सिंह, सरवरे आलम (छोटे), हेमन्त गर्ग, सत्येन्द्र राय, राजबहादुर जायसवाल, शशि कुमार सिंह, दीपेश कुमार सिंह, मानसिंह प्रवर्तन दीवान तेजपाल प्रवर्तन सिपाही तथा सुरेंद्र यादव प्रवर्तन चालक एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

बैसाखी बुद्ध जयंती की पूर्व संध्या पर हुआ विशेष पूजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। बैसाखी बुद्ध की 2569 वीं त्रिविध पावनी जयंती की पूर्व संध्या पर भिक्षु संघ के नेतृत्व में तथागत बुद्ध का विशेष पूजन किया गया और विश्व कल्याण की कामना की। भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष भदंत एबी ज्ञानेश्वर की नेतृत्व में रविवार की सायं भंते महेंद्र, भन्ते शील प्रकाश, भंते सों क्रान, भन्ते डॉ. नन्द रतन, भन्ते अशोक, भन्ते नंदका, भिक्षुणी धम्म नैना, भन्ते यशपाल, भंते उपाली, भंते उपाली सहित भिक्षुओं व उपासकों ने मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर में पहुंचकर बुद्ध की शयन मुद्रा में लेटी प्रतिमा का का दर्शन पूजन किया और विशेष पूजन कर चीवर चढ़ाया। बुद्ध कालीन पुरातात्विक अवशेषों के बीच बैठकर बुद्ध उपासना की। भिक्षु ज्ञानेश्वर ने कहा कि भगवान बुद्ध के पंचशील के सिद्धांत करुणा, मैत्री और शांति के उपदेश में ही विश्व का कल्याण होगा। सुबह थाई मंदिर के प्रमुख डॉ पी सोम पोंग के निर्देशन में भंते पी पविन, भंते पी नरोंजी, भंते समिट, पु बुन मा आदि ने बुद्ध का विशेष पूजन अर्चन किया गया। आज सोमवार होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि म्यांमार के राजदूत ऊ जो और विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इस अवसर पर उपासक और भिक्षु मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करें : अनिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। महाराणा प्रताप ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगा दिया लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होनें सत्ता व राजसुख को त्याग कर अपनी मातृ भूमि के लिए जंगलों जीवन यापन किया, घास की रोटियां खाई लेकिन अपने स्वाभिमान और आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। उक्त बातें महराणा प्रताप की 485 वीं जयंती पर अखिल भारतीय क्षत्रिय चेतना परिषद एवं अभा गहरवार क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को लक्ष्मीपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगठन ने राष्ट्रीय संरक्षक अनील सिंह एडवोकेट ने कही। उन्होंने कहा महाराणा प्रताप क्षत्रिय समाज के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज के लोगों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पाजंलि कर नमन किया। जिलाध्यक्ष सत्यजीत सिंह गहरवार ने कहा आज मातृदिवस के अवसर मातृभूमि के प्रति त्याग व बलिदान महाराणा प्रताप ने किया उससे अनूठा मातृप्रेम का उदाहरण कुछ हो ही नहीं सकता।

इस अवसर पर जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर शैलेन्द्र सिंह गहवार का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। श्री गहवार ने कहा कि महाराणा प्रताप जीवन चरित्र से हमसभी को यह सीख लेनी चाहिए सम्मान व स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं है। हमें अपने सदैव अपने पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए और उसकी वंश परम्परा को धूमिल नहीं करना चाहिए। इस दौरान मंकेश्वर सिंह, इन्द्रजीत सिंह, छोटेलाल सिंह,अरविंद सिंह, अश्वनी सिंह, अशोक सिंह, राधेश्याम सिंह, विश्वजीत सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, विशाल सिंह, फणीन्द्र प्रताप सिंह, कर्मवीर सिंह, पियुष सिंह, अरविंद सिंह गहरवार, कृष्णकुमार सिंह, रितिक सिंह समेत आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में मंडल गठन को लेकर हुई बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय उन्नाव में मंडल गठन को लेकर जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची प्रदेश मंत्री व भाजपा उन्नाव की जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा ने मंडल अध्यक्षों और उपस्थित पदाधिकारियों को गठन हेतु प्रदेश द्वारा गठन हेतु जारी किए गए निर्देशों को एक एक कर विस्तार से बताया।

जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने भी इस विषय में जानकारी प्रस्तुत की मंडल अध्यक्षों से कहा कोई हमारे पूर्व से कार्य कर रहे कार्यकर्ता कहीं छूटे नहीं। उन्होंने बताया मंडल अध्यक्ष के अलावा 6 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 6 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष के साथ 31 कार्यकर्ता को कार्यकारिणी के सदस्य होंगे। इसके साथ ही शक्ति केंद्रों का भी भी गठन किया जाएगा। सूची सर्वस्पर्शी हो महिलाओं को भी शामिल किया जाए कार्य करने वालों को प्राथमिकता दें। बैठक में जिला महामंत्री बिपिन मिश्रा, आशीष बाजपेई अटल, प्रवीण सिंह नूतन, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, कृष्ण कुमार वर्मा, आनंद अवस्थी जिला मंत्री सविता रावत गिरीश वर्मा, बालाराव गुप्ता संदीप पाण्डेय, सुशील तिवारी, नवीन सिंह, मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

अभय त्रिपाठी ने किया बेहतरीन प्रदर्शन, लूटी खूब वाहवाही

उन्नाव हिलौली के छोटे से गांव से ताल्लुख रखने वाले अभय त्रिपाठी क्षेत्र के सबसे होनहार क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक बनकर उभर रहे हैं। उन्नीस साल के त्रिपाठी ने हिलौली प्रीमियर लीग (एचपीएल) 2025 के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन कर खूब सुर्खियां बटोरीं।

हिलौली गांव के रहने वाले डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी का उन्नीस वर्षीय बेटा अभय त्रिपाठी जो कि क्षेत्र में होनहार क्रिकेटरों में से एक उभर कर सामने आ रहा है। अभय त्रिपाठी ने प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राइमरी विद्यालय से की। उसके बाद फिर पुरवा में पढ़ाई की। पढ़ाई के साथ साथ क्रिकेट का जुनून हमेशा सवार था। क्षेत्र में होने वाले टूर्नामेंटों में अभय त्रिपाठी प्रतिभाग कर हमेशा सुर्खियों में रहते है। मां सन्नो त्रिपाठी शिक्षामित्र के पद पर कार्यरत है। बाय हाथ के बेहतरीन गेंदबाज होने के साथ साथ एक बेहतरीन पारी को भी अंजाम देते हैं।उसके बाद अपनी फील्डिंग से सभी की वाहवाही लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ते है। उनसे टीम के कप्तान गुड्डु सविता ने बताया कि अभय त्रिपाठी एक होनहार खिलाड़ी है। वह हमेशा मैच को अपने पक्ष में करने की कोशिश किया करता है। एक बेहतरीन गेंदबाज के साथ साथ व बहुत अच्छी बैटिंग और फील्डिंग भी करता है। सभी खिलाड़ियों को समय समय पर सजग भी करता रहता है।

अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

उन्नाव, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना सोहरामऊ क्षेत्र के नादौहा गांव में एक अधेड़ व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि करीब 3 बजे अवधेश सिंह का शव उनके कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। अवधेश सिंह शनिवार रात भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने गए थे। जब देर रात तक वह कमरे से बाहर नहीं आए, तो परिजनों ने दरवाजा खोलकर देखा। कमरे में उनका शव फांसी के फंदे से लटक रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव मोर्चरी भेज दिया। थानाध्यक्ष सोहरामऊ शरद कुमार के अनुसार प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। परिजनों का कहना है कि अवधेश मानसिक रूप से स्वस्थ थे। उनके व्यवहार में कोई असामान्यता नहीं थी। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। इसमें पारिवारिक तनाव, आर्थिक समस्या या अन्य सामाजिक कारण हो सकते हैं।

किशोरी से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय एक किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक ने जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया तथा जांच में जुट गई।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने यहां बताया कि कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर पीड़िता के पिता ने बताया है कि गत 08 मई को सुबह वह रोजी रोटी के लिए गांव से बाहर गया था। उसी दिन शाम चार बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री गांव के बाहर स्थित नहर के पास शौच के लिए जा रही थी।

उसी समय गांव का ही युवक रितेश उनकी लड़की का पीछा करने लगा और कुछ दूरी पर सुनसान जगह देखकर उसे जबरदस्ती नहर में खींच ले गया तथा जबरिया दुष्कर्म किया। लड़की चिल्लाने की कोशिश की गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। 09 मई को जब वह काम से वापस लौटे तो लड़की ने पूरी घटना बताई। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

अनियंत्रित तेज रफ्तार बाइक खाई मे पलटी, दो युवक घायल

बछरावा,रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाइक की तेज रफ्तार होने के चलते सड़क घुमावदार होने का बाइक अनियंत्रित हो गई, और खाई मे पलट गई। जिसमें सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए है जहाँ एक की हालत गंभीर बताई गई है। रविवार दोपहर 1 बजे थाना क्षेत्र शिवगढ़ के बांदा बहराइच मार्ग पर निर्बला पुल के निकट सड़क घुमावदार होने के चलते बाइक की तेज रफ्तार होने चलते अनियंत्रित होकर बगल की खाई में चली गई। जिसमें सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों के द्वारा दोनों घायल लोगों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस की सहायता से बछरावां सीएचसी पहुंचाया गया। जहां दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिसमें एक युवक की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। जानकारी प्राप्त हुई है, कि अभिषेक पुत्र अशोक कुमार निवासी दुर्गा खेड़ा मजरे बैती थाना शिवगढ़ के साथ दिवाकर पुत्र दिनेश कुमार निवासी गूजरपुर मजरे बहादुरपुर दोनों बाइक पर सवार होकर बछरावां की ओर आ रहे थे तभी निर्बला पुल के पास रोड पर घुमाव होने के चलते बाइक अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गए। दोनों घायलो का सीएचसी में प्राथमिक उपचार करने के बाद अभिषेक की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर प्रभात मिश्रा ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

नहर नहाने गए एक दर्जन युवकों में एक युवक डूबा, शव हुआ बरामद

बछरावां, रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शारदा नहर में नहाते समय पानी के तेज बहाव में एक युवक अचानक गायब हो गया। जिसकी तलाश पुलिस और गोताखोरों के द्वारा की गई। जहां तलाश के दौरान युवक का शव बरामद हुआ है। घटना रविवार दोपहर 3 बजे के आसपास थाना क्षेत्र बछरावां के ग्राम चुरूवा निवासी करीब एक दर्जन युवक शारदा नहर में नहाने के उद्देश्य से ग्राम मीरखनगर थाना नगराम जनपद लखनऊ जो लखनऊ रायबरेली बॉर्डर पर स्थित है, वहां गए हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी एक दर्जन युवक भीषण गर्मी व तपन के चलते नहाने के उद्देश्य अपने साथियों के साथ नहर पर पहुंच गए। जहां सभी लोग नहर में नहाने के लिए कूद पड़े नहाते समय अचानक एक युवक आदर्श कुमार पुत्र सुनील कुमार निवासी ग्राम चुरूवा थाना बछरावां अचानक गायब हो गया। जिसे अन्य साथियों के द्वारा इधर-उधर खोजा जाने लगा, परंतु नहर का तेज बहाव होने के चलते युवक की तलाश नहीं की जा सकी, तो अन्य युवको के द्वारा ग्रामीणों एवं परिजनों को जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों एवं परिजनों के द्वारा युवक की खोजबीन शुरू की गई। परंतु जब कहीं पता नहीं चला तो सूचना पर पहुंची नगराम पुलिस के द्वारा गोताखोरों की मदद से लगातार युवक की खोजबीन की जाने लगी। काफी खोजबीन के बाद युवक का शव बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

पिंड पात्र लेकर निकले बौद्ध भिक्षु, उपासकों ने दिया दान

कुशीनगर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बैसाख बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर बुद्ध मार्ग सहित विभिन्न मार्गों पर बौद्ध भिक्षुओं ने पींड पत्र लेकर भिक्षाटन किया।भिक्षुओं को पिंड पात्र में दान किया। भिक्षुओं ने उन्हें आशीर्वाद दिया। रविवार इस पवित्र मौके पर भिक्षाटन को निकले भंते नंदका, भंते सों क्रान, भंते राजेंद्र, भंते सुमित, भंते उपाली, भंते यशपाल सहित भिक्षुओं को मोरिन राय, हेमा राय, मौसम, अचान, विवेक कुमार गोंड, ओमप्रकाश कुशवाहा और उपासक/ उपासिकाओं ने भिक्षुओं को दान दिया। यामा कैफ़े के संचालक टीके राय और उपासकों ने भिक्षुओं को फल, खाद्यान्न, पेयजल, जूस आदि पिंड पात्र में दान किया। इस दौरान म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, भारतीय भिक्षु और उपासक मौजूद थे।

गंगा तट पर गंगा आरती का आयोजन

उन्नाव, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आनंद घाट गंगा तट पर नित्य गंगा आरती सेवा समिति द्वारा आयोजित गंगा आरती में सम्मिलित होने के दौरान भारतीय सेना का उत्साहवर्धन के लिए। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा जी ,सदर विधायक पंकज गुप्ता,जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी , भाजपा नेता विमल द्विवेदी,सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह ,मनीष जायसवाल, संदीप पाण्डेय ,सीरत ध्वजतिवारी , विशाल त्रिपाठी , शिल्पी आदित्य त्रिपाठी , सुरेश शुक्ला , सुरेंद्र गुप्ता , विवेक मिश्रा, एवं अन्य सम्मानित बंधुओं की भी गरिमामयी उपस्थिति ही।

सेफ्टी टैंक को लेकर पट्टीदारों में विवाद, चली गोली, दो घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जिले के जहानागंज थाना क्षेत्र में शाहपुर गांव में रविवार की सुबह सेफ्टी टैंक बनाने को लेकर दो पट्टीदारों में मारपीट हो गई। इसके बाद आक्रोशित युवक ने लाइसेंसी असलहे से फायरिंग कर दिया जिसमें दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। असलहे से फायरिंग करते युवक का वीडियो भी वायरल हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पंहुची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मामले की छानबीन में जुटी है। जहानगंज थानां क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी गुड्डू सिंह सेफ्टी टैंक बना रहे थे। उनके ही पट्टीदार अभिषेक सिंह और बृजमोहन सिंह ने इसका विरोध किया। जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। बताया जा रहा है कि इसी दौरान आक्रोशित गुड्डू सिंह का पुत्र घर से लाइसेंसी रिवाल्वर लेकर आया और फायर कर दिया। जिससे दो लोगों को गोली लग गई।आनन-फानन में घायल दोनों लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। 5 सेकेंड के इस वीडियो में लोग युवक को मना कर ही रहे है कि तभी उसने फायरिंग कर दिया। एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने बताया कि गोली कमर से नीचे लगी है। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। आरोपी गिरफ्तारी को लेकर चार टीमों का गठन कर दिया गया है। जल्द ही गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

सांड़ ने पटक-पटक कर महिला को मार डाला

आजमगढ़। जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र के देवारा हरकपुरा गांव में रविवार की सुबह लगभग पांच बजे भोर मे घर से बाहर खेत की तरफ जा रही महिला के ऊपर सांड़ ने हमला कर दिया। इस घटना में महिला बुरी तरह से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महाराजगंज थाना क्षेत्र के देवारा हरकपुरा गांव निवासी सुखा देवी (59) पत्नी वासुदेव यादव रविवार की सुबह घर से खेत की तरफ जा रही थी। इसी दौरान अचानक मार्ग पर खड़े सांड़ ने उनके ऊपर हमला कर दिया। अभी वह कुछ समझ पाती तब तक सांड़ ने उनको दो बार उठा-उठा कर पटक दिया। घायल होकर जब वह अचेत हो गई तब साड़ ने उन्हें छोड़ दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उनके बेटों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभायात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। हरचन्द्रपूर क्षेत्र के पूरे गुलाब सिंह गांव में श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु उमड़े। मुख्य यजमान वीरेंद्र सिंह ने अपने निवास पर पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा में पवित्र जल भरने के लिए श्रद्धालु पहले श्री आस्तिक बाबा मंदिर गए और वहां दर्शन करने के बाद पास की नदी से जल भरकर वापस लौटे। इसके पश्चात लगभग 300 से अधिक वाहनों के साथ कलश यात्रा शुरू हुई। इस यात्रा में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ जिले के कई प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हुए। शोभायात्रा हरचंदपुर चौराहा, गंगागंज और अजमतुल्लागंज होते हुए अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद यात्रा वापस गांव आई और कलश स्थापना विधि संपन्न हुई। वृंदावन से पधारे कथा व्यास पूज्य योगेंद्र कृष्ण शास्त्री जी ने इस अवसर पर कहा कि पूरे गुलाब सिंह गांव भक्ति और आध्यात्मिकता के रंग में रंगने वाला है। गांव में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का संचार हो गया है। कलश यात्रा में पवित्र जल भरकर श्रद्धालु कथा स्थल तक ले गए हैं, जो इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। श्रीमद् भागवत कथा का प्रवचन 12 मई से प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। पूज्य गुरु जी अपनी ओजपूर्ण वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। उनके प्रवचनों में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत संगम होगा, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो उठेंगे। कथा के माध्यम से भगवान कृष्ण की लीलाओं, भक्तों के चरित्रों और जीवन के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में समझाया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रशांत सिंह भोले, रामचंद्र मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, दीपू सिंह, अजय सिंह, जितेंद्र सिंह, राम मिश्रा, भोला, गोलू, दिनेश सिंह, गौरव, आशू मिश्रा, रोशन सिंह, सुधीर सिंह, रामू सिंह, अशोक त्रिवेदी (पूर्व प्रधान), इंडीवर, इंद्रेश श्रीवास्तवा, पन्ना सिंह, मोगा सिंह, राजा सिंह, हर्षित सिंह और आशु सिंह जैसे प्रमुख लोग सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। सभी मिलकर कथा स्थल की व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक प्रबंधनों को सुनिश्चित कर रहे हैं।

मोतीगंज थाना क्षेत्र में हरे पेड़ों का सफाया कर रहे वन माफिया, जिम्मेदारों को भनक तक नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा:जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों की अंधाधुंध कटान वन विभाग और इलाकाई पुलिस की मिलीभगत से की जा रही है।सोहांस करमोहनी गांव में बिना परमिट के सागौन के 25 पेड़ों को धराशाई कर दिया गया।हास्यास्पद बात तो यह है कि जब इसकी जानकारी चाही गई तो पुलिस और वन विभाग के जिम्मेदारों ने अनभि ज्ञता जताई।जब पेड़ों की कटाई का वीडियो सो शल मीडिया पर वायरल हुआ तब इस मामले में वन विभाग द्वारा आनन-फानन में केस दर्ज कराया गया।जिले का मोतीगंज थाना पेड़कटवा के नाम से मशहूर है।यहां तैनाती के दौरान प्रबोध कुमार ने वृक्षों की अवैध कटान पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था,लेकिन उनके तबादले के बाद पेड़ों पर फिर मशीनें चलने लगीं।ताजा मामला थाना क्षेत्र के सोहांस करमोहनी गांव का है जहां सर कारी स्कूल के पास ठेकेदार ने क्षेत्रीय पुलिस और वन विभाग से साठगांठ करके सागौन के 25 पेड़ों को काट डाला।सूत्रों का कहना है कि प्रतिबंधित पेड़ों की कटान के दौरान इसकी शिकायत पुलिस और वन विभाग से की गयी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।बताते हैं कि वन विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे लेकिन चूंकि ठेकेदार की बात एक तथाकथित पत्रकार के जरिए जिला मु ख्यालय पर बैठे एक अफसर से थी,इसलिए उन्हें बिना किसी तरह की कार्रवाई किए ही बैरंग वापस होना पड़ा।पुलिस और वन विभाग द्वारा इस माम ले में कार्रवाई न किए जाने के बाद किसी के द्वारा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।कुछ मीडियाकर्मियों द्वारा वन विभाग के संबंधित अधिकारी से जानकारी मांगी गई तो उन्होंने साफ इंकार कर दिया और कहा कि देखवाकर कार्रवाई कराई जाएगी। दरअसल, सोहांस करमोहनी गांव के रामशंकर तिवारी ने लाखों रूपए कीमत के सागौन के 25 पेड़ ठेकेदार को बेच दिया था, लेकिन ठेकेदार द्वारा इन पेड़ों को काटने के पूर्व वन विभाग से परमिट नहीं लिया गया। ठेकेदार गुड्डू खान के द्वारा सभी 25 पेड़ों को अवैध रूप से काट डाला गया। इसकी सूचना वन विभाग के एसडीओ व रेंजर को दी गयी।एसडीओ के आदेश पर पंडरी कृपाल रेंज के दरोगा मौके पर पहुंचे,जहां जांच के दौरान बिना परमिट लिए अवैध रूप से सागौन के पच्चीस पेड़ों को काट लिए जाने की बात प्रकाश में आई। मोतीगंज थाना क्षेत्र का राजगढ़,सोहांस करमोहनी, चपरतल्ला, रामनगर ,दूबेपुरवा, पठान पुरवा, कोलहु आ, कौरहे,भोरहा, छजवा, मतवरिया, सांगीपुर मंगरा वां,राजापुर सहित अन्य कई गांव ठेकेदारों के लिए अवैध वृक्षों की कटान का गढ़ माने जाते हैं। यहां पुलिस और वन विभाग की मिलीभगत से हरे-भरे प्रतिबंधित वृक्षों का सफाया किया जाता है। सूत्र बताते हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं होता है, जब इस क्षेत्र में पेड़ों की कटान न होती हो।क्षेत्र के लोग तो मोतीगंज को पेड़कटवा थाना कहने लगे हैं।ग्रामी णों का कहना है कि वृक्षों की अंधाधुंध कटान से बाग-बगीचे साफ होते जा रहे हैं और पुलिस तथा वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी माला माल हो रहे हैं। इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

दुष्कर्म व गैंगस्टर के आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर पीड़िता ने आईजी से लगाई गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा:बच्चों को स्कूल भेजने के बाद घर में अके ली रहने वाली एक महिला ने एक व्यक्ति पर धम काकर जबरन घर में घुसकर दुष्कर्म करने का आ रोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी लेकिन आ रोपी के रसूख के चलते मुकदमा नहीं दर्ज किया गया।चार साल बाद फिर मामला पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के सामने पहुंचा।घटना को गं भीरता से लेते हुए एसपी ने मुकदमा दर्ज कर कार वाई करने का निर्देश दिया।पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज कर लिया,लेकिन एक माह दस दिन बाद भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी।अब पीड़ि ता ने आईजी से गुहार लगाई है।बताते चलें कि मार्च महीने में एक महिला एसपी विनीत जायस वाल के समक्ष पेश हुई और उसने प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें कहा कि उसका पति करीब तीन साल से सऊदी अरब में रहकर मेहनत-मजदूरी करता है और वह नगर कोतवाली क्षेत्र में घर पर रहकर बच्चों का पालन-पोषण करती है।लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व मुन्नन खां चौराहा निवासी फैजान पुत्र लतीफुर्रहमान के आरा मशीन पर वह लकड़ी लेने गयी थी, जहां फैजान से मुलाकात हुई और उसने हरसंभव मदद व रोजगार दिलाने की बात कहकर उसका मोबाइल नंबर ले लिया।महिला ने कहा कि बच्चों को स्कूल भेजने के बाद वह घर में अकेली ही रहती है।इसलिए फैजान की बातों में आ गई और फरवरी 2021 से उसके अकेलेपन का फायदा उठाकर वह उसके घर आने-जाने लगा। महिला का आरोप है कि इसी बीच घर में अकेली पाकर फैजान ने उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया। उसने जब विरोध किया और पुलिस में शिकायत की बात कही तो पूरे परिवार को खत्म कर देने और अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। आरोप लगाया है कि महिला बच्चों और पति के मोह में मजबूर हो गयी, जिसका फायदा उठाकर फैजान बराबर धमकी देते हुए जबरदस्ती उसके घर में घुसकर बलात्कार करता रहा। परेशान होकर उसने अपने पति को सऊदी से बुलाया। जब उसका पति शिकायत करने फैजान के पास आरा मशीन पर गया तो गालियां देते हुए जान से मारने व वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस पर 25.08.2022 को वह खुद अपने पति के साथ फैजान के पास गयी और इज्जत का हवाला देकर समझाने की कोशिश की, लेकिन फैजान ने असलहा निकाल लिया और मारने के लिए दौड़ाया। चूंकि आरोपी फैजान गैंगस्टर भी है। इसलिए डरकर वहां से अपने पति के साथ घर चली आई।आरोप है कि फैजान ने पीड़ित महिला के भाई के मोबाइल व इंस्टाग्राम पर जो अश्लील वीडियो था,उसे वायरल कर दिया और ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि 18.03.2025 को दोपहर में अपने बच्चों को स्कूल से लेकर वापस लौट रही थी, तभी अलहुदा स्कूल के पास फैजान मिला और गालियां देते हुए कहा कि मुझसे नहीं मिलोगी तो पुनः वीडियो वायरल कर देंगे। मार्च महीने में मामला पुलिस अधीक्षक विनीत जाय सवाल के समक्ष पहुंचा,जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने नगर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने का आदेश दिया। नगर कोतवाली पुलिस ने 04.04.2025 को बीएनएस की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कोतवाली नगर के मुन्नन खां चौराहा निवासी फैजान पुत्र लतीफुर्रहमान के खिलाफ मुकदमा दर्ज तो कर लिया, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के एक माह दस दिन बाद भी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। पीड़िता अब दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कोतवाल से गुहार लगा रही है लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हो रही है।थक-हारकर उसने देवी पाटन रेंज के आईजी अमित पाठक का दरवाजा खटखटाया है और दुष्कर्म के आरोपी गैंगस्टर की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है।

बढ़ रहें अपराध के ग्राफ,पुलिस रोकने में नाकाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा हैं, ले किन पुलिस उस पर लगाम लगाने की बजाय शांत बैठी है।पुलिस के इसी रवैये को देखकर अपराधी कही रात में एक मानसिक व्यक्ति को चोर समझ कर पीठ - पीठ कर अधमरा कर देते हैं और फिर इलाज के दौरान उसकी मौत हो जाती है।तो कही किसी को लूट रहे है।यही नहीं सामूहिक दुष्कर्म की वारदातों को अंजाम देने में आरोपित कामयाब हो जा रहे है।चोर तो आए दिन किसी न किसी गाँव या मोहल्ले के मकान का ताला चटका रहे है।हाल त बहुत की खराब हो गए है।अब तो कानून व्यव स्था पर सवाल खड़े होने लगे है।मारपीट की घटना तो आम बात है।जनपद में पहले ही अपराध बढ़े थे,अब तो हद हो गई है।पिछले दो महीने पर गौर करें तो अपराधी खुलेआम अपराधों को अंजाम देने लगे है।इससे जिलेभर में दशहत का माहौल है।हर किसी के मन में यह डर बन गया है कि कही घर छोड़ कर ताला लगा कर जाएं तो कोई उनके घ र का ताला तोड़ कर चोरी न कर ले।यह सोचकर हर कोई सहमा हुआ है।थाने की पुलिस केवल... में मस्त है।अपराध रोकने पर उसका कोई ध्यान नहीं है।

केस नंबर एक

देहात कोतवाली क्षेत्र के सालपुर चौकी के सामने

ही चोरो के हौसले बुलंद हैं,सालपुर बाजार में चौ की के सामने शराब की दुकान स्थिति है दुकान को चोरों ने निशाना बनाया और दुकान में बिक्री के लि ए रखें शराब क़ो चुरा लें गए चोरी की घटना एक माह बीत जाने के बावजूद इसके आरोपित अभी तक पकड़े नहीं गए है।

केस नंबर दो

सालपुर बाजार में स्थित एक दुकान पर ल्यूमिनस कंपनी का इनवर्टर और बैटरी दुकान से चोरी हो गया था,इसकी शिकायत डायल 112 पर किया गया था और पुलिस आज तक शांत बैठी है।इससे आज भी चोर पकड़े नहीं जा सके है।

केस नंबर तीन

इटियाथोक थाना क्षेत्र में एक आठ साल की बच्ची के साथ किराने की दुकान से सामान लेने गई थी। वापस लौटते समय आरोपी ने उसे अपनी साइकि ल मरम्मत की दुकान में बुला लिया।दुकान का दर वाजा बंद कर उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया, फिर जान से मारने की धमकी देकर उसे भगा दि या,बच्ची रोती हुई घर पहुंची और अपनी मां को पूरी घटना बताई।बच्ची के कपड़े खून से सने थे। पीड़िता के पिता ने बताया कि वह करीब पांच सा ल पहले दूसरे जिले से यहां आए थे और चाय की दुकान चलाते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि एक म हीने पहले भी आरोपी ने बच्ची से छेड़छाड़ की थी। तब लोगों ने समझा बुझाकर मामला शांत करा दि या गया था।

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा की स्ट्राइक, राज्यकर्मियों ने जताई खुशी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में भारतीय सेवा द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले कर आतंकवादियों को नेस्तनाबूद किए जाने पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद में हर्ष व्यक्त किया है।

परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एक बार फिर यह साबित हो गया कि हमारी सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है।उन्होंने कहा कि बिना पाकिस्तान बॉर्डर में घुसे हमारी सेना ने आतांकिस्तान ऐसा सबक सिखाया है कि वह इसे कभी भूल नहीं पायेगा। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों के इस जज्बे को हम सलाम करते हैं तथा देश के प्रधानमंत्री से यह गुहार लगाते हैं कि वह अर्ध सैनिक बलों के मनोबल को बढ़ाने के लिए उनके पुरानी पेंशन से फिर बहाल करने की घोषणा करें यही देश के लाखों सैनिकों का इनाम होगा।

परिषद के संरक्षक अशोक पांडेय महामंत्री मदन मुरारी शुक्ला कार्यकारी अध्यक्ष राजेश सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित श्याम नारायण शुक्ल राजेश मिश्रा कनिष्क गुप्ता इजहार अली अनूप कुमार आदि कर्मचारी नेताओं ने भारत माता की जय भारतीय सेना जिन्दाबाद के नारे लगाए तथा सेना द्वारा इस साहसिक कार्य को करने पर पूरा कर्मचारी परिषद में सेना को सैल्यूट किया।

एस.आई.ओ. की ओर से सीरत क्विज कॉम्पटीशन में शामिल हुए सैकड़ों प्रतिभागी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । स्थानीय राहत जनता इंटर कॉलेज में स्टूडेंट इस्लामिक आर्गेनाईजेशन (एस.आई. ओ.) नानपारा यूनिट के तत्वाधान में सीरत क्विज कॉम्पटीशन का आयोजन हुआ जिसमें कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के होने से छात्र/छात्राओं को पैगंबर मुहम्मद सल्लालाहू अलैहि वसल्लम की जीवनी के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है, साथ ही प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को एक साथ आने और एक साथ सीखने का अवसर भी प्राप्त होता है। जमात-ए-इस्लामी हिंद यूनिट नानपारा के प्रेसिडेंट मोहम्मद अजीम ने बताया कि यह प्रतियोगिता हर वर्ष आयोजित की जाती जिसमें पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जीवनी, उनकी शिक्षाएं और उनके जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों को शामिल किया जाता है। इस वर्ष इस प्रतियोगिता में लगभग 100 छात्राएं और लगभग 50 छात्रों ने प्रतिभाग किया है। प्रतियोगिता का रिजल्ट आगामी पर्व (ईद उल अजहा) बकरीद के अवकाश के बाद प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी के रूप में मन्नत मैरिज लॉन में आयोजित किया जायेगा जिसकी तिथि की जानकारी प्रतिभागियों को फोन के माध्यम से दे दी जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विशेष रूप से जमात-ए-इस्लामी हिंद यूनिट नानपारा से सईद अहमद खान, आबिद अली फखरुद्दीन खान, एस.आई.ओ. टीम से यूनिट प्रेसिडेंट अल्ताफ अहमद, मुक्तदिर रब्बी, नवाज अहमद, हारिश, मोहम्मद इकबाल, रकीब अहमद, लॉरेब इरशाद एवं यासिर अरफात, मिश नगमा, रेहान व मोहम्मद अरफात आदि का विशेष योगदान रहा। प

जंक्शन पर यात्रियों की प्यास बुझा रहे उद्योग व्यापार संगठन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा:रेलवे जंक्शन पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के द्वारा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को इस भीषण गर्मी में राहत देने के लिए निशुल्क जल व बिस्कुट की व्यवस्था की गई थी जिसमें ट्रेनों में या त्रियों को निशुल्क पानी व बिस्कुट का वितरण कि या गया जिसमें जनरल कोच में तथा अन्य यात्रियों को निशुल्क पानी व बिस्किट मिलने से यात्रियों को बहुत राहत मिली और सभी यात्रियों ने रेलवे की इ स सेवा का तथा व्यापार संगठन की इस व्यवस्था को बहुत ही धन्यवाद दिया इस मौके पर रेलवे के कर्मशियल डिपार्टमेंट के सभी कर्मचारी तथा प्लेट फॉर्म निरीक्षक के.एल.यादव मुख्य टिकट निरीक्षक आशा देवी मुख्य वाणिज्य अधीक्षक आर.एल.मी ना व अन्य रेलवे स्टाफ मौजूद रहे इस कार्यक्रम में व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष विशाल अग्रवाल नग र अध्यक्ष अर्चित अग्रवाल जिलापाध्यक्ष शिवनाथ रस्तोगी अभिलाष गुप्ता शेष चौरसिया अन्य सभी पदाधिकारी गण मौजूद होकर के यात्रियों क़ो नि शुल्कःजल पिलाने की सेवा करने का अवसर प्राप्त किया गया तथा व्यापार संगठन ने रेलवे के सभी अधिकारी व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ लुबना आब्दी द्वारा क्षेत्र के मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सलाह और दी गई दवाएं

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । नवाबगंज स्थित न्यू पायनियर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सलीम आब्दी, संचालक ताहा आब्दी के द्वारा दो दिन का निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाया गया जिसमें लखनऊ के एलाइड मेडिकल सेंटर की प्रसिद्ध डॉक्टर मिस लुबना आब्दी (बी.यू.एम.एस., एम.डी.) के द्वारा क्षेत्र के मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सलाह और दवाएं दी गई है और साथ ही लखनऊ के जाने माने बी.एम.सी हॉस्पिटल के डॉक्टर फैसल खान (बी.यू.एम.एस.), डॉ ए.के. भट्ट (जनरल फिजिशियन), डॉक्टर सिद्धार्थ सिंह (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉक्टर प्रशांत थांडी (कार्डियोलॉजी), डॉक्टर ज्ञानेंद्र शुक्ला (पलमोनरी मेडिसिन), डॉक्टर श्यामंथक श्रीवास्तव (न्यूरोसर्जरी), डॉक्टर गौरव भारद्वाज (गैस्ट्रो सर्जरी), डॉक्टर स्पर्श सिंह (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ संजय वर्मा (रेडियोलॉजिस्ट), डॉ नीति सिंह (गैनोलॉजी एंड ऑब्सट्रिक्स), डॉ नलिनी सिंह (ऑर्गन ट्रांसप्लांट), डॉ राजीव कुमार (यूरोलॉजी), डॉ अर्पित गुप्ता (न्यूरोलॉजी), डॉक्टर फिरोज अहमद (एम.बी.बी.एस. एम.सी.), डॉक्टर भारत शुक्ला (बी.डी.एस.) और डॉक्टर सौम्या निधि (डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी) आदि जाने माने डॉक्टर उपस्थित रहे। काफी धूप होने के बाद भारी संख्या में मरीज अपने इलाज के लिए कैंप पर उपस्थित रहे।

नवनियुक्त मांडलिक मंत्री का अध्यापक भवन पर किया गया स्वागत

गोरखपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । अध्यापक भवन में नवनिर्वाचित मांडलिक मंत्री श्री ज्ञानेंद्र कुमार ओझा का स्वागत समारोह आयोजित किया गया,जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री राजेश धर दूबे ने किया तथा संचालन जिला मंत्री श्री श्री धर मिश्र जी ने किया,संगठन के जिला पदाधिकारियों और सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री ज्ञानेंद्र कुमार ओझा जी ने कहा कि अब ये पद पाने के बाद मेरी संगठन में जिम्मेदारी और बढ़ गई है लेकिन इस चुनौती के क्षणों में मैं मंडल गोरखपुर के सभी जनपदों में संगठन के अलख को जगाता रहूंगा ,चाहे जो भी कीमत क्यों न उठानी पड़े ।मैं सदैव शिक्षकों के हित में सदैव काम करता रहूंगा ।स्वागत समारोह में सुधांशु मोहन, हरेंद्र राय, अनिल कुमार पाण्डेय,अजय सिंह, नरेन्द्र सिंह, जितेंद्र मिश्र, महेंद्र चतुर्वेदी, योगेश कुमार शुक्ला, सन्तोष कुमार तिवारी,महेश शुक्ला, अरविन्द चंद,अशोक योगी, राजेश पांडे, अरविन्द पाण्डेय सहित जिले के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

बाल संचालित शिक्षा के आत्म मूल्यांकन' विषयक कार्यशाला का हुआ आयोजन

गोरखपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । ब्लाक संसाधन केंद्र जंगल कौड़िया में डायट गोरखपुर एवं ब्लाकके संयुक्त तत्वावधान में सेवारत अध्यापक सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत उप शिक्षा निदेशक डायट प्राचार्य श्री अभिषेक पाण्डेय के निर्देशन में शिक्षक क्षमता संवर्धन हेतु बाल-संचालित शिक्षा के लिए आत्म-मूल्यांकन विषयक पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुवात व मुख्य अतिथि के रुप मे ब्लाक के खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री लवकुश, द्वारा किया गया। कार्यशाला में मुख्य सन्दर्भदाता के रुप मे श्री समज़र सिंह, सुभम पाण्डेय, अक्षय श्रीवास्तव, दीपक कुमार, (ब्लाक) ने पीपीटी व व्यवहारिक गतिविधि से कार्यशाला को रोचकता व विषयगत तथ्यों को बता कर कार्यशाला का क्रियान्वयन किया व कदम+ कार्यक्रम व उसके टूलकिट के बारे में बताया गया (अमित पटेल)। कार्यशाला के मध्य में ब्लाकद्वारा संचालित नवनिर्मित प्रोजेक्ट दिशा प्रोग्राम से आये हुए आलोक साहनी, मोनिका, स्वेता सिंह ने दिशा प्रोग्राम के बारे में महिला सशक्तिकरण के उत्थान में पक्ष को रखते हुए सभी को कार्यक्रम के बारे में बताया व खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री लवकुश कुमार जी ने कार्यशाला के महत्व को समझाते हुए सभी अध्यापको मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में आये जंगल कौड़िया के शिक्षक साथी शालिनी चौधरी, श्रेया सिंघाल, कौशर समीम, बबिता मौर्या व अन्य शिक्षक साथी अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुवे सक्रिय भागीदारी की कार्यशाला के समापन उपरांत सभी शिक्षकों को शिक्षक संवर्धन पुस्तिका प्रदान करते हुए (ब्लाक) टीमलीडर समजर सिंह द्वारा सभी को प्रमाण पत्र दिया गया। इस कार्यशाला के सफल क्रियान्वयन में टीम से अमित पटेल, अभिषेक कुमार की महती भूमिका रही।

सरकार की जुमलेबाजी से सदमे में हैं कर्मचारी पेंशनर शिक्षक : रूपेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की एक बैठक सोमवार को डिप्लोमा इंजीनियरिंग पीडब्ल्यूडी संघ भवन पर हुई। अध्यक्षता परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष इंजीनियर रामसमुझ ने किया। संचालन महामंत्री मदन मुरारी शुक्ला ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव कार्यवाहक अध्यक्ष रामसमुझ एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित श्याम नारायण शुक्ल ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार की जुमलेबाजी से कर्मचारी पेंशन शिक्षक सदमे में हैं। उन्होंने कहा कि पेंशन को लेकर बरसों से चली आ रही कर्मचारियों की मांग को केंद्र व प्रदेश सरकार नजरअंदाज कर रही है। मांग पुरानी पेंशन की परन्तु एनपीएस के बाद यूपीएस का लालीपाप।इतना ही नहीं कर्मचारियों का 18 महीने का एरियर सरकार ने भुगतान नहीं किया। वह भी कोरोना कल का है जब लोग सड़क पर नहीं निकलते थे मां बेटे से नहीं मिलती थी पिता पुत्र से नहीं मिलता था इन सब बंधनों को तोड़ते हुए कर्मचारी अपनी सेवाएं दिए, उसके बावजूद भी सरकार हम कर्मचारियों के साथ सिर्फ अन्याय कर रही है। 50 प्रतिशत डीए मूल वेतन में अब तक मर्ज हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सरकार कहती है कि वेतन समय से देंगे लेकिन अभी तक आठवे वेतन की कमेटी तक नहीं गठन की गई।

संरक्षक अशोक पाण्डेय,कार्य. अध्यक्ष राजेश सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्षों से सरकार से सहमति मांगे जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जानते हैं जैसे केंद्र की भांति सभी भत्ते, सभी विभागों में वेतन विसंगतियां, रिक्त पदों पर नियमित नियुक्तियां आदि पर भी कोई ठोस कार्रवाई न होने से सरकार के सारे आश्वासन ढाक के तीन पात साबित हो रहे हैं। जिससे पूरा कर्मचारी समाज आक्रोशित है। यह जानकारी मीडिया अनूप कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

बैठक में मुख्य रूप से गोविंद जी, राजेश मिश्रा, इजहार अली,फुलई पासवान, ओमकार नाथ राय, वरुण वैरागी, इंजिनियर अनिल किशोर पाण्डेय,यशवीर श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार, जामवंत पटेल, सुनील सिंह, रवीन्द्र कुंवर समेत दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

देवर्षि नारद आदर्श पत्रकारिता के सशक्त उदाहरण थे : भारत सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के सचिव भारत सिंह ने कहाकि महर्षि नारद की पत्रकारिता बहुत ही सकारात्मक और राष्ट्र व समाज हित में हुआ करती थी। आज हमें उनसे कार्यो से प्रेरणा लेकर कार्य करने की जरूरत है। देवर्षि नारद आदर्श पत्रकारिता के सशक्त उदाहरण थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित देवर्षि नारद जयंती पर पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्री सिंह ने कहाकि पाकिस्तान और भारत के युद्ध जैसी की स्थिति में आज देवर्षि नारद मुनि होते तो वह पाकिस्तान को समझाते और सकारात्मक भाव बनाते की दोनों के बीच स्थितियां ठीक हो जाती। आज हमारे पत्रकार साथी खबरों के लेकर खुद पार्टी बन जाते हैं। जिसकी वजह से आज पत्रकारिता दूषित हो गयी हैं। तमाम घटनाओं के लिए हम खुद दोषी हैं। पत्रकार बनना

आसान है पर बने रहना मुश्किल हैं। नारद जी से प्रेरणा लें काम करे। पत्रकार विषय विशेष पर फोकस करके काम करें नाम होगा। वेव, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया और अब ब्रेकिंग मीडिया आ गयी है।

अध्यक्षता कर रहे जिले के वरिष्ठ पत्रकार राज खन्ना ने कहाकि देवर्षि जी की बहुत व्याप्ति थी, असुरों तक पहुंच जाते थे।

उस समय की सर्वोच्च सत्ता उन्हें साधन दिया। सहूलियत देने वाले ने भी नारद जी के अप्रिय शब्दो को स्वीकार किया। देवर्षि ने सत्य से समझौता नही किया। महापुरुष को याद करते है तो उनके अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान को जोड़ते हैं। एक उदाहरण देकर उन्होंने कहाकि जूते के अंदर का कंकड़ ही पत्रकारों की चुनौतियां हैं। पत्रकारों का भरोसा पाठक ही ताकत है। अब उसका क्षरण हो गया है। हम अपने को चतुर्थस्तम्भ मान बैठे हैं, किंतु संविधान में कोई चौथा स्तम्भ नही है। इसका ध्यान रखकर अपनी सीमा तय करना चाहिए। श्री खन्ना ने अपनी इन पंक्तियों के साथ संबोधन पूर्ण किया -'बच के निकल सकते हो तो निकल जाओ। मैं आईना हूँ हमारी अपनी जिम्मेदारी हैं। कार्यक्रम में सह जिला संघचालक अजय गुप्ता, विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश, जिला कार्यवाह भानु प्रताप, सहजिला कार्यवाह शक्ति पाठक, जिला प्रचारक आशीष, जिला प्रचार प्रमुख नीरज तिवारी, विजय, संजय, रवीन्द्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे। अतिथियों व पत्रकारों का स्वागत सह नगर कार्यवाह अर्चित ने रोली टीका लगाकर किया। दीप प्रज्वलन मंत्र वाचन एवं शंखध्वनि नगर बौद्धिक प्रमुख तारेश्वर ने किया।

हिन्दू महासभा ने निकाला मशाल जुलूस उपस्थित रहे कई कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर भारतीय सेना द्वारा की जा रही निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के लिए हिन्दू महासभा ने प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा के नेतृत्व में भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का अभिनंदन करने एवं पाकिस्तान सीमा पर देश के लिए लड़ रहे भारत के सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए शनिवार देर रात शहर में मशाल जुलूस निकाला। जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।हिन्दू महासभा द्वारा निकाला गया मशाल जुलूस कोतवाली तिराहे से प्रारंभ होकर ड्रमंडगंज चौराहा,मुख्य बाजार, छीपियान चौराहा, लक्ष्मी टॉकीज,स्टेशन रोड, चावला चौराहा होते हुए गैस चौराहे पर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इस दौरान पूरे जोश के साथ सेना के सम्मान में हम भी हैं मैदान में,भारत माता की जय, जय हिन्द,वंदे मातरम,भारतीय सेना जिंदाबाद,हिंदुस्तान जिंदाबाद,पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। जुलूस की सुरक्षा के लिए भारी संख्या में पुलिस बल साथ में चल रहा था।इस दौरान हिन्दू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि पहलगाम में हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है। पाकिस्तान में आतंकियों एवं उनके सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में हम तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़े हैं।जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हिन्दू महासभा इस अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करती है। कि शासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करे।संरक्षक संजय पांडेय ने कहा कि इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करें।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा, जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा, संरक्षक संजय पांडेय, युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा, युवा जिला महामंत्री आयुष सक्सेना, नगर अध्यक्ष सुनील कश्यप, विपुल पांडेय, अर्जुन ठाकुर, राहुल देव, अरुण मिश्रा, शेखर शुक्ला, अतुल शर्मा, प्रेम सागर शर्मा, चेतन, नरेंद्र श्रीवास्तव, अजय सक्सेना, राजेंद्र, लवी सिंह, सनी कश्यप, हनी कश्यप, अमित कुमार, प्रमोद कश्यप, दीपक राजपूत, दीपक रस्तोगी, नरसिंह, हिरदेश कुमार, महिला महामंत्री कविता वंशवाल, स्वाति मिश्रा, पूजा गुप्ता,भगवंती देवी आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं।

मां की हर एक सीख मेरे जीवन का मार्गदर्शन : शिव सेना नेता शैली शर्मा

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। मां हमारे जीवन की सबसे पहली गुरु होती हैं। उनका स्थान भगवान से भी ऊपर होता है।वह हमें सिर्फ जन्म ही नहीं देतीं, बल्कि वह हमें संस्कार,प्रेम और आत्मविश्वास से भी भरती हैं। मां अपने बच्चों के लिए सब कुछ त्याग देती हैं और बच्चों की खुशी के लिए दिन-रात मेहनत करती हैं। शिव सेना नेता शैली शर्मा का कहना है। कि मां की हर एक सीख मेरे लिए जीवन का मार्गदर्शन है। माँ की ममता के लिए मैं सदैव आभारी हूं। मैं मां के द्वारा किए गए हर बलिदान, सिखाए गए हर पाठ और आपके द्वारा दिए गए हर आलिंगन के लिए अंतहीन आभारी हूँ। मां जीवन का श्रृंगार है। नन्हे जीवन का आधार है।पिता मेरे राजा मां मेरी रानी यही मेरी जीवन की कहानी है।

दुकान पर बैठे किशोर की बेहरमी से पिटाई पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपरिया जयभद्र के रहने वाले सुनील गिरी ने बताया कि उसका भांजा अनूप गिरी उस के पास रहता है। 10 मई को अनूप गिरी किराने की दुकान पर बैठा था। तभी गाव के रहने वाले गोलू पांडे से कुछ कहासुनी हो गई। इस बात से नाराज होकर गोलू पांडे, धर्मवीर, अजयपाल, निरंजन ने दस अज्ञात लोगों के साथ मिलाकर लाठी डंडे व धारदार हथियार से पिटाई कर सर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया और तंमचा लहराते हुए पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने मामले मे गोलू पांडे, धर्मवीर, अजयपाल, निरंजन सहित दस अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ बहनोइयों की मदद से कई बार किया दुष्कर्म पुलिस से की शिकायत मचा हड़कंप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती ने पुलिस को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा कि पड़ोस के रहने वाले रिस्तेदार युवक ने उसको प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोप है कि शादी का झांसा देकर सात साल से वह उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा है। आरोपी युवती को अपने बहनोइयों के घर घुमाने के बहाने ले जाकर उसको अपनी हवस का शिकार बनाया। इस दौरान आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली और पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी के दोनों बहनोई युवती को बात मानने में ही भलाई कहकर धमकाते है। जब इसकी जानकारी युवती के परिजनों को लगी तो वह युवक के घर पहुंचे और बात की। इस पर दोनों परिवार की शादी को लेकर सहमति बन गई और रिस्ता तय हो गया। रिस्ता तय होने के बाद युवक युवती को मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ संबंध बनाने का दबाव बनाया। इस पर युवती ने शादी की तारीख तय करने की बात कही। इस पर वह चिड गया उसने युवती के साथ मारपीट कर गालीगलौज की इस पर मोहल्ले व परिवार के लोग इकट्ठा हो गए। तभी युवक ने शादी से इंकार करते धमकी दी कि अगर पुलिस में शिकायत की या फिर शादी करने का दबाव बनाया तेरे अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। पीड़िता ने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर मामले में पुलिस से शिकायतकर कार्रवाई की मांग की है।

ससुर ने बहू के साथ की छेड़छाड़ मुकदमा दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने बताया कि उसकी शादी डेढ बर्ष पूर्व हुई थी। उसके परिजनों ने शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। कम दहेज को लेकर पति,सास, ससुर, जेठ और जेठानी मारपीट कर प्रताडित करते है और ससुर महिला पर गंदी नजर रखता था। आठ माह पूर्व महिला ने एक पुत्री को जन्म दिया इस बात से नाराज होकर उक्त लोगों ने पुत्री को जन्म देने को लेकर प्रताडित कर घर से निकाल दिया था। पीड़िता की शिकायत पर महिला परामर्श केन्द्र में मामला चल रहा था। 30 अप्रैल 2025 को दोनों पक्ष का समझौता होने के बाद महिला अपने पति के साथ घर चली गई। आरोप है कि पीड़िता 6 मई को नहाने के लिए कमरे से कपड़ें लेने पहुंची इस पर उसका ससुर उसके कमरे में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने का दबाव बनाने लगा। महिला के विरोध करने पर ससुर देख लेने की धमकी देकर चल गया। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने पति को दी। आरोप है कि पति भी अपने परिजनों का पाठ भरते हुए उसकी पिटाई कर मोबाइल व अन्य सामान छीनकर उसको घर से निकाल दिया। पीड़िता अपने मायके पहुंची और मामले की शिकायत अपने परिजनों से की परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर शुक्रवार को पुलिस से शिकायत की थी। कार्रवाई न होने पर पीड़िता अचानक शनिवार दो बजे कोतवाली पहुंची इस दौरान पुलिस अधीक्षक को देख पीड़ित ने शिकायत की इस पर एसपी ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। रविवार 11 बजे पुलिस ने पति सहित पाँच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

युवती को युवक साथियों की मदद से लेकर हुआ फरार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने बताया कि उसके गांव में पानी की टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है। उसी टंकी में काम कर रहा युवक विशाल यादव निवासी दशीपुर तहसील आँवला जिला बरेली अपने साथी पंकज सिंह, अनिल व ठेकेदार राहुल और रामदेव की मदद से आठ मई शाम 6 बजे बहला फुसलाकर भगा ले गया। युवती घर में रखे रुपये व जेवर भी अपने साथ ले गई। काफी खोजबीन के बाद भी कौई सुराग नहीं लग सका। रविवार 11 बजे पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है।

मोबाइल चार्जिंग को लेकर भाई ने सगे भाई को मौत के घाट उतारा

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना संग्रामपुर क्षेत्र के गांव खौपुर में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है यहां पर मोबाइल चार्जिंग को लेकर भाई ने अपने सगे भाई को मौत के घाट उतार दिया है। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव खौपुर में शनिराम उम्र पैंतीस वर्ष व उनके सगे भाई मनीराम के बीच मामूली विवाद ने खौफनाक मोड ले लिया है और यहां पर रिश्तों का कत्ल करते हुये एक युवक ने अपने सगे भाई को मौत के घाट उतार दिया है। बताया जाता है कि दोनों भाइयों के बीच मोबाइल चार्जिंग को लेकर शुरू हुआ विवाद मौत का कारण बन गया।मनीराम ने घर में रखे औजार से शनिराम के सर पर वार कर दिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलावस्था में युवक को सीएचसी पहुंचाया लेकिन हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों द्वारा उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है जहां पर इलाज के दौरान शनिराम की मौत हो गई है।मृतक की पत्नी संगीता अपने चार बच्चों संजनी, अमित, विकास और दो वर्षीय छोटू के साथ मायके से लौटीं तो पति का शव देखकर उसका रो रोकर बुरा हाल है।

बढ़ते तापमान को देखते हुए लगवाए गये पक्षियों के जल-पात्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। कटका क्लब ने बढ़ते तापमान को देखते हुए कटका बाजार के आस पास के बाजारों में लगवाए लगभग दर्जनों पक्षी जल पात्र। इस मौके पर उपस्थित संस्था अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि बढते तापमान और पानी की कमी के चलते आए दिन पक्षियों की अकाल मौतें हो रही हैं। गांव व क्षेत्रों के आमजनमानस में पशु-पक्षियों के प्रति अपने कर्तव्य के बोध को लेकर जागरूकता बढ़ाए क्योंकि इंसान के रूप में हम अपने लिए सारे प्रबंध कर ही लिया करते हैं, सहज न सही तो लड़-झगड़ कर भी। लेकिन बेजुबान पशु-पक्षी कहाँ जाएँ, वे तो हमारे ही भरोसे हैं। इस मौके पर उपस्थित संस्था के आई टी सेल प्रभारी मोनू यादव ने बताया कि हम शीतल जल और दूसरे कई किस्मों के ठण्डे पेय-शरबत, कुल्फी और आईसक्रीम से गले तर कर रहे हैं, लेकिन हमें अपने आस-पास रहने

वाले पशु-पक्षियों की कितनी चिंता है। यह सब निर्भर करता है हमारी संवेदनशीलता पर। हालांकि अब हममें जिस तत्व की कमी है वह संवेदनशीलता ही है, जो न कहीं मोल मिलती है, न किसी से छीनी जा सकती है। यह आत्मा की बात है, मन होना चाहिए औरों के लिए जीने का। इस अभियान में रामरती इंटर मीडिएट कॉलेज के प्रबंधक भूपेंद्र नाथ वर्मा ने आर्थिक सहयोग दिया है। इस मौके पर शिव कुमार मिश्र, मुकेश मिश्रा, प्रवीण तिवारी, राजेश शर्मा, गया दुबे, राजेश मोदनवाल, आदि लोग सहयोग किया।

बिटिया वेदिका ने बढ़ाया जिले का मान, सीएम ने किया सम्मानित

सुलतानपुर। देवलपुर, कुड़वार सुल्तानपुरकी मूल निवासी वेदिका वत्स ने इंटरमीडिएट वाणिज्य वर्ग में 99.75ङ्ख अंक प्राप्त कर देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

वेदिका वत्स की शैक्षणिक प्रतिभा पहले भी उजागर हो चुकी है। हाई स्कूल की परीक्षा में भी उन्होंने 98.6ङ्ख अंक अर्जित किए थे। वेदिका की इस सफलता ने न सिर्फ उनके परिवार का, बल्कि जिले और प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। वेदिका के पिता डॉ. वी. के. सिंह लखनऊ उच्च न्यायालय में उत्तर प्रदेश सरकार के शासकीय अधिवक्ता हैं, जबकि उनकी माता मनीषा सिंह भी उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। परिवार मूल रूप से सुल्तानपुर जनपद के देवलपुर, कुड़वार से संबंध रखते हैं। इस उल्लेखनीय सफलता पर रामबरन पीजी कॉलेज विभारपुर के प्रबंधक अजय कुमार सिंह, अभय आईटीआई के प्राचार्य अशोक पांडे, रामराज वर्मा पीजी कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सौरभ वर्मा, एलेना पीजी कॉलेज के प्रशासक नीरज सिंह, ज्वाला प्रसाद महाविद्यालय के प्रबंधक अनाड़ी प्रताप सिंह, तथा कमला प्रसाद महाविद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार सिंह ने वेदिका को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्रीमद भागवत कथा से पूर्व गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,विकास क्षेत्र जामो के गांव लालपुर में श्रीमद भागवत कथा प्रारम्भ होने से पूर्व रविवार को गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें काफी संख्या में भक्तगण शामिल हुये और भक्तिमय गीतों पर भक्तों ने धमाल मचाया।अंतराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज के मुखारविंद से सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा से पूर्व कथा स्थल से निकली कलश यात्रा मुराइन पुरवा, जनापुर होते हुये बाबा झामदास की तपोस्थली स्थित सगरा से कलश में जलभरी कर गोपालपुर होकर निकली और वापस कथा पण्डाल लालपुर पहुंची।कलश यात्रा का नेतृत्व आचार्य शान्तनु जी महराज कर रहे थे। कलश यात्रा में जिला पंचायत सदस्य सुशांत तिवारी, सुभाष तिवारी प्रधान, पूर्व ब्लाक प्रमुख अनिल कुमार सिंह,बिजय पासी, मनीष पाठक,हरि प्रसाद सिंह, दिनेश

प्रताप सिंह,राधेश्याम तिवारी,सुशील तिवारी, बिनोद दुबे, कुलदीप सिंह,अमित सिंह,रामशरन सिंह, बाबा झामदास कुटी की मुख्य सेवादार महंत कुसुम सिंह, नरेंद्र बहादुर सिंह, अमरेश सिंह, बृजेश सिंह के साथ ही कथा के मुख्य यजमान उमानाथ सिंह व राजकुमारी सिंह सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। श्रीमद भागवत कथा के आयोजक पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य विजय विक्रम सिंह ने बताया कि कथा नियमित सायं पांच बजे से आठ बजे तक होगी।

रेलवे द्वारा ध्वस्त किये धार्मिक स्थल का निर्माण कार्य शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।कुछ दिन पूर्व दुधिया खुर्द स्टेशन के नजदीक कई वर्षों पुराना सतभैया महाराज के मन्दिर की यज्ञशाला को रेलवे द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था जिसमें हिंदूवादी नेताओं ने चेतवानी दी थी। कि अगर 10 मई तक रेलवे निर्माण नहीं कराती है। तो उसका निर्माण 11 मई को हम खुद करेंगे जिसका निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैं।जिसमें राष्ट्रीय बजरंग दल ,अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, भारतीय बजरंग दल,भाजपा के सभी कार्यकर्ता एवं ग्राम धर्मापुर मुजफ्फरनगर दूधिया खुर्द के निवासी, संत जन एवं सभी भक्त मौजूद रहे संतों ने बुनियाद का पूजन करके निर्माण प्रारंभ करवाया एवं रामायण अखंड पाठ के साथ निर्माण कार्य 10 दिन में पूर्ण हो जाएगा उसके बाद यज्ञशाला में पूजन एवं यज्ञ प्रारंभ होंगे सहयोग करने वाले व सेवा करने वालों मे मुख्य रूप से राष्ट्रीय बजरंग दल से शिवम

सिंह भादौरिया,संजय मिश्रा, भाजपा नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान,अम्बर मिश्रा,मानस शुक्ला,बाबा राघवदास,विधायक पुत्र ऋतुराज पासवान,मानवेंद्र सिंह ,वीधीओम सिंह,विजय सिंह कपिल गुप्ता, शिवम श्रीवास्तव ,सुनील गुप्ता, धनंजय मिश्रा ,शिवा पांडे,विजय सिंह, अभी राणा, प्रिंस ,अनुज ,त्रिभुवन शर्मा सुमित गुप्ता, संतोष गुप्ता, रंजीत गुप्ता, तरुण शर्मा, खुशीराम वर्मा ,मुकेश श्रीवास्तव,संजीव भारती ,अनंत गुप्ता ,सुभाष गुप्ता , मुकेश गुप्ता ,अमिताभ मिश्रा , शिव सिंह ,वीरेंद्र सिंह भदोरिया ,तीर्थराज सिंह, राहुल अवस्थी ,अभिषेक मिश्रा ,अमित सिंह,विपिन सिंह सहित बहुत से लोग मौजूद रहे हैं।

मातृ दिवस पर गोमती मित्रों ने श्रमदान कर जताया प्यार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। इसे संयोग कहें या मां गोमती की कृपा मातृ दिवस का विशेष दिवस रविवार के दिन पड़ने के कारण गोमती मित्रों को साप्ताहिक श्रमदान का दिन होने के नाते स्वतः ही मां गोमती की सेवा और उनका दर्शन प्राप्त हुआ। सभी गोमती मित्र प्रातः 6:00 बजे ही सीता कुंड धाम पहुंच गए थे और अपने-अपने कार्य में मतलब जिसको झाड़ू लगानी थी, जिसको कूड़ा उठाना था,जिसको कुंड साफ करना था, जिसको मां गोमती के तट पर सफाई करनी थी जुट गये। तेज धूप और गर्मी भी गोमती मित्रों के उत्साह और संकल्प के रास्ते में बाधा नहीं बन पा रही थी। 3 घंटे की अथक मेहनत के बाद पूरा परिसर साफ सुथरा हुआ उसके बाद अगले माह के पहले रविवार को किस पार्क में श्रमदान किया जाए गोमती

मित्रों ने इसकी चर्चा की,शाम को होने वाली विशेष आरती की भी तैयारी की गई, आरती संयोजक दिनकर सिंह व सह संयोजक राकेश सिंह दद्दू ने नगर वासियों से काशी की तर्ज पर होने वाली मां गोमती की आरती में उपस्थित रहने का निवेदन किया.श्रमदान में संरक्षक रतन कसौधन,प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी, मुन्ना सोनी, सुजीत कसौधन, मुन्ना पाठक, अजय वर्मा, अजय प्रताप सिंह, मुन्ना पाठक, राकेश सिंह दद्दू, अभय सोनी, दिनकर प्रताप सिंह, राजेंद्र शर्मा, अभय मिश्रा, सुधीर सोनी, विपिन सोनी, राकेश मिश्रा, लकी, राज, प्रांजल, योगेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

अग्निकाण्ड में ई रिक्शा समेत सामग्री जलकर हुई राख

तिलोई अमेठी । थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव भगवंत नगर मजरे खारा में शनिवार को एक घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे घर में रखी खाद्य सामग्री एवं गृहस्थी के साथ ही एक ई रिक्शा भी जलकर राख हो गया।आग बुझाने के चक्कर में एक युवक भी झुलस गया है। थाना क्षेत्र के गांव भगवंतनगर मजरे खारा निवासी छीटू पुत्र ब्रजलाल ने बताया कि मेरे कच्चे मकान में अज्ञात कारण से आग लग गई।घर में लगी आग को देखकर जब परिवार वालों ने आवाज लगाई तो ग्रामीण आग बुझाने में जुट गये।अग्नि काण्ड की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी व ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक घर में रखी दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ ही अन्य तमाम सामग्री जलकर राख हो गई। इस अग्नि काण्ड में घर के बाहर खड़ा परिवार का पोषण करने वाले एकमात्र जरिया ई रिक्शा भी जलकर राख हो गया।

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया। मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए और फिर कार्रवाई की। यही वजह है कि दुनिया के तमाम देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आए। अब भारत ने महज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाना बंद कर दिया है। निश्चय ही यह रणनीति मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ाने के बजाय अमेरिका व इस्राइल की तर्ज पर घर में घुसकर मारने की रणनीति है। बहरहाल, भारत ने दुनिया को बता दिया कि पाक अपनी जमीन पर आतंकियों को प्रशिक्षण व समर्थन तो देता है लेकिन उनके विरुद्ध कार्रवाई से बचता है। वहीं दूसरी ओर भारत ने परंपरागत युद्ध शैली से हटकर नई तकनीकों का भरपूर उपयोग किया। भारतीय रक्षा कवच एस-400 यानी सुदर्शन चक्र आदि का पाक हमलों को विफल करना नवीनतम तकनीकों का ही प्रतिफल है।

स्त्री की संपूर्णता का एक ही नाम मां

डॉ ध्वनि सिंह

प्रकृति से मिला मां बनने का उपहार औरत के लिए सब से बेहतरीन उपहार है। वह इस के हर पल का न सिर्फ आनंद उठाती है वरन उसे इस खूबसूरत एहसास को अनुभूत करने का गर्व भी होता है. मातृत्व का प्रत्येक पहलू औरत को पूर्णता व आश्चर्यजनक अनुभव से भर देता है। मां बनते ही अचानक वह उस शिशु के साथ सोने जागने, बात करने व सांस लेने लगती है। मां बनना एक ऐसा भावनात्मक अनुभव है जिसे किसी भी औरत के लिए शब्दों में व्यक्त करना असंभव होता है। यह मां ही तो होती है जिस का अपने बच्चे के साथ जुड़ाव न सिर्फ शारीरिक व मानसिक होता है वरन अलौकिक भी होता है।

11 मई मदर्स डे को लेकर सभी के अपने विचार होते हैं, मां की महानता को लेकर लोग कई शेरो शायरी तक लिख डालते है लेकिन मां को समझने के लिए मां बनना हर स्त्री के लिए जरुरी है। जब तक स्त्री मां नहीं बनती तब तक उसे इस मां शब्द से परिचित होने का अवसर नहीं मिलता। मां को समझने के लिए मां बनना जरुरी है। मां हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और प्यारी व्यक्ति होती हैं। उनका प्यार, बलिदान और देखभाल हमें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। ऐसे में मदर्स डे एक ऐसा दिन है जब हम अपनी मां के प्रति अपना आभार और प्यार व्यक्त कर सकते हैं। मां एक शब्द नहीं एक जीवन है,जो जीवन को मीठा करती मधुबन है,मां जीवन के अभावों को ढकती एक प्रयास है,मां हर हाल में जीवन जीने की आस है,मां सारे दुखों कों हर लेगी ऐसा विश्वास है,मां जीवंत, जागृत, साक्षात भगवान है,सारी गलतियों को झट से क्षमा करती इतनी महान है,हे ईश्वर सबको मां का प्यार मिलें,कोई न हो ऐसा जिसको न इसका दुलार मिलें,वहां कभी दुःख नहीं आता जिसे मां का आशीर्वाद मिले। मां बनना इस दुनिया का सबसे बड़ा सुख है और इस के बाद हर महिला की जिंदगी बहुत बदल जाती है। अब पहले की तरह उनके पास खुद पर ध्यान देने के लिए भरपूर समय नहीं होता है और अब उनकी पहली प्रायोरिटी भी बच्चा होता है। मां के बाद एक औरत की जिंदगी में कई बड़े बदलाव आते हैं और ऐसी कई चीजें होती हैं जो महिलाओं को अपने बारे में ही मां बनने के बाद पता चलती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो मां बनने के बाद एक औरत की जिंदगी में बदल जाती हैं।जब तक आप मां नहीं बनतीं, तब तक आपको अपने अंदर छिपी ताकत और हिम्मत का भी पता नहीं चलता है। प्रेग्नेंसी के नौ महीने और डिलीवरी का दर्द सहने के बाद आपको ये एहसास होता है कि आपमें कितनी शक्ति है। वहीं प्रेग्नेंसी में आपको बहुत कुछ सहना पड़ता है और प्रसव पीड़ा का दर्द तो जैसे मन को तोड़ देता है लेकिन शिशु को गोद में लेने के बाद ये सारा दर्द आपका छूमंतर हो जाता है और आपको लगता है कि आपको अपनी सारी मेहनत का फल मिल गया है। बच्चे के आने के बाद आपका पूरा टाइम टेबल बिगड़ जाता है। जहां पहले आप अलार्म की आवाज से उठती थीं, वहीं अब आपको अपने बच्चे के रोने की आवाज आने पर उठना होगा। वहीं अब सोने, जागने, खाने का शेड्यूल भी बच्चे के रूटीन से होगा। मां बनने के बाद ये एक बहुत बड़ा बदलाव जिंदगी में आता है। मां बनने से पहले शायद ही कोई ऐसा इंसान हो, जिसे आप खुद से ज्यादा प्यार करती हों या जिसकी तकलीफ आपके दिल को चीर कर रख देती हो। बच्चे को छोटी-सी भी तकलीफ होती है, तो मां को उससे ज्यादा दर्द महसूस होता है। अब आपके लिए वीकएंड के नाम पर कुछ नहीं बचेगा।जब आप खुद पेरेंट बनते हैं और अपने बच्चे की परवरिश के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, तब आपको एहसास होता है कि आपके पैरेंट्स ने आपके लिए कितना कुछ किया है। मां बनने के बाद आप खुद अपनी मां और पिता का पहले से ज्यादा सम्मान करने लगती हैं। ये एक बड़ा बदलाव होता है जो आपकी जिंदगी ही नहीं बल्कि रिश्तों के भी मायने बदल देता है। पहले जो बातें आपको एंटरटेन करती थीं और आपको पसंद आती थीं, अब वहीं बातें आपको बोर लगती हैं। अब आपकी दुनिया बस आपके बच्चे के ईर्द-गिर्द घूमती हैं। अब आप अपनी सहेलियों से भी अपने बच्चे के बारे में बात करती हैं और उनसे सलाह-मशविरा करती हैं। इसके साथ ही आपको अपने शरीर के प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है। हमारा शरीर ही होता है जो बहुत कुछ सह कर हमें बच्चे का सुख देता है। यही वजह है कि स्त्री कितनी भी बुलंदियों तक पहुंच जाए मगर बिना मां बने सबकुछ अधूरा लगता है उसे औरत की महत्वाकांक्षा ने जब उड़ान भरी तो उस ने अपने हर सपने को सच करने की काबिलीयत दुनिया को दिखा कर यह साबित कर दिया कि वह भी योग्यता में पुरुषों से कम नहीं है। कैरियर के प्रति वह इतनी सचेत हो गई कि सफलता की सीढ़ियां चढ़ते- चढ़ते उस मुकाम पर पहुंच गई जहां परिवार को समय दे पाना उस के लिए कठिन होने लगा। आधुनिक जीवनशैली की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए चूंकि औरत का काम करना अनिवार्य हो गया इसलिए पुरुष भी उसे सहयोग देने के लिए आगे आया और 'डबल इनकम, नो किड्स' की धारणा जोर पकड़ने लगी। अपने निजत्व की चाह व भौतिक सुखसाधनों में जुटी औरत चाहे कितनी ही आगे क्यों न निकल जाए पर कभीकभी उसे यह एहसास अवश्य होने लगता है कि मातृत्व सुख से बढ़ कर न तो कोई सुखद अनुभूति होती है, न ही सफलता. यही वजह है कि आरंभ में कैरियर के कारण मां बनने की खुशी से वंचित रहने वाली औरतें भी आज 30-35 वर्ष की आयु पार कर के भी गर्भधारण करने को तैयार हो जाती हैं। देर से ही सही, किंतु ज्यादा उम्र हो जाने के बावजूद वे प्रेगनेंसी में होने वाली दिक्कतों का सहर्ष सामना करने को तैयार हो जाती हैं। उस समय न तो कैरियर की बुलंदियां उन्हें रोक पाती हैं, न ही कोई और चाह। प्रकृति से मिला मां बनने का उपहार औरत के लिए सब से बेहतरीन उपहार है। वह इस के हर पल का न सिर्फ आनंद उठाती है वरन उसे इस खूबसूरत एहसास को अनुभूत करने का गर्व भी होता है. मातृत्व का प्रत्येक पहलू औरत को पूर्णता व आश्चर्यजनक अनुभव से भर देता है। मां बनते ही अचानक वह उस शिशु के साथ सोने जागने, बात करने व सांस लेने लगती है। मां बनना एक ऐसा भावनात्मक अनुभव है जिसे किसी भी औरत के लिए शब्दों में व्यक्त करना असंभव होता है। यह मां ही तो होती है जिस का अपने बच्चे के साथ जुड़ाव न सिर्फ शारीरिक व मानसिक होता है वरन अलौकिक भी होता है। बच्चे के जन्म के साथ उसे जो खुशी मिलती है, वह उसे बड़ी से बड़ी कामयाबी हासिल कर के भी नहीं मिल पाती है। औरत की जिंदगी बच्चे के जन्म के साथ ही पूरी तरह बदल जाती है। जब अपने ही शरीर का एक अंश गोद में आ कर अपने नन्हे - नन्हे हाथों से अपनी मां को छूता है और जब मां उस फूल से कोमल जादुई करिश्मे को अपने सीने से लगाती है तो उसे महसूस होता है कि उसे जिंदगी की वह हर खुशी मिल गई है जिस की उस ने कभी कल्पना भी न की थी। शिशु का जन्म जीवन में होने वाली ऐसी जादुई वास्तविकता है, जो औरत की जिंदगी की प्राथमिकताएं, सोच व सपनों को ही बदल देती है। एक शिशु को जन्म देने के बाद औरत की दुनिया उस पर ही आ कर सिमट जाती है. वजह है उन दोनों के बीच का अटूट रिश्ता।मां बनना अगर एक नैसर्गिक प्रक्रिया है तो एक सुखद एहसास भी है. यह कुदरत की एक बहुत ही अनोखी प्रक्रिया है, जिस में सहयोग तो स्त्रीपुरुष दोनों का होता है, पर प्रसवपीड़ा और जन्म देने का सुख सिर्फ औरत के ही हिस्से में आता है. जब एक औरत अपने रक्तमांस से सींच कर, अपनी कोख में एक अंश को 9 महीने रख कर उसे जन्म देती है तो उस के लिए यह सब से गर्व की बात होती है, उस की सब से बड़ी उपलब्धि होती है। शिशु की किलकारी, मुसकराहट व खिले हुए मासूम चेहरे को देख कर वह प्रसवपीड़ा को किसी बीती रात के सपने की तरह भूल जाती है। उसे सीने से लगा कर जब वह दूध पिलाती है तो गर्भधारण करने से ले कर जन्म के बीच तक झेली गई तमाम शारीरिक व मानसिक पीड़ाएं कहीं लुप्त हो जाती हैं। कहा जाता है कि शिशु जन्म के समय एक तरह से औरत का दोबारा जन्म ही होता है, लेकिन शिशु के गोद में आते ही वह अपनी तकलीफ भूल कर उस के पालनपोषण में जीजान से जुट जाती है। औरत चाहे शिक्षित हो या अशिक्षित, गरीब हो या अमीर, किसी बहुत ही उच्च पद पर आसीन हो या आम गृहिणी, मां बनने के सुख से वंचित नहीं रहना चाहती है और इसीलिए परिस्थिति चाहे जैसी हो, वह इस अनुभूति को महसूस करना ही चाहती है। यही एकमात्र ऐसी भावना है, जो एक तरफ तो औरत को बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत देती है तो दूसरी ओर इस के लिए वह अपनी बड़ी से बड़ी खुशी या चाह को भी दांव पर लगा सकती है। ऐसा न होता तो कैरियर के उच्च मुकाम पर पहुंची औरतें मां बनने के बाद सब कुछ छोड़ सिर्फ मां ही की भूमिका नहीं निभा रही होतीं। औरत के लिए अपने बच्चे से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं होता। इसलिए वह अपनी महत्वाकांक्षाओं को भी मां बनते ही सीमित कर देती है, क्योंकि उस की नजरों में मां बनना ही सर्वोत्तम उपलब्धि है। आज की औरत, जिस की महत्वाकांक्षाएं अनंत हैं, जो हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी है, जो कामयाबी के शिखर छू रही है, जिस की उपलब्धियां जाने कितने रूपों में देखने को मिलती हैं, वह मां बनते ही जिस ललक से भर जाती है, जिस तरह की संतुष्टि उसे होती है, वह बाकी चीजों को गौण बना देती है। मां बनने की उपलब्धि के आगे बाकी सारी चीजें उस के सामने फीकी पड़ जाती हैं। उसे एहसास होता है कि जो खुशी बच्चे की एक मुसकराहट देखने से मिल सकती है, वह किसी भी तरह के भौतिक सुख से नहीं प्राप्त हो सकती है। वह तनावमुक्त हो उस की छोटीछोटी हरकतों में खो जाती है। शिशु की आंखों में झांकते हुए उस के अंदर ऊर्जा का संचार होता है और संपूर्ण स्त्री होने की गरिमा उसे आंतरिक शक्ति प्रदान करती है। फिर रातों को जागना बोझ नहीं लगता. अपने लिए वक्त न निकाल पाना चुभता नहीं।ऐंजेलिना जोली हो या ज्यूड ला या फिर अभिनेत्री गेनेथ पेलट्रा, जिन्हें आस्कर पाने पर भी उतनी खुशी नहीं हुई जितनी कि अपनी बेटी के पैदा होने पर। इस समय उन की प्राथमिकता उन का कैरियर नहीं, बल्कि उन की बेटी है, जिस के कारण वे अभी फिल्मों में काम नहीं कर रही हैं। ऐंजेलिना जोली का अपने बच्चे होने पर अनाथ बच्चों को गोद लेना भी किसी से छिपा नहीं है। 6 बच्चों के साथ खुश ऐंजेलिना का मानना है कि अब उन के अंदर सफल होने या नाम कमाने की वैसी इच्छा नहीं है जैसी कि पहले हुआ करती थी। उन्हें मां बनने के सुख ने न सिर्फ एक बेहतर इनसान बनने का मौका दिया है, बल्कि एक ऐसा स्वार्थी इनसान भी बना दिया है, जो सिर्फ अपने बच्चों के बारे में सोचना चाहता है। अभिनेत्री सुष्मिता सेन पिछले दिनों दूसरी बेटी को गोद लेने के कारण चर्चा में आई थीं। उन का कहना था कि वे एक और बेटी को गोद ले कर अपने परिवार को पूर्ण करना चाहती हैं। जया बच्चन ने अपने बच्चों की खातिर उस समय अपने कैरियर को अलविदा कहा था जब वे बुलंदियों को छू रही थीं। ऐसी अनेक प्रोफ़ेशनल महिलाएं हैं, जिन्होंने बच्चों की खातिर या तो अपने कैरियर से समझौता कर लिया या फिर वे घर से काम कर रही हैं। उन्हें लगता था कि नौकरी करते हुए वे बच्चों पर ठीक से ध्यान नहीं दे पा रही थीं। ऐसा वे सिर्फ इसीलिए कर पाईं, क्योंकि मां बन कर उन्हें जो पहचान मिली उस के सामने बाकी पहचान या तरक्की उन्हें छोटी लगने लगी थी। आखिरी में मां के लिए चंद पंक्तियां कहना चाहूंगी '' मां से ऑनलाइन नहीं ऑफलाइन प्यार कीजिए, और सिर्फ किसी एक या खास दिन नहीं हर दिन किया कीजिए।''

(लेखक एसआरएमयू जनसंचार विभाग में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं।)

अब अंदरूनी लड़ाई में फंसा पाकिस्तान

डॉ. प्रभात ओझा

भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से शुरू सीजफायर दुनिया में तनाव कम होने की तरह देखा जायेगा। इसके विपरीत खुद पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। इसे उसी रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के देश के नाम संबोधन से समझा जा सकता है। शहबाज ने अमेरिका, चीन, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देशों को सहयोग अथवा सीजफायर में मदद के लिए शुक्रिया कहा। गौर करने लायक है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने जनरल मुनीर के लिए भी ऐसा ही शुक्रिया करने के साथ एक कटु बात भी जोड़ दी। वह कठोर तथ्य यह है कि शहबाज ने परोक्ष रूप से मान लिया कि भारत के हमलों से पाकिस्तान को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा है। सही मायनों में अब इस नुकसान की जिम्मेदारी तय करने का समय शुरू हो गया है। पीएम शहबाज के कई देशों और अपने सहयोगियों के लगातार धन्यवाद करते जाने के बीच दुनियाभर के कूटनीतिक विशेषज्ञ सांस रोके भाषण खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। उन्हें थोड़ी देर के लिए शायद यह लगा कि शहबाज अपनी कुर्सी छोड़ने जा रहे हैं। लगा कि सीजफायर होते ही शहबाज को विदा करने की योजना बन चुकी है। ऐसा नहीं हुआ। उसके बाद अब शहबाज शरीफ की चाल की चर्चा शुरू हो गयी है। पाकिस्तानी हुक्मरान ही नहीं,आम लोगों को भी पता है कि भारत-पाक के मध्य हर युद्ध अथवा संघर्ष में पाकिस्तान की बदहाली के लिए किसी के सिर ठीकरा फोड़ने की परंपरा रही है। आमतौर पर इसमें राजनेताओं के बजाय सैन्य अधिकारी हावी होते रहे हैं। फिलहाल स्थिति अलग लग रही है। शहबाज ने संघर्ष में भारत की मजबूती और पाकिस्तान की बर्बादी का जिक्र कर फिलहाल इसकी जिम्मेदारी सेना पर डालने की कोशिश की है। ऐसे में सेना और सरकार के बीच अघोषित संघर्ष शुरू हो चुका है। इस तरह का ताजा मामला वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध का है,तब भी कुछ ऐसा ही हुआ था। कहते हैं कि जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को विश्वास में लिए बिना कारगिल,द्रास और बटालिक की चोटियों पर कारवाई शुरू कर दी थी। जब इन जगहों पर पाकिस्तानी सेना हार गई तो जनरल मुशर्रफ ने पीएम नवाज को आगे कर दिया। बाद में तख्तापलट की कहानी लंबी हो जायेगी। पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री को इसका अंदाजा है। तभी उन्होंने जिम्मेदारी के लिए जनरल मुनीर को आगे करने की कोशिश की है। ऐसा करना उन्हें इसलिए भी जरूरी लगा कि सीजफायर तो पड़ाव भर है। अभी भारत की ओर से सिंधु का पानी रोकना,दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते फिर से कायम करने के साथ भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापारिक रिश्ते बहाल करने जैसे बड़े काम बाकी हैं। स्वाभाविक रूप से इसके लिए पाकिस्तानी राजनेताओं को ही आगे आना होगा। भारत का लोकतांत्रिक नेतृत्व भी सैन्य शासक की जगह पाकिस्तानी राजनेताओं को ही प्राथमिकता देगा। पाकिस्तान स्वयं इस हार के दंश से किस तरह बाहर निकलेगा,यह समझने के लिए कुछ समय लगेगा। फिलहाल,पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर पर आम पाकिस्तानियों का गुस्सा फूटने लगा है। पाकिस्तान के बुद्धिजीवी खुलेआम पाकिस्तान आर्मी चीफ के अप्रैल में दिए बयान को याद कर रहे हैं। जनरल मुनीर ने अपने उस बयान में हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे से अलग बताया था। पाकिस्तानी प्रोफ़ेसर डॉ.इश्तियाक अहमद ने कहा है कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल बाजवा के कार्यकाल में पाकिस्तान में शांति रही। आसिम मुनीर ने इस बात की चिंता नहीं कि मुसलमानों की एक तिहाई आबादी भारत में ही रहती है। मुनीर ने इस भावना को भड़काया कि हिंदुओं और मुसलमानों में कुछ भी एक जैसा नहीं है। बहरहाल,प्रो. इश्तियाक का बयान एक उदाहरण भर है। यह आगाज है,अंजाम क्या होगा,इसे जानने के लिए इंतजार तो करना ही पड़ेगा।

सेहत मंत्र

बॉडी को टोन करने में मदद करता है उत्कटासन

वेटलॉस करना तो आसान है लेकिन शरीर का वजन कम होने के बाद शरीर में एक ढीलापन आ जाता है। ऐसे में बॉडी को टोन करने की जरूरत पड़ती है। अगर आप वजन कम करने के साथ?साथ बॉडी को टोन करना चाहते हैं तो आपको उत्कटासन का अभ्यास करना चाहिए। उत्कटासन को चेयर पोज भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें आपकी बॉडी एक कुर्सी की भांति नजर आती है। वैसे उत्कटासन का अभ्यास करने से ना सिर्फ बॉडी टोन होती है, बल्कि इससे आपको अन्य भी कई लाभ होते हैं। यह वजन कम करने के साथ-साथ पैरों की मसल्स को टोन करने में मदद करता है। उत्कटासन का नियमित अभ्यास करने से आपका स्टेमिना बढ़ता है। यह आसन आपके पीठ के निचले हिस्से को मजबूती प्रदान करता है। इससे बैक पेन और ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है। उत्कटासन के नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बेहतर होता है। उत्कटासन का अभ्यास करने से पैरों, घुटने, एड़ियां व जांघ की मांसपेशियां मजबूती मिलती है। उत्कटासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर सीधे खड़े हो जाएं। इसके बाद दोनों पैरों को थोड़ा?थोड़ा फैलाएं और दोनों हाथों को आगे की तरफ फैलाएं। इस दौरान आपकी हथेली नीचे की तरफ रहेगी। अपने हाथों को सीधे रखें। आपकी कुहनियां भी मुड़ी हुई नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आप घुटनों को धीरे?धीरे मोड़ें और पेल्विस को नीचे की तरफ ले जाएं। इस दौरान झुकते हुए आप कल्पना करें कि जैसे आप किसी काल्पनिक कुर्सी पर बैठे हुए हों। इस स्थिति में आप सहज ही रहें। आपके हाथ जमीन के समानांतर और कमर को सीधा व आराम की अवस्था में रखे। याद रखें कि रीढ़ की हड्डी पूरी लंबाई में सीधी होनी चाहिए। अब गहरी सांस लें। जैसे?जैसे आप सहेज होते रहें, अपने घुटनों को थोड़ा और मोड़ते हुए नीचे की तरफ दबाव डालें। इस दौरान आपकी कमर एकदम सीधी होनी चाहिए। अब कुछ क्षण इसी अवस्था में रूकें। फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं और कुछ क्षण रिलैक्स करें। इसके बाद दोबारा उत्कटासन का अभ्यास करें।

धर्म मंत्र

नैना देवी मां के नेत्र दर्शन से खत्म हो जाएगी आंखों से जुड़ी समस्याएं

नैनीताल घूमने के लिए काफी खूबसूरत जगह है। दिल्ली-एनसीआर के अधिकतर लोग अपने वीकेंड पर नैनीताल जाना पसंद करते हैं। क्योंकि ये हिल स्टेशन दिल्ली से सबसे नजदीक है। नैनीताल की खूबसूरत के कारण यहां पर्यटक बड़ी संख्या में घूमने आते हैं। नैनीताल का घूमने फिरने के अलावा धार्मिक रूप से भी काफी महत्व है। नैनीताल की नैना झील धार्मिक रूप से काफी पवित्र झील हैं। स्कंद पुराण में इसे त्रिऋषि सरोवर भी कहा गया है। नैनी झील कैसे बनी इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं, लेकिन यहां के लोगों की मान्यताओं के अनुसार कहा जाता है कि जब अत्री, पुलस्त्य और पुलह ऋषि को नैनीताल में कहीं पानी नहीं मिला तो उन्होंने एक गड्ढा खोदा और मानसरोवर झील से पानी लाकर उसमें भरा। इस झील में बारे में कहा जाता है यहाँ डुबकी लगाने से उतना ही पुण्य मिलता है जितना मानसरोवर नदी में नहाने से मिलता है। यह झील 64 शक्ति पीठों में से एक है। नैना झील के किनारे एक मंदिर पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। ये मंदिर नैना देवी मंदिर के नाम से दुनिया में मशहूर है। नैना देवी मंदिर के दर्शन के लिए दूर- दराज से लोग आते हैं। नैना देवी के इस मंदिर की मान्यता है कि यदि कोई भक्त आंखों की समस्या से परेशान हैं तो अगर वह नैना मां के दर्शन कर ले तो जल्द ही ठीक हो जाएगा। इसके अलावा यहां तमाम भक्त मां के दर्शन के लिए आते हैं।

पर्यटन

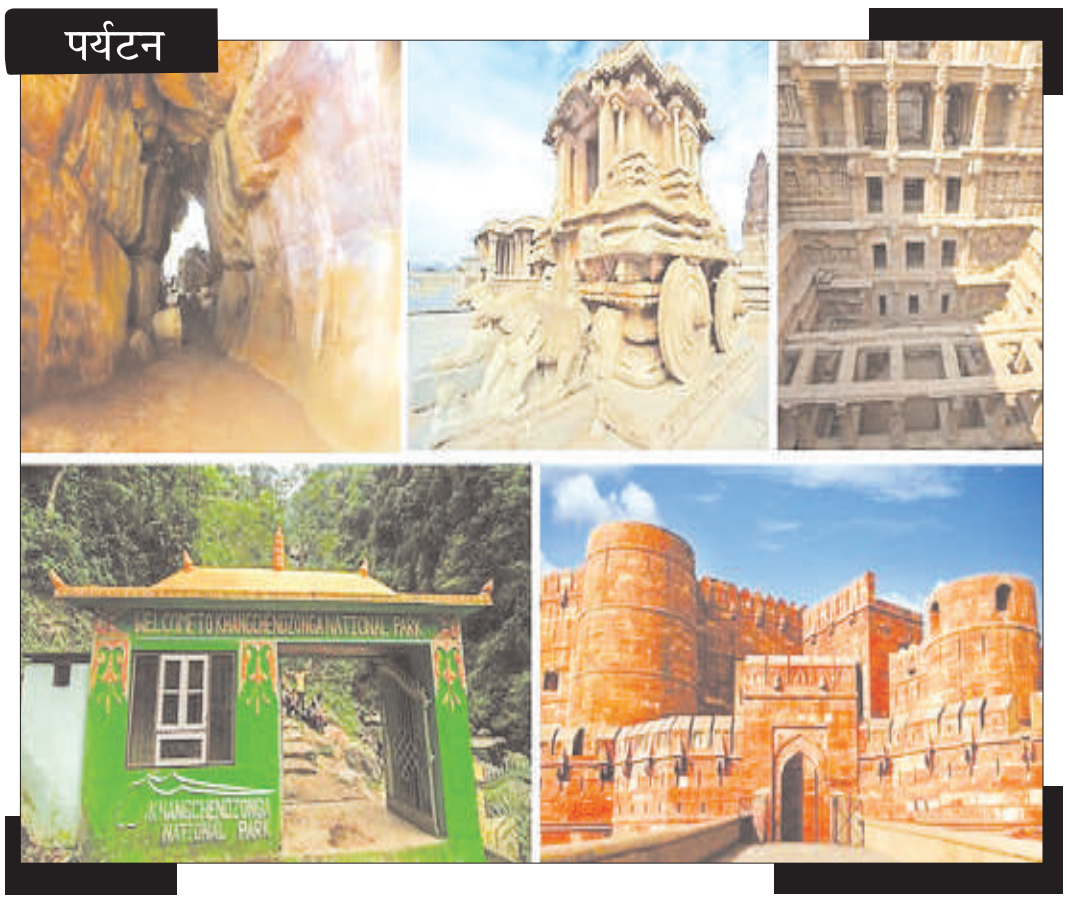

विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल हैं भारत का भीमबेटका रॉक सेंटर

दुनिया भर में कई जगह हैं जो देखने में काफी सुंदर और आकर्षित लगती हैं। जिनमें से कुछ तो ऐसी भी जगह हैं जिनकी सिर्फ तस्वीर को देखकर वहां जाने का मन हो जाता है। दुनिया में करीब 1121 जगहों को विश्व विरासत स्थल ऐलान किया जा चुका है। इनमें 213 प्राकृतिक, 869 सांस्कृतिक, 39 मिले-जुले और 138 अन्य स्थल शामिल हैं। वहीं, अगर बात करें भारत की तो यहां के लगभग 36 स्थल हैं जिन्हें विश्व धरोहर का दर्जा मिला हुआ है। हालांकि जब भारत के विश्व धरोहर जगहों की बात आती है तो ज्यादातर लोगों के दिमाग में कुतुबमीनार, ताजमहल या खजुराहो के मंदिर का ही सबसे पहले ख्याल आता है, लेकिन आपको बता दें कि इसके अलावा भी भारत में अन्य विश्व धरोहर स्थल हैं, जो इस लिस्ट में शामिल होने के साथ-साथ देखने में भी गजब के खूबसूरत हैं। भीमबेटका रॉक सेंटर- भारत के सबसे खूबसूरत विश्व धरोहर स्थल में पहला नाम भीमबेटका रॉक सेंटर का है। मध्य प्रदेश में स्थित यह स्थल मध्यपाषाण युग की एक बेहतरीन धरोहर होने के साथ काफी मशहूर है। यहां आपको मध्यपाषाण युग की कई एक से बढ़कर एक कलाकृतियां देखने को मिलेंगी। इतना ही नहीं यहां की आस-पास की जगह भी इसी कलाकृति से मेल खाती है। हम्पी- हम्पी शहर प्राचीन और अद्भुत मंदिरों के लिए काफी मशहूर है। तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित इस शहर में ऐतिहासिक खंडहरों से घिरे बहुत से भव्य मंदिर हैं। ये भारत में सबसे धार्मिक और लोकप्रिय ऐतिहासिक पर्यटन जगहों में से एक है, यह हम्पी की प्रतिष्ठा को बढ़ा देती है। रानी की वाव- गुजरात के पाटण में रानी की वाव स्थित है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में किया गया था। ये स्थान अपनी सुंदर कलाकृतियों और बावड़ियों के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। खुदाई के दौरान पुरातत्व विभाग ने रानी की वाव को खोजा था। यहां की सुंदर-सुंदर कलाकृतियों को देखकर लोगों इन्हीं में खो जाते हैं।

बाराबंकी के रामकेवल की संघर्षपूर्ण सफलता को मिला किसान सरकार ट्रस्ट का साथ

मजदूरी कर पढ़ाई, 70 साल का रिकॉर्ड तोड़ाः

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के निजामपुर गांव के रामकेवल ने अपनी मेहनत और लगन से एक नई मिसाल कायम की है। करीब 30-40 घरों वाले इस गांव में पहली बार किसी छात्र ने 10वीं की परीक्षा पास की है। रामकेवल ने गांव का नाम रोशन करते हुए 70 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है।15 वर्षीय रामकेवल का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। वह शादियों में रात को सिर पर रोड लाइट उठाकर मजदूरी करते हैं, जिससे उन्हें 200-300 रुपये मिलते हैं। यही पैसे उनकी पढ़ाई और घर खर्च का सहारा बने। शादियों के सीजन के अलावा वे अन्य मजदूरी करके अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हैं। रामकेवल बताते हैं कि वे देर रात काम से लौटने के बाद 1-2 घंटे पढ़ाई करते थे और जो समझ नहीं आता था, वह नोट करके अगली सुबह अपने शिक्षकों से पूछते थे। उनकी यह लगन रंग लाई और उन्होंने 10वीं की परीक्षा पास कर इतिहास रच दिया। रामकेवल की इस प्रेरणादायक उपलब्धि को देखते हुए किसान सरकार ट्रस्ट ने उन्हें गोद लेने का फैसला किया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश संगठन मंत्री आशु चौधरी ने घोषणा की कि रामकेवल की आगे की शिक्षा का संपूर्ण खर्च ट्रस्ट द्वारा उठाया जाएगा।रामकेवल को शिक्षण सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया और उनके माता-पिता को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान दिया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अन्य सदस्यों व ग्रामवासियों की उपस्थिति रही । आशु चौधरी (प्रदेश संगठन मंत्री),सदीप श्रीवास्तव,सोनू चौधरी,अजीत सिंह,अमरदीप मौर्या,मनीष पटेल,शरद शर्मा,सत्येंद्र कुमार,वाजिद अली,शिवम विश्वकर्मा समेत कई किसान साथी और गांव के लोग।

किसान सरकार ट्रस्ट ने रामकेवल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके प्रयासों को सलाम किया है ।

बाबा साहब बेलहरा चौकी का उद्घाटन कप्तान ने काटा फीता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेलहरा बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने थाना मोहम्मदपुर खाला में नव निर्मित पुलिस चौकी बाबा साहब बेलहरा का उद्घाटन किया गया । तत्पश्चात चौकी परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक(दक्षिणी) डॉ. अखिलेश नारायण सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक(उत्तरी) विकास चन्द्र त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम कनौजिया, प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद पुर खाला जगदीश प्रसाद शुक्ला व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य शिविर में आंख दांत के मरीजों का परीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। सरस्वती हास्पिटल एव रिसर्च सेंटर तिवारीगंज लखनऊ के तत्वावधान मे पंचायत भवन बड़ागांव मे एक दिवसीय स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की देखरेख मे आयोजित हुआ।स्वास्थ्य शिविर मे एक सैकड़ा से अधिक लोगो का पंजीकरण कर आँख एवं दांतो की जाँच की गयी।

दंत रोग चिकित्सक डा. आकांक्षा दुबे ने कहा आँख एव दांत शरीर के दो ऐसे अंग है जिनके खराब होने से जीवन अधूरा है इसलिए समय समय पर आँख एव दांत की जाँच अवश्य कराना चाहिए आँख और दांतों की जाँच नियमित रूप से करनी चाहिए क्योंकि ये आपके समग्र स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

नेत्र चिकित्सक डा. सुमित ने कहा कि नियमित रूप से आंखों की जाँच से आपको दृष्टि से संबंधित समस्याओं का पता चल सकता है, जैसे कि निकट दृष्टि दोष (मायोपिया), दूर दृष्टि दोष (हाइपरोपिया), या एस्टिग्मेटिज्म, जो कि समय पर इलाज के साथ ठीक किए जा सकते हैं. इसके आलावा आँखों की जाँच से अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का भी पता चल सकता है।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर मे प्रोग्राम मैनेजर सैय्यद सादाब अहमद के साथ आये अनुपम, अंकिता कुमारी, रूबी यादव, रिषभ कुमार, रंजीत कुमार ने एक सैकड़ा से अधिक मरीजों की जाँच कर उचित परामर्श दिया।

गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए शुरू हुआ सीएचओ प्रशिक्षण उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएचओ हुए सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

एडी हेल्थ गोरखपुर और सीएमओ गोरखपुर ने किया प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

डेढ़ सौ के बैच में एनेक्सी भवन में प्रशिक्षित किये जा रहे हैं सीएचओ

गोरखपुर। समुदाय के समग्र स्वास्थ्य देखभाल एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए जिले भर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) का प्रशिक्षण एनेक्सी भवन सभागार में सोमवार से शुरू हो गया। एडी हेल्थ गोरखपुर डॉ जयंत कुमार और सीएमओ गोरखपुर डॉ राजेश झा ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले दर्जनों सीएचओ को सम्मानित भी किया गया। डेढ़ डेढ़ सौ सीएचओ का बैच बना कर जिले भर के सभी सीएचओ को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस अवसर पर एडी हेल्थ डॉ जयंत कुमार ने कहा कि बीमारियों की प्राथमिक जांच और स्थानीय स्तर पर उपचार उपलब्ध कराने के मामले में सीएचओ स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं। उनके जरिये बारह प्रकार की बीमारियों की स्क्रिनिंग कर विशेषज्ञों से परामर्श दिलवाया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में सीएचओ के लिए शुरू हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का समुदाय को सबसे अधिक लाभ मिलेगा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी।

सीएमओ डॉ राजेश झा ने बताया कि सीएचओ के स्तर से समुदाय के बीच निरंतर सेवाएं दी जा रही हैं। उन सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित हो और उनका अधिकाधिक लाभ समुदाय स्तर पर मिल सके, इसके लिए यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवा, राष्ट्रीय कार्यक्रम, रिपोर्टिंग और गुणवत्ता कार्यक्रम आदि के संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के स्थानीय और लखनऊ से आए विषय विशेषज्ञ उन्हें प्रशिक्षित कर रहे हैं। प्रशिक्षण के पहले दिन जिले में उत्कृष्ट योगदान दे रहे सीएचओ को सम्मानित भी किया गया।

सीएमओ डॉ राजेश झा, अरविंद पांडेय, पंकज आनंद, राजीव रंजन वर्मा, विमल कुमार पांडेय, मनीष कलवानिया, डॉ कुसुम भारती, डॉ जसवंत मल्ल और रिपुंजय पांडेय ने अलग अलग सत्रों में सीएचओ को प्रशिक्षित किया।अपने आयुष्मान आरोग्य मंदिर को एनक्वास सर्टिफिकेशन दिलवाने में योगदान के लिए सीएचओ कालेसर कीर्ति लता, सीएचओ लहसड़ी रेनू पांडेय, सीएचओ राजधानी अर्चना सिंह, सीएचओ राघोपट्टी अंशु मिश्रा, सीएचओ बघराई रितु, सीएचओ डोमिनगढ़ शीतल गुप्ता, सीएचओ गौनर रुचिका यादव, सीएचओ लक्ष्मणपुर रीतिका चौधरी, सीएचओ भरतपुर अंजू गौतम, सीएचओ जमुआर मंजू प्रजापति, सीएचओ शेरपुर रवि किरण, सीएचओ बुदैली अमृता गुप्ता, सीएचओ नुरुद्दीन चक दिव्या मिश्रा, सीएचओ मदरिया गीता गिरी, सीएचओ अहिरौली कीर्ति राणा और सीएचओ फुलवरिया अनिल कुमार को सम्मानित किया गया । इसके अलावा सभी कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए महराजी की सीएचओ सुषमा सिंह, एनसीडी में बेहतर कार्य के लिए सीएचओ विशुनपुरा अल्पना सिंह, सीएचओ खरखुटा मुकेश जाखड़ और सीएचओ मोहनाग कुमारी नीलम को सम्मानित किया गया। ई संजीवनी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सीएचओ जोतबगही आबिद अली, सीएचओ भखरा दिव्यांशी यादव और सीएचओ पकड़ी बरौली उज्जवल दूबे को सम्मानित किया गया। डेली रिपोर्टिंग एंट्री में बेहतर कार्य के लिए सीएचओ मऊ खुर्द रितुजा पाल, सीएचओ गुलरिहा ज्योति प्रजापति और सीएचओ बराठा कविता सिंह को सम्मानित किया गया।

महाराणा प्रताप की जयंती पर शोभायात्रा में हुए बवाल की गाज थानाध्यक्ष पर गिरी

हमीरपुर। ग्राम सिजवाही में शुक्रवार को महाराणा प्रताप की जयंती पर शोभा यात्रा निकालने के दौरान दो पक्षों में विवाद होने के बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के नौ लोगों को नामजद करते हुए कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, दलित उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं इस मामले में रविवार को पुलिस अधीक्षक ने सिसोलर थाना प्रभारी कल्पना सिंह को कार्य में लापरवाही बरतने पर लाइन हाजिर कर दिया। गौरतलब हो कि महाराणा प्रताप जयंती पर शोभायात्रा के आयोजकों ने यात्रा के लिए चार दिन पहले थाना सिसोलर को प्रार्थना पत्र देकर परमिशन मांगी थी, लेकिन सिसोलर थाना प्रभारी ने पत्र में गंभीरता नहीं दिखाई और न ही आयोजकों को कोई सूचना दी। जिससे आयोजक यह समझ बैठे की उन्हें पुलिस से परमिशन मिल गई है। शुक्रवार को उन्होंने कई गावों में महाराणा प्रताप की जयंती पर शोभा यात्रा निकाली और उसी दौरान सिजवाही गांव में बाबा साहब मूर्ति के पास बवाल हो गया। वहीं रविवार को दोपहर सपा के जिला उपाध्यक्ष विवेक पाल सिजवाही गांव पहुंच पीड़ितों से मिले। उन्होंने कहा कि हमें आपस में लड़ने का समय नहीं है।

प्रेमिका के पिता की धमकी, युवक ने की आत्महत्या

जैदपुर बाराबंकी। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दादरा के निकट हाइवे के किनारे स्थित एक कब्रिस्तान मे फांसी फंदे से लटका युवक का शव बरामद हुआ। ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी।मौक़ेपर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने शव को उतरवा कर जमा तलासी ली तो मृतक के पास मोबाइल फोन व आधार कार्ड मिला ।जिसके आधार पर मृतक की शिनाख्त हर्ष रावत पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी ग्राम मँझपुरवा मजरे बंभौरा थाना जैदपुर के रूप मे हुई।पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बताते हैं कि हर्ष रावत का प्रेम प्रसंग जैदपुर थाना क्षेत्र के ही ग्राम परसौला की एक युवती से था। परिजनों के मुताबिक शनिवार को हर्ष उस युवती के साथ लापता हो गया और रात्रि मे ही युवती के परिजनों ने दोनो को ढूंढ निकाला युवती को अपने साथ लेकर चले गये और हर्ष को दुबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी दी। यह बाते फांसी से पहले मृतक ने अपनी माँ को फोन लगाकर बताया था। अब हम जिंदा नही रहेंगे और फांसी लगा लेंगे जिसके बाद हर्ष के परिजन तलाश ही कर रहे थे कि पुलिस ने बताया कि हर्ष ने ग्राम दादरा के निकट फांसी लगा ली है।

सफ़ेदाबाद रेलवे स्टेशन पर रेलमेध यज्ञ में पहुंचे सुरेश चंद्र गौतम

सीतापुर। इस भीषण गर्मी में आप धर्मसेवक बंधु रेलयात्रियों को पानी पेठा बांटने का पुनीत कार्य कर रहे हैं जिससे देश और समाज में समरसता बढ़ेगी। यह विचार सुरेश चंद्र गौतम पूर्व जिलाध्यक्ष बसपा ने सफ़ेदाबाद रेलवे स्टेशन पर उपस्थित धर्मसेवकों से अपने संबोधन में व्यक्त किये। विदित हो कि धर्मजागरण बाराबंकीधाम उ.प्र. संयोजक अमित अवस्थी 'अधिवक्ता' द्वारा जनपद में लगातार चौथे वर्ष चलाए जा रहे रेलमेध यज्ञ में आज सातवें रेलवे स्टेशन सफ़ेदाबाद में फैजाबाद लखनऊ पैसेंजर के यात्रियों को संदीप जयसवाल, दिनेश सिंह, डॉ. तेज नारायण वर्मा, युगल किशोर दीक्षित, आदित्य प्रताप सिंह, पवन यादव, राम सिंह, आशीष कुमार पांडे, अमन मिश्र, राहुल, नीतीश, विमल, अभिषेक, रमई लाल, अभिषेक गौतम एवं अधिवक्तागण सुशील कुमार गौतम, योगेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, राजेंद्र यादव, शैलेंद्र सिंह सूर्यवंशी, कृष्ण गोपाल गौतम आदि धर्मसेवकों ने पानी, पेठा, गुड़, बताशा वितरित किया ।

मुरादाबाद में सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी, 500 से ज्यादा संदिग्ध आईडी चिह्नित

मुरादाबाद। भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर पुलिस अलर्ट है। पुलिस अधिकारी फोर्स के साथ सड़कों पर गश्त कर लोगों को सुरक्षा का अहसास दिला रहे हैं। खुफिया एजेसियां संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहने वाले लोगों की तलाश में जुटी हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर पुलिस विशेष निगरानी कर रही है। इसके लिए अलग से टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें लोगों की पोस्ट पर नजर बनाए हैं। जिले में 500 से ज्यादा संदिग्ध आईडी चिह्नित गई हैं। जिन पर लगातार निगरानी की जा रही है। भारत-पाक के बीच बीते दिन सीजफायर पर सहमति बनने पर पुलिस ने भी राहत की कुछ सांस तो ले ली थी, लेकिन ऐसे में पुलिस के लिए सोशल मीडिया पर भ्रामक, झूठी और असत्य खबरों ने चिंता बढ़ा दी है। जिसे लेकर अफसरों ने पुलिस की सोशल मीडिया को एक्टिव करने के साथ ही कई एक्सपर्ट पुलिस कर्मी तैनात कर दिए हैं। टीमें व्हाट्सएप ग्रुप, फ़ेसबुक, एक्स, टेलीग्राम समेत अन्य सोशल साइटों पर निगरानी कर रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने रविवार को बताया कि सोशल कि लोगों से अपील की जा रही है कि वह किसी भ्रामक या झूठी खबर को पोस्ट या शेयर न करें। सोशल मीडिया पर चल रही सूचना और खबरों को पोस्ट करने से पहले उसकी तारीख, लोकेशन और सत्यता चेक कर लें।

अपना दल (एस) की हुई समीक्षा बैठक, विधानसभा चुनाव को लेकर बनी रणनीति

जालौन। अपना दल (एस) की संगठनात्मक समीक्षा बैठक रविवार को नगर स्थित नहर विभाग के निरीक्षण भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कालिका पटेल रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रणनीति बनाई गई और नए लोगों को पार्टी से जोड़ा गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिल अटरिया ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर जनसमस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना होगा। पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाना ही संगठन की मजबूती का मूल मंत्र है।

वन नेशन, वन इलेक्शन केवल एक विचार नहीं बल्कि युवाओं की जिम्मेदारी:सुनील बंसल

एजेंसी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने वन नेशन, वन इलेक्शन की वकालत की। उन्होंने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या भाजपा का एजेंडा नहीं है, बल्कि यह देशहित का मुद्दा है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि युवाओं की जिम्मेदारी भी है। युवाओं का आवाहन कर कहा कि इस मुहिम को जन अभियान बनाएं और ज्यादा से ज्यादा छात्रों व युवाओं को इससे जोड़ें।

सुनील बंसल रविवार को यहां सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'युवा टाउनहाल 'कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' के फायदे गिनाते हुए कहा कि बार-बार चुनाव होने से नीति-निर्माण में रुकावट आती है और पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति बनती है। इससे शासन की निरंतरता टूटती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई नया विचार नहीं है–1952 से 1967 तक देश में चार बार चुनाव एक साथ हुए हैं। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में गंभीर पहल की है और उच्च स्तरीय समिति ने 62 राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे, जिनमें से 47 दलों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' लोकतंत्र को अधिक प्रभावी, व्यय-कुशल और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे देश का विकास तेज होगा, राजनीति सीमित होगी और युवाओं को नये अवसर मिलेंगे। सुनील बंसल ने कहा कि पिछले 30 वर्षों में कोई ऐसा साल नहीं गया जिसमें देश के किसी न किसी राज्य में चुनाव न हुए हों।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष का उल्लेख कर कहा कि भारत अब झुकने वाला नहीं है, न ही रुकने वाला। यदि भारत को कोई छेड़ेगा, तो भारत अब उसे छोड़ने वाला नहीं है। यह संदेश भारत ने पूरी दुनिया को स्पष्ट रूप से दे दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें कई मासूमों की जान गई। लेकिन अब पूरा देश देख रहा है कि हमारी जांबाज सेना उन आतंकवादियों को कैसे चुन-चुन कर जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि देशवासियों में जबरदस्त उत्साह और राष्ट्र के प्रति गर्व का भाव है।

तेज आंधी व गरज के साथ हुई जोरदार बारिश,तालाब बनी स्मार्ट सिटी की सड़कें

झांसी। रविवार की दोपहर आसमान में अचानक काले बादल छा गए। दोपहर बाद महानगर में तेज आंधी के साथ अचानक जोरदार बारिश शुरू हो गई। तेज अंधड़ और जोरदार बारिश ने महज करीब आधा घंटे में नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। सड़कें तालाबों में परिवर्तित हो गई। इसके इतर मौसम सुहाना हो गया। जिसके चलते लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हालांकि इसके चलते आम जनजीवन अस्त व्यस्त भी हुआ वहीं कुछ समय के लिए वाहनों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। रविवार की सुबह से ही आसमान में हल्के बादल छाए रहे । रह रहकर शीतल हवा बह रही थी। मौसम विभाग पहले ही आगामी पांच दिन तक मौसम बदलते रहने की घोषणा कर चुका है। इसके चलते प्रदेश के तमाम जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने की भी सूचनाएं मिल रही हैं। दोपहर के बाद महानगर में भी तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश 20 से 30 मिनट तक ही हुई। लेकिन इतनी सी बारिश ने नगर की सड़कों को तालाबों में बदल दिया। जिससे लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब 70 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही थी। चारों ओर धूल का गुब्बार था। कहीं पेड़ उखड़ गए तो कहीं होर्डिंग्स फट गए। आसमान में बादल गरजते रहे। मौसम का मिजाज बिगड़ता देख लोग भींगते हुए भी अपने घर की ओर भागे। जबकि बारिश होने से तेज गर्मी में राहत मिली और मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी कुछ दिन तक मौसम ऐसे ही करवटें बदलता रहेगा, ऐसा मौसम विभाग का पहले ही अलर्ट जारी हो चुका है।

ऐ इन्सानों! तुम अपने दीन ईमान पर वापस आ जाओ

युवा पीढ़ी को मांस मदिरा से बचाओ -पंकज जी महाराज

निंदूरा बाराबंकी। 55 दिनों से निरंतर समाज निर्माण के उद्देश्य से परिवर्तन यात्रा पर निकले जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था, मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत पंकज जी महाराज शनिवार को सायंकाल ग्राम मकदूमपुर पधारे। जहां विपरीत मौसम के पश्चात भी बड़ी संख्या में प्रतीक्षारत जनमानस एवं भाई-बहनों ने बाजे-गाजे, फूल-मालाओं तथा पुष्प वर्षा कर धर्म यात्रा का भव्य स्वागत किया। संस्थाध्यक्ष संत पंकज जी महाराज ने आम जन से आत्म कल्याण का आवाहन किया।

महाराज जी ने कहा गृहस्थ आश्रम में रहकर ना जाने कितनी योनियों में भटकने के बाद आपको यह मानव तन मिला है। अब इसको दुनियाँ के सामानों को इक्ट्ठा करने में बर्बाद न करें बल्कि गृहस्थ आश्रम में रहकर अपनी आत्मा का कल्याण करा लें। यह कलियुग है। इसमें सन्तों ने पिछले युगों की साधनाओं को रोक कर गृहस्थ आश्रम में रहकर सरल साधना सुरत शब्द योग (नाम योग) का रास्ता जारी किया। इसकी तीन क्रियायें हैं, पहला सुमिरन जिसके अन्तर्गत नाम का मौन जाप करना। दूसरा ध्यान जिसके अन्तर्गत मन को एकाग्र करके दिव्य दृष्टि (तीसरा नेत्र) खोलना तथा तीसरा भजन जिसमें ऊपर के लोकों से आ रही आकाशवाणी देववाणी कलमा को सुनना है। वो प्रभु जब भी मिलेगा इसी मानव शरीर के अन्दर मिलेगा। उन्होंने आगामी 17 मई से 21 मई तक पांच दिवसीय बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के पावन भण्डारा सत्संग-मेला पर जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में पधारने का निमन्त्रण भी दिया। पुलिस प्रशासन का शांति व्यवस्था बनाये रखने में सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर रामचन्द्र यादव, ब्लाक अध्यक्ष तेज बहादुर, माधवराम यादव, राजमल, रामचन्दर, मंगरू चौरसिया, ज्ञान सिंह, बुधिराम पाल, रामलखन यादव आदि उपस्थित रहे। जनजागरण यात्रा अपने अन्तिम पड़ाव हेतु ग्राम सेमरा न्याय पंचायत शाहपुर ब्लाक देंवा के लिये प्रस्थान कर गई। यहां कल सोमवार को अप. 12.30 बजे से सत्संग कार्यक्रम आयोजित है।

गिट्टी से भरा ट्रक पलटने से एक युवक की मौत

हमीरपुर। रविवार को राठ महोबा मार्ग पर गिरवर गांव के पास मुख्य सड़क पर उल्टी दिशा से आ रहा एक गिट्टी से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। इससे सड़क किनारे खड़े युवक की दबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा की मदद से ट्रक को सीधा करा गिट्टी के नीचे दबे युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पिता ने ट्रक चालक के विरुद्ध मझगवां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार राठ कोतवाली के पहाड़ी बसेला गांव निवासी जयहिंद 42 पुत्र वंशीधर लोधी के पास करीब 4 बीघा जमीन है। जिस पर वह गन्ने की फसल लगाए हैं। रविवार को जयहिंद फसल के लिए जिंक दवा की खरीदारी करने बाइक से पनवाड़ी जा रहा था। मझगवां थाने के गिरवर गांव के पास राठ महोबा मार्ग पर पहुंचने पर जयहिंद बाइक रोक सड़क किनारे खड़ा हो गया। इसी दौरान मुख्य मार्ग पर उल्टी दिशा से आ रहे गिट्टी भरे ट्रक के सामने एक बोलेरो गाड़ी आ गई। जिसे बचाने के चक्कर में ट्रक चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और गिट्टी से भरा ट्रक सड़क पर पलट गया। सड़क किनारे खड़ा जयहिंद गिट्टी के नीचे दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ट्रक चालक मौके से भाग खड़ा हुआ।

सूचना पर पहुंची राठ और मझगवां पुलिस ने हाइड्रा मशीन मंगाकर ट्रक को सीधा खड़ा कराया और गिट्टी से नीचे दबे युवक के शव का बाहर निकाला। पिता ने मझगवां थाने में ट्रक और उसके चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दीपिका, सालुंखे ने कांस्य पदक जीता तीरंदाजी विश्व कप में भारत को सात पदक

एजेंसी

शंघाई। भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण दो की रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना सम्मान बचाने में सफल रही जबकि पार्थ सालुंखे ने पहली बार पोडियम पर जगह बनायी। भारत का अभियान इस तरह से सात पदकों के साथ खत्म हुआ। कम्पाउंड तीरंदाजों ने इससे पहले शनिवार को दो स्वर्ण के साथ पांच पदक जीतकर दबदबा कायम किया था। इसमें तीन पदक में मधुरा धामनगंकर का योगदान रहा। उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ महिला और मिश्रित टीम में पदक जीत कर तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का जश्न मनाया। दीपिका को अंतिम चार मैच में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी लिम सिहियोन ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत मुकाबले में 7-1 के अंतर से हराया। इस 21 साल की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ने पिछले साल येचियोन विश्व कप में भी भारतीय तीरंदाज को अंतिम चार में शिकस्त दी थी। भारत की 30 साल की तीरंदाज ने हालांकि सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक के मैच में कोरिया की एक अन्य खिलाड़ी कंाग चेन योंग के खिलाफ 7-3 की जीत के साथ पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। दीपिका ने सेमीफाइनल में हार का सामना करने के बाद कांस्य पदक के मैच में अधिक धैर्य और रणनीतिक स्पष्टता दिखाई। पहला सेट 27-27 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन दीपिका ने दूसरे सेट में 28 अंक बनाकर 3-1 की बढ़त बना ली। पूर्व विश्व चैंपियन कंाग ने हालांकि वापसी करते हुए दीपिका के 27 के मुकाबले 30 अंक के साथ स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया। चार बार ओलंपिक खेल चुकी दीपिका ने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए तीनों निशाना 10 अंक पर साध कर 5-3 की बढ़त कायम की। उन्होंने इसके बाद कंाग के 28 के मुकाबले 29 अंक जुटाते हुए अपनी जीत पक्की कर ली। पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाइंग में 60वें स्थान पर रहने वाले पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीतकर देश का सातवां पदक पक्का किया। इस 21 साल के खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में कोरिया के दिग्गज किम वूजिन से हार के बाद शानदार वापसी करते हुए उच्च वरीयता प्राप्त फ्रांस के तीरंदाज बैपटिस्ट एडिस को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-4 से हराकर अपना पहला विश्व कप पदक जीता।

पोंटिंग की प्रेरणादायी बातचीत ने विदेशी खिलाड़ियों को भारत में रहने के लिए प्रेरित किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम लागू होने पर स्वदेश के लिए उड़ान भरने वाले थे लेकिन वह अंतिम समय में विमान से उतर गए। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के पास ऑस्ट्रेलिया वापस जाने का विकल्प था लेकिन उन्होंने चिंतित यात्रियों से भरे विमान से अंतिम समय में उतरने का फैसला किया। पोंटिंग दिल्ली में ही रुके और उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पंजाब किंग्स के विदेशी खिलाड़ी शनिवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान नहीं भरें जो दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच युद्ध की संभावना को देखते हुए चिंतित थे। पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश मेनन ने विश्व कप विजेता कप्तान द्वारा विदेशी खिलाड़ियों के पूरे ग्रुप से की गई प्रेरणादायी बातचीत का जिक्र करते हुए पीटीआई से कहा, ''यह पोंटिंग का व्यक्तित्व दर्शाता है। केवल वही ऐसा कर सकते थे। आईपीएल का आठ मई को मैच रद्द होने के बाद धर्मशाला से दिल्ली तक की ट्रेन यात्रा करने वाले खिलाड़ियों के ग्रुप में मार्कस स्टोइनिस, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस और जेवियर बार्टलेट (सभी ऑस्ट्रेलिया से) शामिल थे। टीम के एक सूत्र ने कहा, ''विदेशी खिलाड़ियों को इस तरह की स्थिति (युद्ध जैसी स्थिति) की आदत नहीं है। इसलिए उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। स्टोइनिस के नेतृत्व में वे सभी जल्द से जल्द निकलना चाहते थे और ऐसा होना स्वाभाविक भी था। लेकिन पोंटिंग ने उन्हें युद्ध विराम के बाद भी यहीं रहने के लिए मना लिया, जो मुझे लगता है कि शानदार है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन ही भारत से जाने से वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं जो अंतिम एकादश में शामिल थे। लेकिन वह दुबई में हैं और थोड़ी ही दूरी पर है। आईपीएल के फिर से शुरू होने की घोषणा होने वाली है तो पंजाब अच्छी स्थिति में है क्योंकि उसके अधिकांश स्टार भारतीय और विदेशी खिलाड़ी पहले से ही देश में हैं।

टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने वाले बॉब काउपर का निधन

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक जड़ने वाले बॉब काउपर का 84 वर्ष की आयु में अज्ञात बीमारी के कारण निधन हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यह जानकारी दी। वह 84 साल के थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल तथा बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने पांच शतक और 46.84 की औसत से 2,061 रन बनाए। उन्होंने कामचलाऊ ऑफ स्पिन से 36 विकेट भी लिए हैं। इस बायें हाथ के बल्लेबाज को स्ट्रोक लगाने की शानदार क्षमता के साथ संयमित बल्लेबाजी करने के लिए भी जाना जाता था। उन्होंने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी। उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंद में 307 रन बनाये थे। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट में पहला और 20वीं सदी का इकलौता तिहरा शतक था। घरेलू मैदान पर काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था जहां उन्होंने 75.78 की औसत से रन बनाये थे। वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू सरजमीं पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज है। उन्होंने 1968 में खेल को अलविदा कह दिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, ''बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है। वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे। उन्होंने कहा, ''बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें एमसीजी में उनके प्रसिद्ध तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक की ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके मजबूत प्रभाव के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती

एजेंसी

कोलंबो। स्मृति मंधाना (116) की शतकीय, हरलीन देओल (47), जेमिमाह रॉड्रिग्स (44) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (41) की शानदार पारियों के बाद स्नेह राणा (चार विकेट) और अमनजोत कौर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को फाइनल में मुकाबले में श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम कर ली।

343 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की बेहद शुरुआत खराब रही और उसने अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (शून्य) के रूप में गवां दिया। परेरा को अमनजोत कौर ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चामरी अटापट्टू ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में अमनजोत कौर ने विष्मी गुणारत्ने (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद नीलाक्षी डिसिल्वा और अटापट्टू के बीच तीसरे विकेट लिये 73 रन जोड़े। 24वें ओवर में स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू (51) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई। 33वें ओवर में स्नेह राणा ने नीलाक्षी डिसिल्वा (48) को आउटकर श्रीलंका को छठा झटका दिया। इसके बाद श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। अनुष्का संजीवनी (28) और मल्की मदारा (शून्य) पर आउट हुई। सुगंधिका कुमारी (27) और पिउमी वत्सला (नौ) रनआउट हुई। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका की पूरी टीम को 48.2 ओवर में 245रन पर समेट कर मुकाबला 97 रनों से जीत लिया। स्मृति मंधाना को उनकी 116 रनों की शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वही टूर्नामेंट में 15 विकेट लेने वाली स्नेह राणा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। भारत की ओर स्नेह राणा ने चार विकेट लिये अमनजोत कौर को तीन विकेट मिले। श्री चरणी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 15वें ओवर में प्रतिका रावल (30) के रूप में गिरा। उन्हें इनोका रनावीरा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 120 रनों की साझेदारी हुई।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 02 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 688.13 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 02 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 51.4 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.5 अरब डॉलर की भारी कमी आई और यह घटकर उछलकर 81.8 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर तीन करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 18.6 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 30 लाख डॉलर की कमी आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.5 अरब डॉलर रह गई।

1.75 करोड़ घरों को रोशन करेगा अदाणी का खावड़ा सोलर प्लांट

एजेंसी

खावड़ा (कच्छ)। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने में महत्ती भूमिका निभा रही कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीआईएल) की गुजरात के कच्छ के खावड़ा में बन रही दुनिया की सबसे बड़ी सौर परियोजना पूरी तरह से तैयार होने पर 1.75 घरों को बिजली की आपूर्ति की जा सकेगी। यह परियोजना 538 वर्ग किलोमीटर अर्थात 132943 एकड़ में फैली है जो लगभग मुंबई के आकार के बराबर है और पेरिस से पांच गुना बड़ा है। इस संयंत्र ये पौलेंड , कनाडा या स्पेन की पूरी आबादी को बिजली आपूर्ति की सकता है। कंपनी के अनुसार इस सोलर पार्क को आसमान से देखा जा सकता है। यह परियोजना 30 हजार मेगावाट क्षमता की है जिसमें 26 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा और चार हजार मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। अभी इस परियोजना में 4106.9 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का है और खावड़ा प्लांट की क्षमता 30 गीगावॉट है। एजीईएल ने 2029 तक करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश से इस परियोजना को पूरा करने वाली है। इसके पूर्ण होने में इसमें 6 करोड़ सोलर पैनल लगगें और करीब 800 पवन चक्की लगेगी। कंपनी ने नयी प्रौद्योगिकी से ऐसी पवन चक्की बनायी है जो एक पवन चक्की 5.2 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है। कंपनी ने जर्मनी के डब्ल्यू 2ई विंड टू एनर्जी के साथ मिलकर 5.2 मेगावाट की सबसे शक्तिशाली ऑनशोर विंड टर्बाइन विकसित की है, जिसमें 160 मीटर का रोटर व्यास, 20,106 मीटर का स्वीप्ट एरिया और 200 मीटर की टिप ऊंचाई है। कंपनी इस प्लांट में ऐसे सोलर पैनल लगा रही है जो दोनों ओर से बिजली उत्पादन करने में सक्षम है। इनमें से अधिकांश सोलर पैनलों ऐसे लगाये गये हैं जो धूप के साथ घुमने में सक्षम है। सोलर पैनलों की प्रतिदिन स्वचालित रोबोटिक मशीनों से सफाई की जाती है जिसमें पांनी का उपयोग नहीं किया जाता है। यह कंपनी का पूरी तरह से शून्य पानी उपयोग वाला प्लांट है और इससे 171.6 करोड़ लीटर पानी का बचत होगा। कंपनी ने हाल ही में करीब 700 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन शुरू किया है, जिससे खावड़ा में कुल क्षमता चार हजार मेगावाट हो गई है। खावड़ा प्लांट अकेले 87.4 अरब यूनिट बिजली पैदा करेगा, जो 1.74 करोड़ घरों को बिजली आपूर्ति करने में सक्षम होगा। इससे सालाना 6.36 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क अकेले भारत की कुल सोलर ऊर्जा उत्पादन का 9 फीसदी उत्पादन कर सकता है। खावड़ा परियोजना पूरी दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा पावर प्लांट है।

भारत के खुदरा व्यापार पर कब्ज़े की कोशिशों के खिलाफ 16 मई को कैट की राष्ट्रीय संगोष्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली। खुदरा कारोबारियों के संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज कहा कि भारत के सालाना 140 लाख करोड़ रुपये के खुदरा व्यापार को विदेशी पूंजी पोषित ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा कब्ज़ाने की साज़िश के विरोध में कैट 16 मई को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। कैट के महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को बताया कि इस अहम कांफ्रेंस में देशभर से 100 से अधिक व्यापारिक नेता हिस्सा लेंगे, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मुख्य वक्ता होंगी। श्री खंडेलवाल ने बताया कि इस संगोष्ठी में व्यापारियों के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों के समर्थक, ट्रांसपोर्ट संगठनों, एमएसएमई, महिला उद्यमियों, किसानों, स्टार्टअप्स और उपभोक्ता संगठनों सहित व्यापार जगत के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस मंच से एक संयुक्त रणनीति बनाई जाएगी, जिसका उद्देश्य देशव्यापी जागरूकता अभियान शुरू कर इन कंपनियों के खिलाफ जनमत तैयार करना है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने इस आयोजन को बेहद महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विदेशी कंपनियों की अनैतिक गतिविधियों का व्यापारी वर्ग संगठित होकर विरोध करे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कंपनियों ने अब तक मोबाइल, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, किराना, होटल-रेस्तरां जैसे क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया है और अब अन्य सेक्टरों पर भी कब्ज़े की कोशिश में जुटी हैं। श्री भरतिया ने स्पष्ट किया कि यह कांफ्रेंस एक निर्णायक पहल* होगी, जिसकी रणनीति के आधार पर पूरे देश में जागरूकता और विरोध अभियान शुरू किया जाएगा, जिससे देश के पारंपरिक खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

शेयर समीक्षा

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1047.52 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 79454.47 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 338.7 अंक यानी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24008.00 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की ही तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 596.37 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 42111.50 अंक और स्मॉलकैप 623.59 अंक यानी 1.3 प्रतिशत कमजोर रहकर 46741.95 अंक रह गया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फ़ेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ। बाजार की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 1.60 लाख करोड़ रुपये घटा

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,60,314.48 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। शेयर बाजार में गिरावट के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,047.52 अंक या 1.30 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 59,799.34 करोड़ रुपये घटकर 18,64,436.42 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,185.36 करोड़ रुपये घटकर 9,90,015.33 करोड़ रुपये रह गई।एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 27,062.52 करोड़ रुपये घटकर 14,46,294.43 करोड़ रुपये पर और एसबीआई का मूल्यांकन 18,429.34 करोड़ रुपये घटकर 6,95,584.89 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 13,798.85 करोड़ रुपये घटकर 5,36,927.95 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का मूल्यांकन 8,321.89 करोड़ रुपये घटकर 5,29,972.97 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,138.29 करोड़ रुपये घटकर 10,53,891.62 करोड़ रुपये रह गई। टीसीएस के मूल्यांकन में 578.89 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 12,45,418.09 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 2,537.56 करोड़ रुपये बढ़कर 5,48,382.85 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 415.33 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 6,26,083.70 करोड़ रुपये पर पहुंच शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

भाजपा ने की मोदी की सराहना

कहा : भारत ने पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों के नियमों को फिर से लिखा है।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार को घोषणा की थी कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की। उन्होंने कहा, ''उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे।'' भारत की इस घोषणा के बाद पार्टी ने यह बयान दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा कि पाकिस्तान ने ''विनाशकारी नुकसान'' झेलने के बाद ''सहमति बनाने की गुहार'' लगाई। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में केवल 72 घंटे में भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों के नियमों को पुनः लिख दिया है। भंडारी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक संकल्प के साथ पाकिस्तान के ''परमाणु झांसे'' को उजागर किया, लाहौर से रावलपिंडी तक पाकिस्तानी सैन्य क्षेत्रों में भीतर तक हमला किया और मुनिरके एवं बहावलपुर में जैश और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी मुख्यालयों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ''एक स्पष्ट संदेश दिया गया है: पाकिस्तान की एक इंच जमीन भी भारत की पहुंच से बाहर नहीं है। सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान के आतंकवादी तंत्र को उजागर करके पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''ऐसे युग में जब रूस-यूक्रेन से लेकर अमेरिका-तालिबान तक के पारंपरिक युद्ध रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने में विफल रहे, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'चाणक्य नीति' अपनाई। उन्होंने कहा,''यह रणनीतिक संयम नहीं है। यह रणनीतिक प्रभुत्व है और पाकिस्तानी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई खत्म नहीं हुई है।

बिजली उपभोक्ताओं की कमर तोड़ रही भाजपा सरकार : यादव

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार ने बिजली के बिलों पर पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट (पीपीएसी) में बढ़ोतरी करके दिल्लीवालों को महंगाई का एक और झटका देने का काम किया है। श्री यादव ने रविवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने डिस्कॉम के तहत बिजली कम्पनियों को 13.33 से 19.22 प्रतिशत तक पीपीएसी वसूलने की अनुमति दे दी है, जिसका दिल्ली कांग्रेस विरोध करती है। उन्होंने कहा कि अब बीएसईएस यमुना 13.33 प्रतिशत, बीएसईएस राजधानी पावर 13.54 प्रतिशत और टाटा पावर 19.22 प्रतिशत पीपीएसी बिजली बिलों पर वसूलेगी। उन्होंने कहा कि जब भाजपा को मालूम था कि गर्मी बढ़ने से बिजली की मांग बढ़ेगी, तो जरुरत अनुसार बिजली की क्षमता पहले से क्यों नहीं बढ़ाई। अब तीन महीनों के नाम पर पीपीएसी में बढ़ोतरी करके भाजपा सरकार बिजली उपभोक्ताओं कमर तोड़ने का काम कर रही है।

पिछले चार दिनों में साबित हुई भारत की तकनीकी श्रेष्ठता : डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा है कि आधुनिक युद्ध पूरी तरह से तकनीक पर आधारित है और पिछले चार दिनों में भारत की श्रेष्ठता साबित हुई है।

दिल्ली के अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित ''राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस'' समारोह में उन्होंने उक्त बातें कहीं। इस दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी तकनीकी विकास की उपलब्धियों की जानकारी दी। डॉ सिंह ने बताया कि भारत ने हाल के वर्षों में कई स्वदेशी तकनीकों का सफलतापूर्वक विकास किया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के अधिकांश रक्षा उपकरण स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। मंत्री ने ''आत्मनिर्भर भारत'' की दिशा में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और बताया कि भारत अब विदेशी शक्तियों पर निर्भर नहीं है। उन्होंने ''राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस'' का इतिहास के बारे में बताया कि यह दिन 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षणों की सफलता को याद करने के लिए मनाया जाता है। डॉ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक तकनीकी अग्रेसर के रूप में उभरा है। समारोह में डॉ सिंह ने ''सुपर 30 स्टार्टअप्स'' की एक संकलन पुस्तक जारी की और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत नई प्रस्तावों की घोषणा की। उन्होंने बजटीय आवंटन में वृद्धि और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में भारत की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर कई प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

एसआईए ने 20 स्थानों पर छापेमारी कर स्लीपर सेल मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने रविवार को दक्षिण कश्मीर में 20 स्थानों पर छापेमारी के दौरान स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

पुलिस ने कहा कि तकनीकी खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल अपने पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे और व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल सहित मैसेजिंग ऐप के माध्यम से सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी देने में शामिल थे। पुलिस ने कहा कि ये आतंकी सहयोगी लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के आतंकवादी कमांडरों के इशारे पर ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार में भी शामिल थे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को प्रभावित कर रहा था। एजेंसी कश्मीर ने इसके बाद इस साल की शुरुआत में दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में दक्षिण कश्मीर के सभी जिलों में लगभग 20 स्थानों पर तलाशी ली। पुलिस ने कहा, छापेमारी के दौरान पर्याप्त मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है और संदिग्धों को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच से स्पष्ट रूप से पता चला है कि ये संस्थाएं आतंकवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल हैं, भारत विरोधी बयानों का प्रचार और प्रसार कर रही हैं जिसका उद्देश्य न केवल भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देना है बल्कि असंतोष, सार्वजनिक अव्यवस्था और सांप्रदायिक घृणा को भड़काना भी है। पुलिस ने कहा कि एसआईए किसी भी तरह की अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जारी रखेगी।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर ट्रम्प की घोषणा करती है हैरान : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पाकिस्तान और भारत के बीच चल रहे संघर्ष के विराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा को हैरान करने वाला करार देते हुए रविवार को कहा कि दो देशों के बीच के मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जाना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 24 घंटों में बहुत तेजी से बदले घटनाक्रम हैरान करने वाली स्थिति भी सामने आई है। यह जानकर सबको आश्चर्य हुआ कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हैं। श्री पायलट ने कहा,''यह शायद पहली बार हुआ है, जब सीजफायर की घोषणा सोशल मीडिया के ज़रिए अमेरिका के राष्ट्रपति करते हैं। उन्होंने जो अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है, हमें उस पर भी ध्यान देना चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच जो मसला है, उसका अंतरराष्ट्रीयकरण करना बेहद आश्चर्यजनक है।''

कांग्रेस नेता ने कहा,''भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में सरहद के पास के पास हमारे जिन नागरिकों की जान गई है कांग्रेस पार्टी उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। मैं भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को सलाम करता हूं। हमारी सेना ने एक बार फिर दिखाया है कि वह दुनिया के सर्वोत्तम सेनाओं में से एक है। कांग्रेस लंबे समय से ये मांग करती आई है कि पहलगाम घटना और उसकी बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में कांग्रेस सरकार ने सर्वसम्मति से पीओके को वापस लेने का प्रस्ताव पारित कराया था। श्री पायलट ने कहा, अब समय आ गया है कि हमें 1994 के प्रस्ताव को दोहराना चाहिए। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश और विपक्ष समेत हर राजनीतिक दल से भारत सरकार को पूरा समर्थन मिला। हमने पहले दिन से ही साफ कहा था कि यह हमारी आत्मा पर हमला है और इसका मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है। सेना ने जो कदम उठाए, हमें उस पर गर्व है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को उनकी मांग सुननी चाहिए और एक विशेष संसद सत्र बुलाकर चर्चा करनी चाहिए ताकि पूरी दुनिया में संदेश जाए कि आतंकवाद और पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ पूरा देश एकजुट है।

खरगे-राहुल ने मोदी को पत्र लिखकर की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से पहले एवं उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है। श्री खरगे ने प्रधानमंत्री को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद ने इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि इससे पहले 28 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम हमले को लेकर संसद विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। श्री गांधी ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान की घोषणा से पहले संघर्ष विराम के मुद्दे पर ट्वीट करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस आग्रह पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि श्री गांधी ने पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में भी संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कही थी।

पेज एक का शेष

'सभी टारगेट...

कहा कि उनके पाकिस्तानी समकक्ष ने इस बात को खारिज कर दिया और कहा कि पाकिस्तान इसके जवाब में कार्रवाई करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय सेनाओं ने छह मई की रात को पाकिस्तान की सेना या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया और केवल आतंकवादियों तथा उनके ठिकानों को निशाना बनाया था जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गये। एयर मार्शल भारती ने कहा कि पाकिस्तान ने इसके जवाब में भारत की हवाई सीमा का अतिक्रमण किया और जमीन पर भी घुसपैठ की कोशिश की। पाकिस्तानी सेनाओं ने भारत के हवाई अड्डों , सैन्य प्रतिष्ठानों और हवाई पट्टियों के साथ साथ नागरिका ठिकानों को भी निशाना बनाने के लिए ड्रोन और मानव रहित यानों की बौछार कर दी। भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने इन सब हमलों को विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के दुस्साहस का जमीन और हवा में बेहद करारा जवाब दिया और उसे जान माल का भारी नुकसान पहुंचाया। भारत की कार्रवाई में पाकिस्तान के 35 से 40 सैनिक मारे गये और यह संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है लेकिन इसका अभी आकलन किया जा रहा है। एयर मार्शल भारती ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने नपे तुले और तालमेल पर आधारित हमलों में पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली चकलाला , रफीकी , सकर आदि को निशाना बनाया। इसके अलावा सरगोदा, जकुबाबाद , मुरीद, रहीम यार खान हवाई पट्टियों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के पास पाकिस्तान के हर ठिकाने पर हमले की क्षमता है लेकिन हमने संयम से काम लिया है। वाइस एडमिरल प्रमोद ने कहा कि नौसेना के कैरियर बैटल ग्रुप, सतही बल, पनडुब्बी और अन्य प्लेटफार्म पूरी तरह से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार थे। उत्तर अरब सागर में भी नौसेना पूरी ताकत के साथ तैनात थी। नौसेना ने अपनी मौजूदागी पाकिस्तान को रक्षात्मक रूप अपनाने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि नौसेना पाकिस्तान की यूनिट की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। हमारे सभी विकल्प खुले थे। उन्होंने कहा कि नौसेना अभी भी निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार तथा तैनात है। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान अब आगे कुछ करता है तो उसे पता है कि हम आगे क्या करेंगे। ले जनरल घई ने कहा कि ने कहा कि दस मई को जब हम रणनीति बना रहे थे तो मुझे पाकिस्तान से अपने समकक्ष का बात करने के अनुरोध के साथ संदेश मिला। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने का था और उसके बाद हमने जो भी कार्रवाई की वह जवाबी थी इसलिए हमने बातचीत करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इस बातचीत में शाम पांच बजे के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनी लेकिन पाकिस्तानी सेना ने दुर्भाग्य से इस सहमति का उल्लंघन किया । भारतीय सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पाकिस्तानी समकक्ष को हॉटलाइन पर इस उल्लंघन का विरोध करते हुए कहा कि इसके खिलाफ जोरदार दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी। एयर मार्शल भारती ने सवालों के जवाब में कहा कि भारत ने पाकिस्तान के कुछ विमान गिराये हैं लेकिन इनकी संख्या अभी बताना उचित नहीं है। इस दौरान भारत के विमानों गिरने से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के बारे में पूछे जाने पर एयर मार्शल ने सवालों के जवाब में कहा कि हम लड़ाई में है और नुकसान लड़ाई का हिस्सा होता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यहां सबसे बड़ी बात है कि क्या हमने अपना लक्ष्य हासिल किया है और इसका जवाब है हां हमने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया। उन्होंने कहा कि हम अभी भी लड़ाई की स्थिति में हैं और विमानों को नुकसान की खबर से दुश्मन को फायदा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय वायु सेना के सभी पायलट सुरक्षित हैं। ले घई ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश हो रही है और ये पाकिस्तानी सेना की टोलियां भी हो सकती हैं जो हमारे क्षेत्रमें नुकसान पहुंचाना चाहती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आम तौर पर सहमति के जमीन पर अमल में आने में समय लगता है। पाकिस्तान की ओर से सहमति का दोबारा उल्लंघन किये जाने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने आज पश्चिमी सैन्य कमांडरों के साथ स्थिति की समीक्षा की है और किसी भी उल्लंघन या दुस्साहस का प्रचंड और दंडात्मक जवाब देने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के पास पाकिस्तान को सबक सिखाने का रोड़ मैप और प्लान हैं और हम उस पर अमल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सेना और आतंकी...

दिखने पर तुरन्त ही उनका खंडन करने को कहा गया है। एलआईयू को और ज्यादा अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। आईबी के लगातार सम्पर्क में एक टीम एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने एक टीम बनाई है जो इंटेलीजेंस ब्यूरो के लगातार सम्पर्क में है। आईबी ही हर सूचना को सम्बन्धित जिले की पुलिस तक पहुंचाया जा रहा है। यहां की पुलिस टीम ऐसी सूचना का पूरा पता लगाकर उसे अपडेट करने में लगी हुई है।

सितंबर से पहले...

एआरआर लगभग एक लाख 13 हजार 923 करोड़ रुपये का है। सभी बिजली कंपनियों ने मिलकर तकरीबन 1,33,779 मिलियन यूनिट बिजली की आवश्यकता बताई है। बिजली कंपनिया ने एआरआर में बहुवर्षीय वितरण टैरिफ नियमन के तहत लाइन हानियों व सकल तकनीकी व व्यावसायिक (एटीएंडसी) हानियों के बारे में कुछ नहीं कहा है। बिजली कंपनियों ने आकलन किया है कि इतनी बिजली खरीद के लिए पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) को तकरीबन 88,755 करोड़ रुपये ट्रांसमिशन चार्ज देना होगा। औसतन 12% इजाफा चाहती हैं कंपनियां बिजली दरों में सूत्र बताते हैं कि बिजली कंपनियां तकरीबन 12% का इजाफा मौजूदा बिजली दरों में चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने बिजली आपूर्ति के खर्च और इसके एवज में आने वाले राजस्व के बीच अंतर तो बताया है, लेकिन बिजली दरें बढ़ाने का फैसला आयोग के पाले में डाल दिया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहाकि जनता के बीच सुनवाई के दौरान कंपनियों के दावों को चुनौती दी जाएगी। बिजली कंपनियों पर विद्युत उपभोक्ताओं का लगभग 33, 122 करोड़ बकाया है। यही वजह है कि साफ तौर पर बिजली कंपनियों ने नई दरों का कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। कानून उन्हें बिजली दरों में घटोतरी का प्रस्ताव दाखिल करना चाहिए था। उपभोक्ता परिषद किसी भी कीमत पर बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं होने देगा। निजीकरण पर फंसेगा पेच उपभोक्ता परिषद ने कहा कि आयोग द्वारा एआरआर स्वीकार कर लेने के बाद अब 31 मार्च 2026 तक बिजली कंपनियों के निजीकरण का प्रस्ताव फंस गया है। अब बिजली की नई दरों पर सुनवाई होगी। इनमें पूर्वांचल और दक्षिणांचल भी शामिल हैं, जिनका निजीकरण करने का मंसूबा पावर कॉरपोरेशन पाले है। अब तक आयोग को निजीकरण के संबंध में कोई आधिकारिक सूचना भी नहीं दी गई है। नई दरें पूर्वांचल और दक्षिणांचल पर भी लागू होंगी। लिहाजा न तो उनका निजीकरण हो सकेगा और न ही उनकी जगह कोई दूसरी कंपनी ही बनाई जा सकेगी।

यूपी में 11 आईपीएस...

डीआईजी कारागार प्रशासन का पद संभालेंगे। इसके अलावा गौतमबुद्धनगर के पुलिस उपायुक्त रामबदन सिंह को आगरा का अपर पुलिस आयुक्त, एसपी लाजिस्टिक रमेश प्रसाद गुप्ता को 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद का सेनानायक बनाया गया है। यहां तैनात अमित कुमार द्वितीय को 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ का सेनानायक नियुक्त किया गया है।

आतंकियों को उनकी ही...

बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। वर्ष 2019 में केंद्र में जब पुनः सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी। कई सौ गुना बढ़ा रक्षा उत्पादन और निर्यात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के जो 6 नोड विकसित हो रहे हैं, इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले हमने कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला बारुद के उत्पादन केंद्र का शुभारंभ किया था। अब उसके विस्तार के लिए भी भूमि की मांग हो रही है। लखनऊ में भी ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है। यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग 7 एंकर यूनिट लग रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में भारत का जो रक्षा उत्पादन था आज हम उससे कई सौ गुना ज्यादा उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दुनिया के तमाम मित्र देशों को रक्षा सामग्री निर्यात करके उनकी सुरक्षा की जरूरतों की पूर्ति का भी काम कर रहे हैं। डिफेंस कंपनियों से जुड़ रहे स्थानीय युवा मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो हमारा लक्ष्य था कि 6 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में हमें 50,000 करोड रुपये के निवेश कराने हैं, 100000 युवाओं को रोजगार भी देना है। अब तक हमारे साथ डिफेंस एक्सपो के साथ ही देश और दुनिया के अलग-अलग भागों से 57 एमओयू हो चुके हैं जिनके माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ के निवेश सिर्फ डिफेंस सेक्टर से ही होने जा रहे हैं। लगभग 60 हजार नौजवानों को हम लोग नौकरी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रह्मोस, पीटीसी, डीआरडीओ, एलएंडटी और सभी इकाइयों को धन्यवाद दूंगा, जो स्थानीय स्तर के नौजवानों को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जिस राज्य में नौकरी नहीं होती थी, पलायन होता था, आज वहां पर निवेश भी हो रहा है आज वहां पर एमएसएमई यूनिट एक एंकर यूनिट के रूप में बेस तैयार कर रहा है। आज यूपी में व्यक्ति भी सुरक्षित और पूंजी भी सुरक्षित मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कंपनियों को यहां आने में समस्या होती थी, क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज एक रिच इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है। डीआरडीओ का केंद्र, ब्रह्मोस मिसाइल के साथ-साथ एंकर यूनिट के रूप में पीटीसी की उपस्थिति और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन के लिए किए जाने वाले निवेश इस बात की गवाह है कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में भारत की आवश्यकताओं की आपूर्ति करने के लिए पूरी मजबूती के साथ एक ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता में अपना योगदान देने में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। यहां पर अभी डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए जितनी भी भूमि की जरूरत पड़ेगी, उत्तर प्रदेश सरकार पहले की तरह इसमें भरपूर मदद करेगी। इस अवसर पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद ब्रजलाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रावलपिंडी तक...

अंजाम दिया, जिसमें आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने भारत के नागरिक क्षेत्रों, मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों को निशाना बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उरी, पुलवामा और हाल की पहलगाम की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और अब मल्टिपल स्ट्राइक के जरिए आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट कर दिया है। नरेंद्र मोदी ने दिया स्पष्ट संदेश राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि यह नया भारत है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति, सैन्य इच्छा शक्ति और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। मात्र 40 महीने में योगी ने पूरा कर दिखाया प्रोजेक्ट राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई के अवसर पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन को रक्षामंत्री ने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन 1998 में पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण की याद दिलाता है, जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया था। रक्षामंत्री ने बताया कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी परियोजना का शिलान्यास उन्होंने स्वयं किया था और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मात्र 40 महीनों में पूरा कर दिखाया है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैंने अपने लखनऊ को लेकर सपना देखा था कि मेरा शहर भारत के डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में योगदान दे। वह सपना अब पूरा हो रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइलों में से एक बताते हुए उन्होंने इसे न केवल एक हथियार, बल्कि भारत की सैन्य ताकत, प्रतिरोधक क्षमता और सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। कानपुर फिर बनेगा इंडस्ट्रियल हब, विकास की ऊंचाइयों तक ले जाएगा डिफेंस कॉरिडोर रक्षामंत्री ने उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर को भारत के रक्षा उत्पादन का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कॉरिडोर लखनऊ, कानपुर, झांसी, चित्रकूट, आगरा और अलीगढ़ से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि ये सभी नोड्स भविष्य में विकास के नए केंद्र बनकर उभरेंगे। उन्होंने कानपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह क्षेत्र कभी 'मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट' के नाम से जाना जाता था, लेकिन आजादी के बाद यह पिछड़ गया। डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से कानपुर और अन्य नोड्स को फिर से विकास की ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा। यूपी डिफेंस कॉरीडोर के साथ एक बार फिर कानपुर विकास की उन ऊंचाइयों को छुएगा कि जो पूरी दुनिया के लिए अनुकरणीय होगा। कल को वेस्ट में कोई शहर बहुत अधिक प्रगति करेगा तो उसे 'कानपुर ऑफ दि वेस्ट' कहा जाएगा। साइन किए जा चुके हैं 34 हजार करोड़ रुपये के लगभग 180 एमओयू रक्षामंत्री ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर में विमान निर्माण, यूएवी, ड्रोन्स, गोला-बारूद, कंपोजिट सामग्री, छोटे हथियार, टेक्सटाइल और पैराशूट जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश किए गए हैं। लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज द्वारा टाइटेनियम और सुपर अलॉय सामग्री संयंत्र की शुरुआत की जा रही है, साथ ही सात अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नींव रखी गई है। उन्होंने कहा कि हमारा सपना है कि उत्तर प्रदेश दुनिया के शीर्ष रक्षा उत्पादन केंद्रों में से एक के रूप में जाना जाए। अब तक कॉरिडोर में 34 हजार करोड़ रुपये के लगभग 180 एमओयू साइन किए जा चुके हैं और 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। ब्रह्मोस भारत और रूस की उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी का संगम रक्षामंत्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में सिविल और रक्षा क्षेत्रों में तकनीकी क्रांति तेजी से बदलाव ला रही है। ब्रह्मोस भारत और रूस की उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी का संगम है। जैसे यूपी में प्रयाग अपने संगम के लिए दुनिया में जाना जाता है, वैसे ही लखनऊ तकनीकी के संगम के रूप में स्थापित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा रोजगार के अवसर पैदा करेगी और छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूती देगी। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' नीति के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

जाति जनगणना से और अधिक आर्थिक व कल्याणकारी नीतियां बनेंगी : महेंद्र भट्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है।

रविवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा और इससे आर्थिक एवं कल्याणकारी नीतियों को अधिक प्रभावी रूप दिया जा सकेगा। उन्होंने इस विषय पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि 1931 में ब्रिटिश सरकार के दौरान जातिगत जनगणना की गई थी, तब पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत का हिस्सा थे। उस समय हुई जातियों की गणना में ओबीसी वर्ग की संख्या कुल आबादी के

27 करोड़ और हिस्सेदारी में 52% थी। तब से आज तक अनुसूचित जाति एवं जनजातियों को छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर कोई आधिकारिक जाति गणना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि 94 वर्ष बाद जातिगत जनगणना को पुनर्जीवित करने का मोदी सरकार का यह निर्णय साक्ष्य आधारित और पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पूर्व अंतिम जनगणना 2011 में हुई, परंतु उस गणना में ओबीसी और अन्य जातियों की गणना ना होने से सही आकलन नहीं किया गया। महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस पर पटवार करते हुए कहा कांग्रेस जब-जब विपक्ष में रही जातिगत गणना की वकालत करती रही, परंतु सत्ता में आने पर उन्होंने इसे कूड़ेदान में ही डालने का कार्य किया। 2010 में यूपीए सरकार के तहत इस पर विचार करने के लिए मंत्रियों का समूह तो बनाया गया परंतु 2011 की गणना में इसको लेकर कोई तैयारी नहीं की गई। दरअसल कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को केवल राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया और कभी भी उसे धरातल पर उतारने का प्रयास नही किया। उन्होंने कहा कि नेहरू से लेकर राजीव गांधी, मनमोहन तक कांग्रेस के सभी प्रधानमंत्रियों ने इसका समय समय पर विरोध किया। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा कराए गए जातीय सर्वे की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है। इससे कांग्रेस की दोहरी नीति उजागर होती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पहले भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10% आरक्षण लागू कर सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। ऐसे में जब मोदी सरकार जातिगत जनगणना कराएगी, भारतीय समाज का आर्थिक स्वरूप भी देश के सम्मुख होगा, जिसके आधार पर ऐसी नीतियां बनेंगी कि समाज का हर वर्ग आर्थिक रूप सशक्त हो। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी ने कहा कि मोदी सरकार का यह कदम हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त करेगा और देश की सामाजिक एवं आर्थिक नींव को मजबूत करेगा। उन्होंने आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दलों को भी अपने-अपने संकीर्ण हितों से ऊपर उठ आगे आने को कहा।

श्री दिगंबर जैन मंदिर की 36वीं रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुई मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज प्रीतमपुरा स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर की 36वीं रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुई। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अहिंसा, सत्य, संयम और अपरिग्रह जैसे महावीर जयंती के मूल संदेशों को समाज में जाग्रत करने वाला प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की रथयात्रा केवल एक धार्मिक शोभायात्रा नहीं, बल्कि समाज को धर्म, सेवा, करुणा और शांति के मार्ग पर चलने का प्रेरणापुंज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की विविधताओं से भरी संस्कृति में जैन समाज का योगदान अत्यंत मूल्यवान है, जो न केवल धार्मिक संतुलन, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी सशक्त करता है। इस दिव्य आयोजन के लिए मंदिर समिति एवं समस्त आयोजन टीम को हृदय से साधुवाद एवं शुभकामनाएं।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के आरके पुरम थाना पुलिस ने दिल्ली में सक्रिय दो कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ के बाद के बाद गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान सैनिक एन्क्लेव मोहन गार्डन निवासी सुरेश उर्फ सुभाष (33) और जे.जे. कॉलोनी, वजीरपुर अशोक विहार निवासी मनीष उर्फ मोगली (33) के रूप में हुई है। सुरेश को पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगी। जबकि मनीष को मौके पर ही दबोच लिया गया। दोनों पर दिल्ली के विभिन्न जिलों में हत्या, हत्या के प्रयास, पुलिस पर गोलीबारी, लूट, झपटमारी,आर्म्स एक्ट सहित 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। दक्षिण-पश्चिम जिलेके डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने रविवार को बताया कि आर.के.पुरम थाना पुलिस को बीते कुछ समय से क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्ट रविंदर कुमार त्यागी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जिसमें इंस्पेक्टर विनय कुमार यादव, इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह, एसआई अशोक कुमार, एसआई राहुल कुमार, हेड कांस्टेबल इंद्राज काजला, कांस्टेबल राकेश कुमार आदि शामिल थे। डीसीपी के अनुसार रात 8-9 मई की दरम्यानी रात करीब 1:10 बजे पुलिस की दो पेट्रोलिंग बाइक टीमों ने आरटीआर मार्ग, सेक्टर-9 आरके पुरम के पास फुटपाथ पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पूछताछ की कोशिश पर दोनों बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने हवाई फायर कर आत्मसमर्पण का निर्देश दिया। उसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी गोलीबारी में सुरेश को पैर में गोली लगी, जबकि मनीष को बिना घायल किए दबोच लिया गया। जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सुरेश उर्फ सुभाष अविवाहित है। उसके माता-पिता की मृत्यु बचपन में हो गई थी। गरीबी के चलते शिक्षा पूरी नहीं कर सका और नशे की लत में पड़कर अपराध की दुनिया में चला पड़ा। वह कई बार पुलिस मुठभेड़, लूट, झपटमारी, अवैध हथियार रखने आदि के मामलों में शामिल रहा है। जबकि मनीष उर्फ मोगली विवाहित है और उसके दो बच्चे है। आरोपित ने कक्षा 5 में स्कूल छोड़ दिया था। शराब और नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए आपराधिक वारदात करता है। वह भारत नगर थाने का सक्रिय बदमाश है और अब तक 26 से अधिक गंभीर मामलों में शामिल रहा है। वहीं पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो .32 बोर की पिस्तौल, जिनमें कुल 3 चले हुए कारतूस और 4 जिंदा कारतूस थे। इसके अलावा एक चोरी की गई होंडा सीबी हॉर्नेट बाइकव एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद किया है।

पटना में पथों का निर्माण कार्य तेजी से करें पूर्ण : नीतीश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को पटना जिले में बन रही सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने का आज निर्देश दिया। श्री कुमार ने रविवार को पटना जिले के अलग अलग पथों का निरीक्षण करने के बाद निर्मित पथों के मेंटनेंस तथा निर्माणाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने इस दौरान हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया। यह पथ तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डीपीएस स्कूल एवं लोदीपुर, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ता है। उसरी-छितनावां पथ का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने पटना जिला की प्रगति यात्रा के दौरान किया था। हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य होने से उसरी-छितनावां, शिवाला, नौबतपुर, बिक्रम, पाली, जहानाबाद एवं आरा की ओर जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। श्री कुमार ने इसके बाद शिवाला आरओबी का निरीक्षण किया। साथ ही शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने चांदमारी गांव के पास रुककर पथ का जायजा लिया। वह सैनिक मोड़, दानापुर के पास भी रुके तथा सगुना मोड़ के पास निर्माण कराए जा रहे पटना मेट्रो रेल कार्य का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार समेत अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंजाबः मलेरकोटला से पकड़े गए दो पाकिस्तानी जासूस

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने राज्य के मलेरकोटला से दो पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तानी उच्च आयोग के कार्यालय के एक अधिकारी को सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां मुहैया करवाने का आरोप है। इसके बदले में उन्हें ऑनलाइन पेमेंट मिलती थी। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर मलेरकोटला से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में अपने दूसरे सहयोगी के बारे में बताया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनसे पूछताछ करके पता लगाया जा रहा है कि वह कब से गोपनीय जानकारियां लीक करने का काम कर रहे थे और वह अब तक किस तरह की जानकारियां पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को मुहैया करवा चुके हैं। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पकड़े गए दोनों आरोपित अपने हैंडलर के लगातार संपर्क में थे और उसके निर्देशानुसार काम करते हुए स्थानीय युवकों के साथ मिलकर गतिविधियों को नोट करके मोबाइल के माध्यम से आगे भेजते थे।

भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब से आरडीएक्स, हैंड ग्रेनेड व हथियार बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर भारत-पाकिस्तान सीमा से आरडीएक्स तथा हैंड ग्रेनेड व कई हथियार बरामद किए हैं। विस्फोटक सामग्री व हथियार बरामद करने के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिस को इस बारे में सूचित किया कि गांव चक बाला के पास कुछ संदिग्ध वस्तुएं पड़ी हैं। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस की टीम वहां पहुंची और पूरे गांव को घेर लिया। इसके बाद खेतों में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान यहां से 972 ग्राम आरडीएक्स, एक रिमोट कंट्रोल

डिवाइस और चार्जर, दो हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, आठ बैटरियां, एक ब्लैक बॉक्स, 30 जिंदा कारतूस तथा दो पिस्टल व चार मैगजीन बरामद की हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने इस बरामदगी की पुष्टि करते हुए कहा कि यह किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम दिए जाने का प्रयास हो सकता है जिसे पुलिस तथा बीएसएफ ने मिलकर विफल बनाया है। डीजीपी ने बताया कि अमृतसर के अजनाला पुलिस थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

भारत-पाक युद्ध में शहीद इम्तियाज के परिवार को 5 करोड़ और परिजन को सरकारी नौकरी देने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। पाकिस्तान धोखेबाज है यह तो हर कोई जानता है, लेकिन वह अपनी कही बातों और किये गए वादों से भी पलट जाता है। ऐसा ही शनिवार को तब हुआ जब सीजफायर की घोषणा करने के बाद पाकिस्तान ने धोखे से फिर बॉर्डर पर गोलीबारी शुरू कर दी। युद्ध विराम की स्थिति में हुई इस क्रॉस बार्डर फायरिंग में बिहार के छपरा का लाल बीएसएफ सब इंस्पेक्टर मो. इम्तियाज शहीद हो गए। उन्होंने अपने साथियों को बचाने के लिए प्राणों की आहुति दी। अररिया सहित पूरे बिहार व उनके गांव छपरा के नारायणपुर में शोक की लहर है। मगर लोग उनके इस अदम्य साहस को सलाम कर रहे हैं। इस संबंध में रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता सह आजाद हिंद फौज के संयोजक प्रभात यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पत्र भेजकर शहीद मो. इम्तियाज के परिवार को 5 करोड़ का आर्थिक सहयोग देने तथा एक परिजन को सरकारी नौकरी की घोषणा की मांग किया है। प्रभात यादव ने पत्र में लिखा कि छपरा जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी मो. इम्तियाज साहब जम्मू के आरएसपुरा में बीएसएफ इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे और देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गये। घर पर सिर्फ़ बीमार पत्नी है उन्हें अभी तक यह पता नहीं है की पति भारत माता की रक्षा करते हुए शहीद हो चुके हैं।

किसानो के लिए मई माह मिट्टी जांच का उपयुक्त समय: डॉ आशीष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूर्वी चंपारण। मृदा(मिट्टी) का स्वास्थ्य भी मनुष्यों के स्वास्थ्य के साथ जुड़ा है,ऐसे में किसान मई माह में अपने खेतो की मिट्टी जांच अवश्य कराये,क्योंकि मई माह मिट्टी जांच के लिए सबसे उपयुक्त समय है।उक्त बाते जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने हिन्दुस्थान समाचार से कही। उन्होने कहा कि बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण उपज के लिए मिट्टी की जांच जरूरी है।इसके लिए हर स्तर पर किसानो को जागरुक बनाने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि मिट्टी जांच से ही समेकित पोषक तत्वो का प्रबंधन किया जा सकता है। मिट्टी जांच से यह पता चलता है,कि मिट्टी में फास्फोरस,कैल्शियम व नाइट्रोजन सहित फसलो के लिए आवश्यक तत्वो की कितनी मात्रा है। फसल के लिए जरूरत से ज्यादा अवयव की होने से उपज और गुणवत्ता दोनो प्रभावित होते है।मिट्टी में किसी भी अवयव की मात्रा ज्यादा होने पर फसल पर प्रतिकुल असर होता है।उन्होने किसानो को रसायनिक खाद में कटौती कर बायो फर्टिलाइजर का प्रयोग करने पर जोर देते कहा कि किसान अपने खेतो मे सूक्ष्म पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव करें तो फसलो की गुणवत्ता बढ सकती है। डॉ.आशीष राय ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य के प्रति स्कूली बच्चों को भी जागरूक करना जरूरी है।उन्होने कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले राज्य बिहार के किसानो के लिए मिट्टी का स्वास्थ्य परीक्षण कराना बेहद जरूरी है,क्योकी इससे यह पता चलता है,कि उस मिट्टी में कौन सी फसल बेहतर उपज दे सकती है।इसके साथ ही इससे किसानो को प्राकृतिक खेती करने और मिट्टी के साथ ही मानव की सेहत सुधारने का भी अवसर मिलता है। मिट्टी जांच से मिट्टी में उत्पन्न दोष जैसे अम्लीयता तथा लवणीयता आदि का पता चलता है,जिससे उनका सही उपचार का सलाह मिलता है।इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति का पता चलता है, जिससे किसान मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों के अनुसार फसलों की बुवाई कर बेहतर उपज प्राप्त कर सकते है।वही जांच से खादों एवं उर्वरकों की आवश्यकता के अनुसार व संतुलित मात्रा में प्रयोग करने में मदद मिलती है।इससे फसलों की उपज का सटीक आकलन करने के

साथ ही मिट्टी में होने वाले परिवर्तनों का समय-समय पर अध्ययन करने में भी मदद मिलती है।मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरक का प्रयोग करने से अधिक लाभ की संभावना बढ़ जाती है। मिट्टी परीक्षण की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नमूना कैसे लिया गया है। अच्छा नमूना खेत का सही प्रतिनिधित्व करता है।सामान्यत धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, गन्ना, तिलहन, दलहन आदि फसलों के लिए मिट्टी का नमूना लेने का उचित समय फसल कटने के बाद या फसल बोने से लगभग एक माह पूर्व होता है। एक इकाई से एक नमूना तैयार किया जाता है एक इकाई का क्षेत्रफल 1 एकड़ या एक हेक्टेयर से अधिक तथा कम भी हो सकता है। यह नमूना इकाई मृदा एवं फसल की भिन्नता पर निर्भर करता है। खेत में से 15-20 स्थानों से मिट्टी को एकत्र किया जाता है। नमूने की गहराई प्रत्येक स्थान पर 0 से 15 सेंटीमीटर या 20 सेंटीमीटर तक रखा जाता है। सामान्यता मृदा नमूना लेने के लिए किसानों के लिए सबसे सरल एवं उपलब्ध औजार खुरपी तथा फावड़ा है। यदि मिट्टी सख्त हो तो इसके लिए बर्मी अगार का उपयोग कर सकते हैं। विभिन्न स्थानों से ली गई मिट्टी को किसी साफ कपड़े, कागज, पॉलिथीन पर एक ढेर बनाकर अच्छी तरह से मिला ले। इसके बाद पूरे ढेर को घन के आकार का चित्रण कर आमने सामने वाले भाग को हटा दे और शेष भाग को फिर से मिला कर लगभग आधा किलोग्राम मिट्टी लेकर एक प्लास्टिक की शीट में रखकर उस पर अपना नाम, पता, नमूना संख्या, फसल विवरण तथा पहचान आदि सही जानकारी कागज के टुकड़े पर लिख कर इन नमूनों को मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में भेज देना चाहिए। बागवानी जैसे फल या दूसरे बहुवर्षीय वृक्ष लगाने के लिए गड्ढे की विभिन्न गहराई से अलग-अलग नमूना लेना चाहिए इन गहराई का अंतराल 0 से 15, 15 से 30, 30 से 45, 45 से 60, 60 से 90 तथा 90 से 120 सेंटीमीटर रखना चाहिए। 1 एकड़ क्षेत्रफल में 5 या 6 गढ्ढे बनाते हैं तथा प्रत्येक गड्ढे की गहराई का अंतराल ऊपर बताएं गए गहराई के अनुसार रखना चाहिए। इस प्रकार सभी गड्ढों की विभिन्न गहराई की मिट्टी का एक संयुक्त नमूना अलग-अलग स्थानों पर रखकर अच्छी तरह से मिला लेना चाहिए। अर्थात इकट्ठे की गई विभिन्न गहराई की मिट्टी के नमूनों को आपस में ना मिलायें।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063